हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

1159 दिन बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने कुलदीप...

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 29 सितंबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 215, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

भगत सिंह का राष्ट्र सम्मान के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का जज्बा नौजवानों की हिम्मत और हौसले का प्रतीक: पीएम मोदी

भगत सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद भगत सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र के सम्मान के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का भगत सिंह का जज्बा भारत के नौजवानों की हिम्मत और हौसले का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "शहीद भगत सिंह को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। अपने अदम्य साहस और शौर्य से उन्होंने आजादी के आंदोलन को नई धार दी। राष्ट्र के सम्मान के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का उनका जज्बा भारत के नौजवानों की हिम्मत और हौसले का प्रतीक है।" इसके साथ ही, उन्होंने एक वीडियो संदेश भी शेयर किया। इसमें पीएम मोदी ने कहा, "अमर शहीद भगत सिंह हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए प्रेरणापुंज हैं। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूटकर भरी है। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह जी ने अंग्रेजों को पत्र भी लिखा। " पीएम मोदी ने आगे कहा, "उन्होंने कहा था कि 'आप मुझे और मेरे साथियों से युद्धबंदी जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, सीधा गोली मारकर ली जाए। यह उनके अदम्य साहस का प्रमाण है। उन्होंने कहा, "भगत सिंह जी लोगों की पीड़िता के प्रति भी बहुत संवेदनशील थे और उनकी मदद में हमेशा आगे रहते थे। मैं शहीद भगत सिंह को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।" साल 1907 में 28 सितंबर की तारीख को क्रांति के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचने वाले क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह का जन्म स्वतंत्रतापूर्व पंजाब प्राप्त में हुआ था। उन्होंने ताकत के बल पर आजादी दिलाने की ठानी थी और क्रांति के पर्याय बनकर अमर हो गए। जलियांवाला बाग हत्याकांड के समय भगत सिंह की उम्र महज 12 साल की थी। साल 1920 में महात्मा गांधी के 'असहयोग आंदोलन' से प्रभावित होकर भगत सिंह ने स्कूल छोड़ दिया था और आजादी की लड़ाई में कूद पड़े थे। भगत सिंह ने साथी क्रांतिकारियों के साथ मिलकर लाला लाजपत राय के बलिदान का बदला लेने के लिए अंग्रेज अधिकारी सांडर्स को मारा था। इससे भगत सिंह पूरे देश में एक क्रांतिकारी की पहचान बन गए। 8 अप्रैल 1929 के दिन उन्होंने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा लगाते हुए 'सेंट्रल असेंबली' में बम फेंका था। बाद में भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और अन्य क्रांतिकारियों पर मुकदमा चला। क्रांतकारियों से भयभीत हुई अंग्रेजी हुकूमत ने 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दे दी थी।

अशोक सिंहल का जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पण का उदाहरण : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक सिंहल को उनकी जन्मशती पर याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सिंहल के संगठनात्मक कौशल, सामाजिक समरसता के प्रति प्रतिबद्धता और राम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका को भी स्मरण किया। प्रधानमंत्री ने एक लेख में कहा कि सिंहल का जीवन इस भावना का उदाहरण था कि व्यक्ति को अपनी उपलब्धियों से अधिक लोक कल्याण के लिए समर्पित जीवन को महत्व देना चाहिए। उन्होंने एक सुभाषित का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह वृक्ष अपने फल और नदी अपना जल अपने लिए नहीं रखते, उसी तरह संत स्वभाव के लोग दूसरों की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। मोदी ने कहा कि 27 सितंबर से अशोक सिंहल की जन्मशती वर्ष की शुरुआत हुई है। उन्होंने सिंहल के साथ अपने लंबे जुड़ाव और व्यक्तिगत संस्मरण साझा करते हुए 1981 का एक प्रसंग याद किया, जब उन्हें सिंहल का हाथ से लिखा पत्र मिला था। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंहल देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की यात्राएं करते थे और वंचित तथा अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए लगातार काम करने पर विचार करते रहते थे। वर्ष 2001 के कच्छ भूकंप के बाद उनके साथ का अनुभव भी उन्होंने याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि संपन्न परिवार से आने के बावजूद सिंहल ने अलग मार्ग चुना और समाज तथा संस्कृति के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

पीओके में एलओसी खत्म करने और जम्मू कश्मीर से रास्ते खोलने की उठी मांग

एजेंसी। मुजफ्फराबाद

मंडहोल में अवामी एक्शन कमेटी का धरना, सरदार अमान खान ने पाकिस्तान सरकार पर लगाए भेदभाव के आरोप

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) को लेकर भी मांग तेज हो गई है। शनिवार, 26 सितंबर को एलओसी से करीब सात किलोमीटर दूर मंडहोल गांव में अवामी एक्शन कमेटी की ओर से एक दिवसीय धरना आयोजित किया गया। आयोजकों के अनुसार, धरने में करीब 25 हजार लोग शामिल हुए। हालांकि, भीड़ की इस संख्या की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध स्रोतों से नहीं हो सकी है। धरने को संबोधित करते हुए अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख नेताओं में शामिल सरदार अमान खान ने पीओके में कथित राशन संकट, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य स्थानीय समस्याओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पूछा कि क्या पीओके और जम्मू-कश्मीर के बीच मौजूद नियंत्रण रेखा को समाप्त कर आवागमन के रास्ते खोले जाने चाहिए। आयोजकों के मुताबिक, लोगों ने इन मांगों का समर्थन किया। अमान खान ने कहा कि नियंत्रण रेखा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के बीच वर्षों से सामाजिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। उन्होंने सभा में पुंछ और मेंढर के रास्ते खोलने तथा नियंत्रण रेखा के निकट प्रदर्शन करने के बारे में भी लोगों की राय मांगी। उनके अनुसार, सभा में मौजूद लोगों ने इन मांगों के समर्थन में आवाज उठाई। पीओके में जारी आंदोलन में नियंत्रण रेखा के आसपास आवाजाही और व्यापार के रास्ते खोलने की मांग पहले भी सामने आती रही है। इस आंदोलन का एक प्रमुख हिस्सा बिजली, आवश्यक वस्तुओं, रोजगार, शासन और सामाजिक सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर है। अमान खान ने पाकिस्तान सरकार और प्रशासन पर पीओके के लोगों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि पाकिस्तान को पीओके के साथ किसी तरह का समझौता करना है तो उसे क्षेत्र के लोगों के साथ पड़ोसी की तरह व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान की सेना पर भी गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि दशकों से क्षेत्र के लोगों की जमीन और संसाधनों पर नियंत्रण रखा गया है। उनका कहना था कि स्थानीय लोगों को अपने अधिकारों और बुनियादी सुविधाओं के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। हालांकि, इन आरोपों पर पाकिस्तान सरकार या सेना की प्रतिक्रिया इस रिपोर्ट में उपलब्ध नहीं है। धरने के दौरान पीओके में पिछले कुछ महीनों से कथित राशन संकट का मुद्दा भी उठाया गया। अमान खान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की ओर से आवश्यक खाद्य सामग्री की आपूर्ति प्रभावित की गई है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले पीओके के लोग जम्मू-कश्मीर के मेंढर क्षेत्र से जरूरी सामान खरीदकर लाते थे, लेकिन नियंत्रण रेखा पर बाड़ और आवाजाही पर लगी पाबंदियों के कारण यह रास्ता बंद हो गया।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं का संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना एकमात्र एजेंडा: जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों पर राहुल गांधी और विपक्ष पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी समेत विपक्ष के नेताओं का एकमात्र एजेंडा देश की स्वतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम और उन्हें कमजोर करना है।" केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, "आज जब 140 करोड़ भारतीय अपनी कड़ी मेहनत से विकसित भारत का संकल्प पूरा कर रहे हैं और दुनियाभर में भारत का नाम हो रहा है, तो दुख की बात है कि कांग्रेस और पूरा इंडी गठबंधन देश की इस तरक्की को देखकर निराश और हताश है। विपक्ष के सभी झूठे आरोप तथ्यों की कसौटी पर बार-बार गलत साबित हुए हैं। चुनाव आयोग से लेकर देश की सबसे बड़ी अदालतों तक, उनके हर झूठ की पोल खुल चुकी है। जब उनके पास कोई नीति या विजन नहीं होता, तो वे देश में भ्रम और अराजकता फैलाने के लिए नई-नई साजिशें रचते हैं। कुछ दिन पहले ही हमने देखा कि कैसे एक झूठी खबर पर पूरे देश में हंगामा खड़ा किया गया था। अब, जब चुनाव आयोग के सभी सदस्यों ने उनके लगाए हर झूठ का पर्दाफाश कर दिया है, तो वे फिर से माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।" राहुल गांधी कान खोलकर सुन लें! किसी झूठ को सौ बार दोहराने से वह सच नहीं बन जाता और न ही सच कभी हारता है।

खरगे ने बुलाई सीडब्ल्यूसी की बैठक ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई है। बैठक में चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के साथ पार्टी की आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर गंभीरता से संघर्ष करेगी और बैठक में सीडब्ल्यूसी के सभी सदस्य अपने सुझाव देंगे। यह मामला केवल किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को गंभीरता से उठा रही है और सीडब्ल्यूसी की बैठक में आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि आयोग के कामकाज को लेकर उसके अपने लोगों की ओर से भी सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने केरल के पूर्व मुख्य सचिव जीजी थॉमसन के उस दावे का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा है कि 2016 में तत्कालीन आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार ने उन्हें 2019 का लोकसभा चुनाव भाजपा के टिकट पर लड़ने का सुझाव दिया था। थॉमसन के अनुसार, उन्होंने इस सुझाव को स्वीकार नहीं किया था। खरगे ने इस दावे के आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी ने सेवा में रहते हुए किसी राजनीतिक दल के टिकट पर चुनाव लड़ने का सुझाव दिया था, तो यह चुनाव आयोग की निष्पक्षता से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका चुनाव आयोग के कामों को लेकर न्यायिक जांच की मांग

नई दिल्ली । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक और याचिका दाखिल की गई, भारतीय निर्वाचन आयोग के कार्य करने के तरीकों और रिकॉर्ड की न्यायिक या एसआईटी जांच की मांग की गई है। राकेश कुमार सिंह उर्फ राकेश सिंह नाम के व्यक्ति ने यह याचिका दाखिल की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कई सदस्यों वाली संस्था के तौर पर पोल पैनल को मिली शक्तियों का इस्तेमाल, संविधान के आर्टिकल 324 और 2023 एक्ट के सेक्शन 18 के तहत तय सामूहिक फैसले लेने की प्रक्रिया का पालन किए बिना किया गया। याचिका में फॉर्म-6 में जुलाई 2026 में किए गए बदलाव और कुछ दूसरी कार्रवाइयों को रद्द करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि अगर रिकॉर्ड में बिना इजाजत के फैसले लेने का खुलासा होता है तो न्यायिक आयोग या एसआईटी से जांच कराई जाए। याचिका में इससे संबंधित रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने, फॉर्म-6 में और बड़े बदलावों पर रोक लगाने,और मुख्य चुनाव आयोग (सीईसी) को कार्रवाई पेंडिंग रहने तक अपने काम करने से रोकने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' के अनुसार, ईसीआई का कामकाज जहां तक संभव हो, आम सहमति से किया जाना चाहिए।

शाही मस्जिद का हिस्सा हटाए जाने के विरोध में पत्थरबाजी, पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस

एजेंसी। उज्जैन

क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात, उज्जैन में सिंहस्थ 2028 को लेकर किए जा रहे काम

मध्य प्रदेश के उज्जैन में सोमवार सुबह तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। ऐतिहासिक शाही मस्जिद के कुछ हिस्से को आंशिक रूप से हटाने के प्रस्ताव के विरोध में प्रदर्शन हिंसक हो गया। इस दौरान पत्थरबाजी हुई और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। मस्जिद परिसर के आसपास भारी पुलिस बल तैनात है। यह विवाद कंथल स्क्वायर से गोपाल मंदिर तक करीब 900 मीटर के रास्ते को चौड़ा करने के काम को लेकर है। अधिकारी इस रास्ते को 15 मीटर तक चौड़ा कर रहे हैं ताकि सिंहस्थ 2028 के आयोजन में आने वाले भारी भीड़ को संभाला जा सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों का कहना है कि रास्ते में पड़ने वाले करीब 60 ऐसे ढांचों में से ज्यादातर को पहले ही हटाया जा चुका है। हालांकि, शाही मस्जिद और खड़े हनुमान मंदिर के पास स्थित एक मजार हाल के दिनों में विरोध का केंद्र बन गए हैं। शाही मस्जिद जिसे समुदाय के लोग सदियों पुरानी वक्फ संपत्ति बताते हैं के कुछ हिस्सों, जैसे प्रार्थना कक्ष, एक मीनार और उससे जुड़ी संरचनाओं को आंशिक रूप से गिराने का प्रस्ताव है। इंदौर में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पहले उज्जैन नगर निगम के नोटिस को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिसमें सिंहस्थ के लिए जनहित और ट्रैफिक की जरूरतों का हवाला दिया गया था। इस मामले से जुड़ी अगली सुनवाई सोमवार को इंदौर हाईकोर्ट में होनी थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सोमवार को जब हालात तनावपूर्ण बने हुए थे, तो कुछ युवाओं ने पुलिसकर्मियों पर पत्थरबाजी की, जबकि बार-बार आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे थे। भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश में 18 से ज्यादा गोले इस्तेमाल किए गए। हालात को सामान्य करने के लिए सुरक्षा बलों की कोशिशों के बीच मौके पर तनाव बना रहा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक घटना में क्राइम ब्रांच की टीआई घायल हो गई। पुलिस के मुताबिक विरोध-प्रदर्शन के दौरान महिलाओं का एक समूह आगे बढ़ रहा था।

प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और रक्षा मंत्री ने लता मंगेशकर की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने सोमवार को स्वर गायिका लता मंगेशकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, "अपनी दिव्य गायन प्रतिभा से विश्व में देश का नाम रोशन करने वालीं लता को उनकी जयंती पर सादर नमन। उन्होंने भारतवर्ष को न केवल अपने सुमधुर सुरों से सजाया-संवाराबल्कि देश की समृद्धि से जुड़ी हर पहल को भी सदैव प्रोत्साहित किया। भारतीय संगीत जगत में उनका अप्रतिम योगदान युग-युगांतर तक स्मरणीय रहेगा।" ओम बिरला ने कहा कि लता भारतीय संगीत की अमर पहचान है। अपने असाधारण संगीत सफर में उन्होंने अनेक भारतीय भाषाओं में हजारों गीतों को अपनी आवाज दी और भारतीय फिल्म संगीत को एक ऐसी पहचान दी, जिसकी गूंज देश की सीमाओं से बहुत आगे तक पहुँची। दशकों तक उन्होंने हिंदी सिनेमा के संगीत को नई ऊँचाइयाँ दीं और अनगिनत गीतों को कालजयी बना दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की 'स्वर कोकिला' मानी जानी वाली लता मंगेशकर की आवाज ने इस देश की पीढ़ियों को भावनाओं के एक ऐसे संसार से जोड़ा, जहां प्रेम, भक्ति और देशभक्ति के सुर एक साथ गूंजते हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीईसी के घर पर पोती कालिख, लिखा वोट चोर

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर को लेकर सियासी बवाल खत्म नहीं हो रहा है। सोमवार को कांग्रेस देशभर में कई शहरों में ज्ञानेश कुमार के विरोध में प्रदर्शन कर रही है। यूपी के आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीईसी के घर के बाहर कालिख पोत दी और वोट चोर लिख दिया। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार में जरा भी नैतिकता है, तो उन्हें उस पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने बेंगलुरु में कहा कि उनके अपने ही लोगों ने उनकी पोल खोल दी है और उनके अपने लोग ही यह बात कह रहे हैं। यहां तक कि केरल के मुख्य सचिव का भी कहना है कि सीईसी ने खुद उनसे चुनाव लड़ने के लिए कहा था। इसका मतलब है कि जो व्यक्ति सबसे ऊंचे पद पर है वह बीजेपी की विचारधारा का प्रचार कर रहा है, बीजेपी का कार्यकर्ता बन गया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के हमलावर रुख पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि जो ताकतें देश में अस्थिरता पैदा करना चाहती हैं, उन्हें देश ने पहले भी करारा सबक सिखाया है। आगे भी इनका भ्रम चूर चूर होगा।

2029 तक रांची में शुरू होगा IT पार्क, 75 हजार रोजगार का लक्ष्य

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से RMZ Infrastructure के प्रेसिडेंट दीपक छाबड़िया ने की मुलाकात

नई सोच एक्सप्रेस/ रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में RMZ Infrastructure के प्रेसिडेंट दीपक छाबड़िया ने मुलाकात की। बैठक में झारखंड में अत्याधुनिक IT Park, Global Capability Centre (GCC) की स्थापना और तकनीकी एवं औद्योगिक निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। प्रस्तावित योजना के तहत 2029 तक रांची में IT Park शुरू करने और पहले चरण में करीब 20 हजार रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। अगले तीन वर्षों में इसकी क्षमता बढ़ाकर करीब 75 हजार रोजगार अवसर उपलब्ध कराने की योजना है। इसके लिए IIM रांची, नए विधानसभा परिसर और हाईकोर्ट परिसर के निकट लगभग 100 एकड़ भूमि को संभावित स्थल के रूप में विकसित करने पर विचार किया जा रहा है। बैठक में IT, AI, सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग, न्यूक्लियर एनर्जी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि रांची को IT, नवाचार और उच्च-कौशल रोजगार का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए उद्योग जगत के साथ मिलकर काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अक्टूबर में सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग का प्रतिनिधिमंडल बेंगलुरु जाकर IT Park और GCC मॉडल का अध्ययन करेगा। मौके पर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव पूजा सिंघल और JSAC निदेशक माधवी मिश्रा मौजूद रहीं।

शिवराज ने किया रबी अभियान 2026 का शुभारंभ, कहा- केंद्र व राज्य मिलकर बनाएंगे जलवायु-अनुकूल कृषि रोडमैप

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार कि कहा कि अब पुराने तरीकों से नहीं, बल्कि डेटा-आधारित योजना और केंद्र-राज्य साझेदारी से ही खाद्य सुरक्षा और किसान आय के लक्ष्य पूरे होंगे। हमारे लिए जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित बारिश और पानी की कमी जैसी चुनौतियां हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने राज्यों से स्पष्ट तालमेल, वैज्ञानिक योजना और जमीनी निगरानी के साथ रबी सीजन की तैयारियां पूरी करने का आह्वान किया। वे दिल्ली स्थित केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सी. सुब्रमण्यम सभागार, पूसा में आयोजित दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन–रबी अभियान 2026' के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने रबी तैयारियों में 'जल बजट' को सबसे महत्वपूर्ण पैरामीटर बताते हुए कहा कि हर राज्य और जिले को यह आकलन करना होगा कि उनके पास सिंचाई के लिए कितना पानी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पानी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए फसल चुननी होगी-जहां पानी कम है, वहां कम पानी मांगने वाली फसलों (दलहन, तिलहन) को प्राथमिकता दी जाए और जहां सिंचाई की अच्छी व्यवस्था है, वहां अन्य फसलों की योजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बारिश औसत से कम हुई है, लेकिन इतनी कम नहीं कि पानी की उपलब्धता पर गंभीर असर पड़े। हालांकि, कुछ राज्यों में पानी की कमी चिंता का विषय है। उन्होंने राज्यों से आग्रह किया कि वे रबी की योजना पूरे समय ठीक तरीके से करें और जिन हिस्सों में देश में कम पानी है, वहां कितना पानी की उपलब्धता है, मिट्टी में नमी कितनी है, इसका आकलन करके सिंचाई के पानी के लिए अभी से प्रबंध करें। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा कोई पैरामीटर नहीं होना चाहिए, जिसमें पानी ज्यादा लगना और बाद में पानी नहीं मिलना, तो फिर फसल खराब होने का संकट पैदा होगा। उन्होंने कहा कि तैयारियों में देर नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अब हम रबी की बुवाई के मुहाने पर खड़े हैं और रेनफेड इलाके में तो जल के पौधे शुरू हो जाते हैं, यहां दूसरी फसल नहीं है।

महंगाई को लेकर जयराम रमेश का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि त्योहारी सीजन में आम लोगों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। महंगाई का असर अब केवल रसोई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि घरेलू बजट के लगभग हर हिस्से पर दिखाई दे रहा है। जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि सब्जियों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने प्याज की कीमतों में तेज वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि अगस्त में प्याज की महंगाई दर 48.27 प्रतिशत तक पहुंच गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में प्याज की कीमतों में सालाना आधार पर 48.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि जुलाई में यह दर 22.54 प्रतिशत थी।

नौसेना के कमांडर नई दिल्ली में करेंगे कॉन्फ्रेंस, ऑपरेशनल तैयारियों पर होगा मंथन

नई दिल्ली। साल में दो बार होने वाली नौसेना कमांडरों की कॉन्फ्रेंस तीन दिनों के लिए 29 सितंबर से नई दिल्ली के नौसेना भवन में होगी। नौसेना के शीर्ष नेतृत्व स्तर पर होने वाली इस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ अधिकारी 01 अक्टूबर तक सैन्य रणनीतिक स्तर पर ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इस कॉन्फ्रेंस में संस्थागत प्रणाली के जरिए वरिष्ठ नौसेना नेतृत्व जुड़ेंगे, जिसमें आउटस्टेशन ऑपरेशनल और एरिया कमांडर शामिल हैं। नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि यह कॉन्फ्रेंस पश्चिम एशिया में चल रहे झगड़ों के बीच भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा में नौसेना के योगदान को दिखाने में अहम होगी, जिसमें 'एनर्जी की सुरक्षा' भी शामिल है। इस सम्मेलन के जरिए नौसेना के चल रहे ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती से चलाने और भरोसेमंद समुद्री ताकत के तौर पर उभरने, हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे 'पसंदीदा सुरक्षा पार्टनर' के तौर पर नौसेना की हैसियत को और मजबूत होगी। कॉन्फ्रेंस के पहले दिन रक्षा मंत्री देश के समुद्री नजरिए और नौसेना से उम्मीदों पर अपना विजन और मार्गदर्शन साझा करेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ भी तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और इंटीग्रेशन को बढ़ावा देने के लिए नेवल कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

रबी 2026 से बिहार में लागू होगी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

» 15 नवंबर से 15 जनवरी तक किसान कर सकेंगे आवेदन, मंत्री राम कृपाल यादव ने तैयारियां तेज करने का दिया निर्देश

पटना। बिहार में रबी 2026-27 मौसम से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) लागू होगी। किसानों से बीमा आवेदन 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक लिए जाएंगे। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने सोमवार को योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए तैयारियां समय पर पूरी करने और क्षतिपूर्ति भुगतान की प्रक्रिया सरल, पारदर्शी व समयबद्ध बनाने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि योजना के लिए राज्य स्तरीय फसल बीमा समन्वय समिति का गठन हो चुका है और बीमा कंपनियों के चयन के लिए निविदा प्रस्ताव केंद्र सरकार को वैलिडेशन के लिए भेजा गया है। मंत्री ने बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन सहकारी परिसंघ (वेजफेड) की योजनाओं की भी समीक्षा की। 'हर थाली में बिहारी तरकारी' के तहत प्रखंड स्तर की 114 PVCS इकाइयों में 113 के लिए भूमि उपलब्ध हो चुकी है। इनमें 25 का निर्माण पूरा और 82 का कार्य जारी है। वहीं 68 प्याज भंडारण इकाइयों में 10 पूर्ण, 50 निर्माणाधीन हैं। मंत्री ने किसानों को बेहतर बाजार, भंडारण एवं विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

बिहार में धान खरीद का लक्ष्य 50 लाख मीट्रिक टन करने की मांग

» मंत्री अशोक चौधरी ने केंद्र से स्वीकृति देने का किया आग्रह

पटना। बिहार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी ने खरीफ विपणन मौसम 2026-27 के लिए राज्य में धान खरीद का लक्ष्य 35 लाख से बढ़ाकर 50 लाख मीट्रिक टन करने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र भेजकर शीघ्र स्वीकृति देने का आग्रह किया है। मंत्री ने कहा कि बिहार में धान का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2023-24 में अनुमानित उत्पादन 133.26 लाख मीट्रिक टन था, जो 2026-27 में बढ़कर 154.39 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है, जबकि खरीद लक्ष्य घटकर 35 लाख मीट्रिक टन रह गया है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध धान खरीद क्रमशः 68.42, 87.18 और 99.84 प्रतिशत रही है। चौधरी के अनुसार बिहार में खाद्य सुरक्षा योजना के तहत प्रतिवर्ष करीब 33.16 लाख मीट्रिक टन चावल की जरूरत है, जिसके लिए लगभग 48.87 लाख मीट्रिक टन धान की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि खरीद लक्ष्य बढ़ने से अधिक किसानों को MSP पर उपज बेचने का अवसर मिलेगा और राज्य की खाद्यान्न जरूरतें स्थानीय स्तर पर पूरी करने में मदद मिलेगी।

उर्वरक की आपूर्ति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, रिटेलर प्वाइंट तक पहुंचाना कंपनियों की जिम्मेदारी

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य में किसानों को उर्वरक की सुचारू और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक कंपनियों और कृषि विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि FOR व्यवस्था के तहत कंपनियां निर्धारित थोक विक्रेता एवं रिटेलर प्वाइंट तक उर्वरक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। आपूर्ति व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने जिला कृषि पदाधिकारियों को नियमित निगरानी और जांच करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने उर्वरक के साथ किसी अन्य उत्पाद की अनिवार्य टैगिंग अथवा खरीद के लिए किसानों, थोक विक्रेताओं और रिटेलरों पर दबाव बनाने की शिकायत पर तत्काल जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने अवैध उर्वरक भंडारण और अनधिकृत गोदामों की भी नियमित जांच करने को कहा। जिला एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को अपने क्षेत्र में अवैध उर्वरक गोदाम नहीं होने संबंधी शपथ-पत्र देने का निर्देश दिया गया है।= मंत्री ने कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर समय से उर्वरक उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। किसानों से बिक्री रसीद लेने और निर्धारित मूल्य से अधिक राशि या अन्य उत्पाद खरीदने के दबाव की शिकायत 1800-180-1551 अथवा WhatsApp नंबर 7766085888 पर करने की अपील की गई है।

एमएलए हॉस्टल निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं: लेशी सिंह

पटना। भवन निर्माण विभाग की मंत्री लेशी सिंह ने सोमवार को एमएलए आवासन योजना के तहत निर्माणाधीन एमएलए हॉस्टल परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के विभिन्न तलों पर चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अभियंताओं व कार्य एजेंसी को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (गुणवत्ता) की टीम ने निर्माण सामग्री के नमूने एकत्र कर जांच के लिए केंद्रीय प्रयोगशाला भेजे। मौके पर नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्ट (NDT) के तहत यूपीवी टेस्ट, रिबार लोकेटर टेस्ट और रिबाउंड हैमर टेस्ट भी कराया गया। मंत्री ने कहा कि निर्माण सामग्री और कार्य में निर्धारित उच्च गुणवत्ता मानकों का शत-प्रतिशत पालन होना चाहिए। किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने भवन की डिजाइन में आवश्यक सुधार कर नया डिजाइन शीघ्र उपलब्ध कराने तथा अग्नि सुरक्षा, लिफ्ट, विद्युत और जलापूर्ति व्यवस्था को मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अन्य निर्माणाधीन सरकारी भवनों की भी नियमित गुणवत्ता जांच कराने को कहा। एमएलए हॉस्टल बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर, अपर ग्राउंड फ्लोर, सर्विस फ्लोर और छह ऊपरी मंजिलों की अत्याधुनिक संरचना के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें कुल 83 सुइट, 72 लोगों की क्षमता वाला कैंटीन/डाइनिंग एरिया और तीन लिफ्ट का प्रावधान है। मौके पर विभाग के सचिव प्रणव कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अजगैबीनाथ धाम एवं सोनपुर एयरपोर्ट परियोजनाओं के कार्य में तेजी लायें : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में अजगैबीनाथ धाम एवं सोनपुर /सारण में प्रस्तावित एयरपोर्ट परियोजनाओं से संबंधित प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा बैठक लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में आयोजित की गई। बैठक में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के टेक्नो इकोनॉमिक फिजिबिलिटी रिपोर्ट्स / ट्रैफिक सर्वे, दोनों परियोजनाओं के मास्टर प्लान, भूमि अधिग्रहण, एयरपोर्ट की क्षमता, कनेक्टिविटी एवं आवश्यक आधारभूत संरचनाओं के विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जानकारी दी गयी कि अजगैबीनाथधाम ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे में पहले फेज में 3500 करोड़ रूपये और सोनपुर ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल हवाईअड्डे में पहले फेज में 6500 करोड़ रूपये का निवेश पी०पी०पी० मोड पर होना है। राज्य सरकार भू-अर्जन तथा कनेक्टिविटी की लागत पर वहन करेगी। बैठक में बिहार रैयती भूमि क्रय नीति, 2026 के तहत एयरपोर्ट परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रियाओं में तेजी लाने तथा सभी आवश्यक कार्यों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। अजगैबीनाथ धाम में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के मास्टर प्लान पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि एयरपोर्ट की आधारभूत संरचना एवं रन-वे का विकास इस प्रकार किया जाए कि यहां बड़े विमानों का संचालन संभव हो सके। उन्होंने कहा कि इस एयरपोर्ट के विकसित होने से क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी के साथ पर्यटन की संभावनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजगैबीनाथ धाम एयरपोर्ट से मुंगेर, लखीसराय, जमुई, भागलपुर, बांका, खगड़िया, बेगूसराय सहित आसपास के जिलों को बेहतर हवाई सुविधा का लाभ मिलेगा। साथ ही, श्रावणी मेले के दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन को भी सुविधा मिलेगी। बैठक में सोनपुर/सारण एयरपोर्ट के मास्टर प्लान की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इस एयरपोर्ट को बड़े विमानों के संचालन के अनुकूल विकसित किया जाए। एयरपोर्ट पर कार्गो सुविधा उपलब्ध कराने तथा यात्रियों की सुविधा के लिए बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रस्तावित सोनपुर/सारण एयरपोर्ट से बिहार के 22 जिलों के साथ-साथ झारखंड एवं उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों को भी हवाई संपर्क का लाभ मिलने की संभावना है। बैठक में एयरपोर्ट को राज्य के हवाई संपर्क एवं आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना के रूप में विकसित करने पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों एयरपोर्ट परियोजनाओं के विकास से हवाई कनेक्टिविटी, पर्यटन, व्यापार एवं क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी आवश्यक प्रक्रियाओं एवं निर्माण संबंधी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए तथा परियोजनाओं की नियमित समीक्षा कर प्रगति सुनिश्चित की जाए।

बिहार स्टेट हाउसिंग बोर्ड ने 05 करोड़ रूपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री को सौंपा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में आई बाढ़ के मद्देनजर प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए बिहार स्टेट हाउसिंग बोर्ड ने 05 करोड़ रूपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस सहयोग के लिये बिहार स्टेट हाउसिंग बोर्ड का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह राशि राज्य में आपदा एवं कठिन परिस्थितियों के समय जरूरतमंद लोगों की मदद में काम आएगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, नगर विकास एवं आवास नीतीश मिश्रा, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के विशेष सचिव नीलेश रामचन्द्र देवड़े उपस्थित थे।

» मुख्यमंत्री ने जताया आभार

मुख्यमंत्री ने वैशाली, सारण, पूर्वी चम्पारण और गोपालगंज जिला के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई किया सर्वेक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज बाढ़ प्रभावित वैशाली जिला, सारण जिले के हैजलपुर मकेर, पूर्वी चम्पारण और गोपालगंज जिला के डुमरिया घाट ब्रिज और पुछरिया क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री ने डुमरिया घाट पर गंडक नदी के बढ़े हुये जलस्तर का स्थल निरीक्षण कर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि डुमरिया घाट के पास गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से लगभग डेढ़ मीटर ऊपर है, रात में लगभग 50 सेंटीमीटर और बढ़ने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति की अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी का निर्देश दिया। साथ ही पूरी तत्परता के साथ राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने तथा प्रभावित लोगों तक आवश्यक सहायता शीघ्र पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ लोगों के बीच रहकर राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देनी है। जल संसाधन विभाग तटबंधों की सतत् निगरानी करे। आवश्यक सतर्कता बरती जाय। साथ ही नाइट पेट्रोलिंग कराना सुनिश्चत करें। प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन, एस०डी०आर०एफ० और एन०डी०आर०एफ० के साथ बेहतर समन्वय बनाकर आवश्यकता के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करे। प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत शिविर एवं सामुदायिक रसोई केन्द्र के माध्यम से लोगों को भोजन एवं राहत उपलब्ध कराते रहें, इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिये।

» डुमरिया घाट पर गंडक नदी के बढ़े हुये जलस्तर का किया स्थल निरीक्षण, राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर दिया निर्देश

बिहार के 28 जिलों में पहुंचा PNG नेटवर्क, 9 जिलों के लिए बनेगी कार्ययोजना

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) और सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) नेटवर्क के विस्तार की समीक्षा मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में हुई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में सभी जिलों के जिलाधिकारी और तेल-गैस कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्य सचिव ने पाइपलाइन बिछाने और घरेलू PNG कनेक्शन देने के कार्य को मिशन मोड में पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि राज्य के 38 में से 28 जिलों में CGD नेटवर्क पहुंच चुका है। अब तक 1,52,686 से अधिक घरेलू PNG कनेक्शन चालू हो चुके हैं। कैमूर में स्टील इंफ्रास्ट्रक्चर और सिटी गेट स्टेशन का काम चल रहा है, जिसे नवंबर 2026 तक गैसीकृत करने का लक्ष्य है। वहीं अररिया, किशनगंज, अरवल, जहानाबाद, खगड़िया, नवादा, भागलपुर, सुपौल और गोपालगंज में नेटवर्क विस्तार के लिए तकनीकी व्यवहार्यता और आधारभूत संरचना की समीक्षा की जा रही है। मुख्य सचिव ने इन जिलों के डीएम को तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। भूमि, अतिक्रमण और एनएचएआई व MoRTH से संबंधित अनुमति के मामलों को भी शीघ्र निपटाने पर जोर दिया गया।

» मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने गैस कनेक्शन और पाइपलाइन विस्तार में तेजी लाने का दिया निर्देश

राजभवन मार्च में शामिल प्रदर्शकारियों पर हुई वाटर केनन का बौछार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के विभिन्न जनसंगठनों के आह्वान पर आज राजभवन मार्च के दौरान हजारों प्रदर्शकारियों ने पटना गाँधी मैदान से जुलूस निकाला और राजभवन की ओर प्रस्थान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तिफा एवं एसआईआर की प्रकिया रद्द कर बिहार में पुनः चुनाव कराने, ध्वस्त कानून-व्यवस्था, महिलाओं-दलितों पर हो रहे अत्याचार पर रोक लगाने, बाढ़-सूखा का स्थाई निदान करो, बेरोजगारी-पलायन, चार श्रम कोड वापस करने, महंगाई, घोटाला-भ्रष्टाचार, फर्जी एनकाउन्टर, बुलडोजर कारवाई पर रोक आदि मांगों के साथ नारा लगाते प्रदर्शकारियों का जुलूस गाँधी मैदान के निकट जे.पी.गोलम्बर पहुँचा। जे.पी.गोलम्बर पर की गयी पुलिस बैरिकेटिंग को तोड़कर प्रदर्शनकारी आगे बढ़े जहाँ डाकबंगला चैराहा पर पुलिस का भारी बंदोबस्त तथा मजबूत बैरिकेटिंग की गयी थी। यहाँ पर प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच तिखी झड़प हुई और पुलिस द्वारा बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिये वाटर केनन से पानी का बौछार तथा लाठीचार्ज किया गया। इस लाठीचार्ज में राष्ट्रीय किसान नेता और सी.पी.आई. के राष्ट्रीय सचिव गिरिश चन्द्र शर्मा, पूर्व विधान पार्षद संजय कुमार, किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रमोद प्रभाकर, खेत मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सूर्यकांत पासवान, यूथ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रौशन कुमार सिन्हा, तथा प्रदेश अध्यक्ष शंभु देवा, स्टुडेन्ट्स फेडरेशन के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सुधीर कुमार, राकेश कुमार पाण्डेय मुरारी, प्रभात कुमार पाण्डेय, छात्र नेता अविनाश, सत्यम भारद्धाज, राज पासवान, मोहित पासवान तथा इरफान अहमद फातमी सहित सौकड़ो छात्र-युवा एवं अन्य नेताओं को गिरफ्तार किया गया। राजभवन मार्च में आल इंडिया स्टुडेन्ट्स फेडरेशन, अखिल भारतीय नौजवान संघ, बिहार राज्य किसान सभा, बिहार राज्य खेत मजदूर यूनियन, बिहार महिला समाज, एटक, तंजिम-ए-इंसाफ तथा अन्य जनसंगठनों के हजारों लोग शामिल थे जो पूरे बिहार के सभी जिलाओं से आये थे। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएँ शामिल थी। गाँधी मैदान से प्रदर्शन प्रस्थान करने से पूर्व प्रदर्शकारियों को सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय किसान नेता गिरिश चन्द्र शर्मा ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बिना देर किये इस्तिफा देना चाहिए। ज्ञानेश कुमार नियमों एवं संवैधानिक प्रकियाओं का उल्लंघन कर अकेले निर्णय लेकर ैप्त् की प्रकिया संपन्न कर करोड़ो मतदाताओं के नाम काटे। इसी दौरान संपन्न बिहार चुनाव भी रद्द होना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट के सुझाये गये पैनल के द्वारा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ती सुनिश्चत की जानी चाहिए। अपने संबोधन में राष्ट्रीय नेता व पूर्व विधान पार्षद संजय कुमार ने कहा कि एसआईआर के दौरान हटाये गये मतदाताओं का मताधिकार बहाल किया जाय। किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रमोद प्रभाकर ने कहा कि मोदी सरकार अमेरिका के सामने घुटना टेक कर भारत-अमेरिका व्यापार समझौता कर रही है जो देश तथा किसानों के खिलाफ है। बिजली तथा बीज अधिनियम बापस किया जाना चाहिए। एटक की राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधान पार्षद उषा सहनी ने कहा चार श्रम कोड लाकर मोदी सरकार मजदूरों के हक-अधिकार को छीन रही है तथा महिला आरक्षण से मुकर रही है। ए.आई.वाई.एफ. के राष्ट्रीय अध्यक्ष रौशन कुमार सिन्हा ने कहा कि पलायन बिहार की एक भयावह समस्या है। युवाओं के लिये भगत सिंह राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून बनना चाहिए। इस राजभवन मार्च का नेतृत्व करनेवालों में बिहार राज्य खेत मजदूर यूनियन के महासचिव जानकी पासवान, अध्यक्ष सूर्यकांत पासवान, बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव रामचन्द्र महतो, अध्यक्ष सीताराम शर्मा, बिहार महिला समाज की महासचिव राजश्री किरण, ए.आई.एस.एफ. के अध्यक्ष सुधीर कुमार एवं सचिव अमीन हामजा, ए.आई.वाई.एफ. के महासचिव ग्यासुद्दिन, शंभु देवा, एटक बिहार के अध्यक्ष गजनफ्र नबाव व महासचिव अजय कुमार, तंजीम-ए-इंसाफ बिहार के महासचिव इरफान अहमद फातमी आदि शामिल थे।

प्रदर्शनी के माध्यम से उद्यमियों को रोजगार उपलब्ध करा रहा एमएसएमई मंत्रालय : एन विजयालक्ष्मी

नई सोच एक्सप्रेस

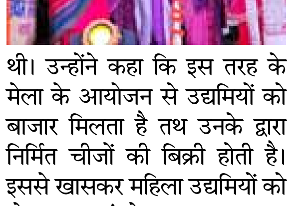

पटना। योजना विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ एन विजयालक्ष्मी ने कहा कि मेला व प्रदर्शनी महिला उद्यमी व बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम है और इस तरह के मेला व प्रदर्शनी के माध्यम से एमएसएमई मंत्रालय महिला उद्यमियों व बुनकरों को रोजगार उपलब्ध करा रहा है। इस मेला व प्रदर्शनी के आयोजन में सहकारिता से जुड़ी एवं श्रीएकेएस मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की कर्ताधर्ता अर्चना सिंह का अहम योगदान होता है। डॉ एन विजयालक्ष्मी स्थानीय गांधी मैदान में एमएसएमई मंत्रालय एवं श्रीएकेएस मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से आयोजित कला कृषि उद्यम मेला का उद्घाटन कर रही थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के मेला के आयोजन से उद्यमियों को बाजार मिलता है तथ उनके द्वारा निर्मित चीजों की बिक्री होती है। इससे खासकर महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन एवं रोजगार का अवसर भी मिलता है और उनकी उद्यमिता को सम्मान भी मिलता है। इसलिए उनका मीडिया से आग्रह होगा कि वे लोग इस तरह के आयोजन का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करें और इन उद्यमियों के द्वारा हस्तनिर्मित सामग्रियों की खरीददारी भी करें। इस मौके पर मेला की संयोजिका अर्चना सिंह ने बताया कि इस मेले में एमएसएमई मंत्रालय के प्रोक्युरमेंट एवं मार्केटिंग स्कीम के तहत 60 एवं राष्ट्रीय जूट बोर्ड के 20 एंव एनएसडीसी के पांच स्टॉल सहित कुल 140 लगाये गये हैं। इसमें बिहार , बंगाल, उड़ीसा, झारखंड, उत्तरप्रदेश असम, महाराष्ट्र तमिलनाडू एवं उत्तराखंउ सहित विभिन्न राज्यों से आये कारीगर एंव उद्यमी अपने उत्पाद का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में लोकगायिका नीतू नवगीत ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मनोरंजन किया। इस मौके पर एमएसएमई की सहायक निदेशक डॉ श्वेता, वरीष्ठ वैज्ञानिक पूष डॉ जर्नादन, एनसीडीसी के क्षेत्रीय निदेशक अनिरूद्ध सिंह, पूर्व निदेशक वस्त्र मंत्रालय सोहन कुमार झा, कलावती सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बिहार में खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण और ई-नीलामी को मिलेगी गति

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण, खनिज ब्लॉकों के विकास और पारदर्शी ई-नीलामी को गति देने को लेकर सोमवार को केंद्रीय राज्य मंत्री, कोयला एवं खान मंत्रालय सतीश चंद्र दुबे की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में बिहार के खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार समेत विभागीय अधिकारी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI), राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट और एमईसीएल के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में भागलपुर के अन्वेषित कोयला ब्लॉक में भूमिगत कोयला गैसीकरण की संभावनाओं पर चर्चा हुई। केंद्रीय राज्य मंत्री ने वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीक से खनिज संसाधनों के उपयोग में केंद्र से सहयोग का भरोसा दिया। संभावित निवेशकों और बोलीदाताओं को तकनीकी संभावनाओं से अवगत कराने के लिए पटना में रोड शो आयोजित करने पर भी चर्चा हुई। ग्लूकोनाइट, लाइमस्टोन, निकेल-क्रोमियम, पीजीई और पत्थर ब्लॉकों की ई-नीलामी, उत्पादन एवं प्रेषण की भी समीक्षा की गई। रोहतास के ग्लूकोनाइट व लाइमस्टोन तथा गया के निकेल-क्रोमियम एवं पीजीई ब्लॉकों में आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर जल्द उत्पादन शुरू करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को अन्वेषण और ई-नीलामी की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

» केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे की अध्यक्षता में बैठक, कोयला गैसीकरण सहित खनिज ब्लॉकों के विकास पर चर्चा

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

भारत में डेटा सेंटर निवेश बढ़ा रहा रोजगार के नए अवसर

पटना।भारत में बड़े स्तर पर डेटा सेंटर क्षमता में निवेश की तैयारी चल रही है। ए आई सेवाओं के बढ़ते इस्तेमाल से नई और बड़ी डेटा सेंटर क्षमता की मांग काफी बढ़ गई है। इनडीड हायरिंग लैब के नए डेटा के मुताबिक अगस्त में भारत में 1.3 प्रतिशत जॉब पोस्टिंग में डेटा सेंटर का जिक्र था, जो एक साल पहले के मुकाबले 1.0 प्रतिशत और दो साल पहले के मुकाबले लगभग दोगुना अधिक है। केपीएमजी के अनुमान से 2035 तक भारत को डेटा सेंटर में 90 अरब डॉलर के अवसर मिलेंगे। इनडीड में ए पी ए सी के लिए सीनियर इकोनॉमिस्ट, कैलम पिकरिंग ने कहा कि भारत में डेटा सेंटर क्षमता के विस्तार से रोजगार की नई मांग उत्पन्न हो रही है क्योंकि व्यवसाय ए आई और अन्य डिजिटल सर्विसेज के लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश कर रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह केवल टेक्नोलॉजी में ज्यादा नौकरियों की बात नहीं है। डेटा सेंटर जटिल और लार्ज स्केल के ऑपरेशन हैं, जिनके लिए इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, बिजनेस ऑपरेशंस एवं अन्य फंक्शंस में कर्मचारियों की जरूरत होती है। निवेश के बढ़ने के साथ लेबर मार्केट में रोजगार पर इसका व्यापक प्रभाव दिखने लगेगा।

बिल्डर से एक करोड़ की रंगदारी की मांग कर जमीन कब्जाने का आरोप

दानापुर।थाना अंतर्गत आशोपुर इलाके के अजय वंश ऑर्गेनाइजेशन के बिल्डर से 1 करोड़ रुपये के रंगदारी मांग करने का मामला सामने आया है। पीड़ित अजय कुमार ने आरडी इकोइंफ्रा के निदेशक रितेश्वर सिंह के ऊपर जबरन जमीन कब्जाने एवं जमीन छोड़ने के एवज में 1 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का आरोप लगा स्थानीय थाना में मामला दर्ज कराया है। दर्ज मामले में अजय कुमार ने बताया कि आशोपुर में उनका जमीन है। जिसका खाता संख्या 13 व प्लॉट नंबर 382 है, और उसका चारों तरफ से बाउंड्री भी किया गया है। आरडी इकोइंफ्रा के निदेशक ने अपने साथ 25-30 लोगों के साथ आकर जबरन बाउंड्री के गेट का ताला तोड़ जमीन को अपने कब्जे में करना चाहा। इसका विरोध करने पर पीड़ित बिल्डर को जान से मारने व जमीन छोड़ने के बदले 1 करोड़ की मांग की गई। उन्होंने जमीन से संबंधित सारे कागजात थाने में प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि वहीं मामला दर्ज होने के बाद स्थानीय पुलिस छानबीन में जुटी हैं।

बाल दुर्व्यवहार व अधिकारों पर छात्राओं को किया जागरूक

» POCSO अधिनियम और बाल सुरक्षा के कानूनी प्रावधानों की दी जानकारी

पटना।ऑल इंडिया वीमेंस कॉन्फ्रेंस (AIWC) बिहार राज्य शाखा की ओर से राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, लोक भवन, पटना में बाल दुर्व्यवहार एवं बाल अधिकार विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, बाल अधिकार और POCSO अधिनियम-2012 के प्रावधानों की जानकारी देना था। कार्यक्रम की शुरुआत 'आप किसके साथ सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं?' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता से हुई। इसमें कक्षा पांच से आठ तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. बिंदा सिंह ने बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान के बारे में जानकारी दी। वहीं गृह विभाग, बिहार सरकार की विधि पदाधिकारी मेहा वर्मा ने बाल अधिकारों और POCSO अधिनियम के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति के माध्यम से भी बच्चों को बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर डॉ. आशा त्रिपाठी, डॉ. मानसी पाण्डेय, चंदा राव, छाया चौबे और रीता सिंह सहित AIWC की अन्य सदस्य मौजूद रहीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की।

अपराध पर आर-पार की लड़ाई जरूरी, कड़क व ईमानदार अधिकारियों को जिम्मेदारी मिले : डॉ. पटेल

फतुहा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गंभीर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि अपराध, भ्रष्टाचार, नशा, रंगदारी और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर केवल बयानबाजी से काम नहीं चलेगा। सरकार को ऐसी प्रभावी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों में पुलिस के प्रति भरोसा कायम हो। डॉ. पटेल ने कहा कि हत्या, लूट, अपहरण, नशाखोरी और महिला अपराध की घटनाओं को लेकर प्रशासन को गंभीरता से आत्ममंथन करना चाहिए। छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की जरूरत है। उन्होंने पुलिसिंग को कठोर, निष्पक्ष, पेशेवर और परिणाममुखी बनाने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार ऐसे अनुभवी और ईमानदार अधिकारियों की कार्यशैली व रिकॉर्ड का अध्ययन कर कानून-व्यवस्था से जुड़ी जिम्मेदारियां देने पर विचार करे। उन्होंने तुकाराम मुंढे, शोभा ओहतकर, अमिताभ दास और शिवदीप लांडे जैसे अधिकारियों का उदाहरण देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर अनुभवी अधिकारियों की सेवाओं का उपयोग किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कड़क और ईमानदार अधिकारियों को सेवा विस्तार देकर नागरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपने की मांग की। डॉ. पटेल ने भ्रष्टाचार के मामलों में तेज जांच, संपत्ति की जांच और दोष सिद्ध होने पर कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने महिला सुरक्षा, नशे के कारोबार, साइबर अपराध तथा लंबित गंभीर मामलों की नियमित समीक्षा पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ समयबद्ध और जवाबदेह कार्रवाई जरूरी है।

टिकट खोने पर भी मुआवजे का हक नहीं होगा खत्म : शोभा पटेल

फतुहा। भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि रेल दुर्घटना में यात्री का टिकट नहीं मिलने मात्र से उसके परिजनों को मुआवजे के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में टिकट सामान के साथ नष्ट या खो सकता है, इसलिए केवल टिकट की अनुपलब्धता को आधार बनाकर दावा खारिज करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित मामले में रेलवे दावा न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए 8 लाख रुपये के मुआवजे को बहाल किया है। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि हर मामले में स्वतः मुआवजा मिलेगा; यात्रा और दुर्घटना से जुड़े उपलब्ध प्रमाणों का मूल्यांकन किया जाएगा। शोभा पटेल ने कहा कि रेलवे को यात्रियों की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और दुर्घटना रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। यात्रियों को भी टिकट, पहचान-पत्र और यात्रा संबंधी दस्तावेज सुरक्षित रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की स्थिति में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए केवल तकनीकी कमी के कारण पीड़ित परिवार को न्याय से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

24 जिलों में संवाद से तय होगी जनजातीय विकास की दिशा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार में जनजातीय समुदायों की स्थानीय जरूरतों और समस्याओं को समझकर विकास की योजनाओं को प्रभावी बनाने की पहल शुरू की गई है। बिहार अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (बीएसटीआरटीआई) की ओर से प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत राज्य के 24 चिन्हित जिलों में सम्मेलन-सह-संगोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में जनजातीय समुदायों से सीधे संवाद कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, रोजगार, आजीविका, कौशल विकास, आवास, पेयजल, सड़क, बिजली, सामाजिक सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जा रही है। उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने और स्थानीय स्तर की समस्याओं के समाधान के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। अभियान के तहत अब तक सुपौल, नवादा, रोहतास और पूर्वी चंपारण में सम्मेलन हो चुके हैं। इनमें जनजातीय शिक्षा, रोजगार, आजीविका, सांस्कृतिक संरक्षण और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से सामने आए। विभाग के अनुसार, स्थानीय लोगों से मिले सुझावों के आधार पर संबंधित विभागों को समस्याएं भेजकर समाधान की दिशा में कार्रवाई की जा रही है।

» शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं और संस्कृति पर स्थानीय जरूरतों की ली जा रही जानकारी

कलर्स अपने रोमांटिक ड्रामा शायद यही है प्यार के साथ मना रहा है प्यार के जादू का जश्न

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।उम्र एक संख्या है जो जन्मदिन उपलब्धियों और अनुभवों को दर्शाती है लेकिन यह कभी तय करने के लिए नहीं बनी कि किसे किससे प्यार करना चाहिए। फिर भी दिल के मामलों में हमारे समाज में आज भी उम्र के अंतर वाले रिश्तों को लेकर कई लोग सवाल उठाते हैं। प्यार की सीमाओं को और व्यापक बनाते हुए कलर्स अपने नए रोमांस ड्रामा शायद यही है प्यार के साथ इन धारणाओं को चुनौती देने जा रहा है। चर्चित कोरियाई सीरीज़ समथिंग इन द रेन पर आधिकारिक रूप से आधारित यह सीमित अवधि का रोमांस ड्रामा एक अहम सवाल उठाता है कि हमारे रिश्तों में उम्र की अहमियत ज्यादा होनी चाहिए या फिर उस एहसास की जो कोई हमें महसूस कराता है। प्रीति अरोड़ा का किरदार निभाने को लेकर अदिति देव शर्मा कहती हैं शायद यही है प्यार मेरा पहला मॉडर्न एज-गैप रोमांस है और प्रीति के किरदार की सबसे खास बात यह है कि उसकी सबसे बड़ी लड़ाई उन नियमों से है जिन पर उसे हमेशा विश्वास करना सिखाया गया है। 35 की उम्र में समाज एक महिला से उम्मीद करता है कि उसकी जिंदगी और प्यार से जुड़ी सारी बातें तय हो चुकी हों ऐसे में प्यार में पड़ना खासकर अपने से कम उम्र के पुरुष से किसी अनदेखे नियम को तोड़ने जैसा महसूस होता है। प्रीति उन कई आधुनिक महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती है जो उम्र और अपेक्षाओं के कारण अपनी खुशियों को एक तरफ रख देती हैं। उसकी यात्रा उन नियमों को पीछे छोड़ने और यह जानने की है कि किसी भी उम्र में प्यार को चुनना और नई शुरुआत करना कितना आज़ादी भरा अनुभव हो सकता है। आरव आहूजा की दुनिया में कदम रखने को लेकर दक्ष पुरी कहते हैं, "प्यार भले ही समय की सीमाओं से परे हो, लेकिन समाज ने हमेशा उसे एक संख्या में बांधने की कोशिश की है। मेरा किरदार आरव इस सोच को चुनौती देता है कि परिपक्वता को सिर्फ उम्र के वर्षों से नहीं मापा जा सकता और वह मानता है कि प्यार में जादू करने की ताकत होती है।

सरस मेला बना सांस्कृतिक सेतु, कश्मीर से कन्याकुमारी तक पहुंची बिहार की लोककलाएं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जीविका और ग्रामीण विकास विभाग की ओर से आयोजित बिहार सरस मेला लोककला और हस्तशिल्प के आदान-प्रदान का राष्ट्रीय मंच बन गया है। देश के 15 राज्यों से आई स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं ने मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। वहीं बिहार की सिक्की, बांस कला, सुजनी और मधुबनी पेंटिंग सहित अन्य लोककलाओं ने दूसरे राज्यों से आई महिला उद्यमियों का ध्यान आकर्षित किया। कश्मीर के श्रीनगर से आई महबूबा मलिक ने समस्तीपुर की जीविका दीदी किरण से बांस से उत्पाद बनाने की कला सीखी और कश्मीर के लिए उत्पादों का ऑर्डर भी दिया। इससे बिहार की ग्रामीण महिलाओं के हुनर को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की संभावनाएं बढ़ी हैं। मेले के इस वित्तीय वर्ष के प्रथम संस्करण ने कारोबार के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। रविवार को 74 लाख रुपये से अधिक की खरीद-बिक्री हुई, जबकि 70 हजार से अधिक लोग मेले में पहुंचे। 20 सितंबर से चल रहा सरस मेला मंगलवार शाम समाप्त होगा। समापन से पहले स्टॉलों पर खरीदारी और व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। सोमवार को जीविका और अर्न्स्ट एंड यंग के तत्वावधान में क्रेता-विक्रेता संवाद हुआ। इसमें मखाना, मक्का, पोटेटो कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग और अचार की गुणवत्ता, ब्रांडिंग एवं बिक्री पर चर्चा हुई। जीविका के निदेशक (उद्यम) विनय कुमार और परियोजना प्रबंधक संगीत कुमार ने भी उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने को लेकर सुझाव दिए। मेले में 'जीविका दीदी की रसोई' के स्टॉल से अब तक चार लाख रुपये से अधिक के व्यंजनों की बिक्री हुई है। विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प, परिधान, खाद्य उत्पाद और बिहार की लोककलाओं से जुड़े सामान भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

» रविवार को 74 लाख से अधिक का कारोबार, 70 हजार से ज्यादा पहुंचे लोग; आज होगा समापन

सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन में वंदना को बेस्ट अपकमिंग अवार्ड

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।तिरुपति में संपन्न हुए 72वीं सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में बिहार महिला टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाली वंदना कुमारी को चैंपियनशिप का बेस्ट अपकमिंग प्लेयर्स अवार्ड से पुरस्कृत किया गया। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर ने बताया कि चैंपियनशिप के महिला वर्ग में बिहार को 7वां स्थान प्राप्त हुआ। चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेस्ट अपकमिंग प्लेयर्स अवार्ड से पुरस्कृत होने वाली वंदना कुमारी को बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष-सह-बिहार विधान परिषद सदस्य प्रो.नवल किशोर यादव, उपाध्यक्ष प्रो.सुहेली मेहता, मिथिलेश कुमार मंडल, डॉ.सुनील कुमार सिंह, सुजय सौरभ, संयुक्त सचिव मिताली मित्रा, राकेश रंजन, निदेशक पवन केजरीवाल, संयोजक डॉ.अरुण दयाल, प्रबंधक डॉ.रजनी गंधा, वैशाली जिला सचिव रवि रंजन कुमार, भारतीय बॉल बैडमिंटन टीम के प्रशिक्षक गौरी शंकर, साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन के गोल्ड मेडलिस्ट दीपक प्रकाश रंजन,राज्य प्रवक्ता ज्ञानदेव कुमार ने बधाई व शुभकामनाएं दीं है।

बिहार के आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा ने एम्स पटना में भीष्म क्यूब का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार के आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा ने सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), पटना का दौरा किया और आपदा एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए विकसित भीष्म क्यूब का निरीक्षण किया। इस दौरान एम्स पटना के ट्रॉमा एंड इमरजेंसी विभागाध्यक्ष एवं भीष्म क्यूब के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने मंत्री को भीष्म क्यूब की कार्यप्रणाली, तैनाती एवं संचालन से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आपदा, बड़े हादसों एवं सामूहिक दुर्घटनाओं जैसी परिस्थितियों में भीष्म क्यूब त्वरित चिकित्सा सहायता एवं आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मंत्री रत्नेश सादा ने भीष्म क्यूब का निरीक्षण करते हुए इसकी विभिन्न सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। इस दौरान आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सा प्रतिक्रिया तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में भी चर्चा हुई। इस अवसर पर एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल तथा चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह उपस्थित रहे। इसके अलावा भीष्म क्यूब से जुड़े नर्सिंग कर्मी एवं अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे। मंत्री के इस दौरे ने आपदा एवं सामूहिक दुर्घटनाओं जैसी परिस्थितियों में बेहतर आपदा प्रबंधन, त्वरित चिकित्सा प्रतिक्रिया तथा समन्वित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया।

बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने दिया इस्तीफा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह के इस्तीफे को लेकर लंबे समय से लगाई जा रही अटकलों पर अब पूरी तरह विराम लग गया है। उन्होंने औपचारिक रूप से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के साथ ही उच्च सदन में नए सभापति के चयन को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां और तेज हो गई हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बिहार विधान परिषद् के नए सभापति का पद इस बार जनता दल यूनाइटेड के कोटे में जाना तय माना जा रहा है। अवधेश नारायण सिंह के पद छोड़ने के बाद अब नए सभापति के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सत्ताधारी गठबंधन के भीतर नए नाम को लेकर गहन मंथन जारी है, ताकि जल्द ही नए सभापति के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जा सके। नए सभापति की रेस में सबसे प्रमुख और अग्रणी नाम वरिष्ठ नेता रामवचन राय का सामने आ रहा है। जदयू कोटे से रामवचन राय की दावेदारी को सबसे मजबूत माना जा रहा है और राजनीतिक गलियारों में उनके नाम की चर्चा जोरों पर है। उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और पार्टी में पैठ को देखते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। अवधेश नारायण सिंह के इस्तीफे के बाद अब विधान परिषद् में नए सभापति के चुनाव की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जाएगी। माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ दल जल्द ही आधिकारिक रूप से अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर सकता है। इसके बाद नामांकन और अन्य आवश्यक विधायी प्रक्रियाओं को पूरा कर नए सभापति का चयन कर लिया जाएगा। विधान परिषद् में सत्ता संतुलन और नए सभापति के आगमन से सदन की कार्यवाही में भी नया मोड़ देखने को मिल सकता है। फिलहाल, रामवचन राय के नाम पर अंतिम फैसला आने का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद बिहार विधान परिषद् को नया सभापति मिल जाएगा।

सोनी इंडिया ने नए 400 एमएम और 600 एमएम जी मास्टर सुपर-टेलीफोटो प्राइम लेंस पेश किए

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सोनी इंडिया ने अल्फा™ फुल-फ्रेम ई-माउंट सिस्टम के लिए दो नए जी मास्टर ™ सुपर-टेलीफोटो प्राइम लेंस पेश किए हैं। इनमें FE 400 एमएम F4.5 GM OSS, जिसकी फोकल लेंथ 400 एमएम है, और एफ ई 600mm F6.3 GM OSS, जिसकी फोकल लेंथ 600 एमएम है। दोनों अपने-अपने वर्ग में दुनिया के सबसे हल्के लेंस हैं। सोनी इंडिया के इमेजिंग एवं प्रोफेशनल सॉल्यूशंस के प्रमुख मुकेश श्रीवास्तव ने कहा, "सोनी हमेशा इमेजिंग टेक्नोलॉजी की सीमाओं को आगे बढ़ाने और फोटोग्राफरों की बदलती जरूरतों को समझने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। नए एफ ई 400 एमएम F4.5 GM OSS और एफ ई 600 एमएम F6.3 GM OSS के साथ हम लंबी टेलीफोटो रेंज को हल्के और आसानी से ले जाने योग्य डिजाइन में उपलब्ध करा रहे हैं। एक किलोग्राम से कम वजन वाले ये लेंस 400 एमएम और 600 एमएम की फोकल लेंथ को ऐसे फॉर्म फैक्टर में पेश करते हैं, जिन्हें फोटोग्राफर फील्ड में आसानी से साथ ले जा सकते हैं, संभाल सकते हैं और इस्तेमाल कर सकते हैं। वन्यजीव, पक्षी और स्पोर्ट्स फोटोग्राफरों के लिए यह फोटो लेने के उनके तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है।" एफ ई 400 एमएम F4.5 GM OSS का वजन लगभग 994 ग्राम और एफ ई 600 एमएम F6.3 GM OSS का वजन लगभग 995 ग्राम है। हल्के वजन के कारण ये लेंस ऐसे शूटिंग स्टाइल के लिए उपयुक्त हैं, जिसमें फोटोग्राफर आसपास के माहौल को देखते हुए तेजी से विषय और फोटो खींचने के अवसर तलाशते हैं। इनके वजन का संतुलन भी इस तरह तैयार किया गया है कि हैंडहेल्ड शूटिंग के दौरान बेहतर नियंत्रण मिले। यह खास तौर पर तब उपयोगी है, जब किसी विषय को लगातार फ्रेम में बनाए रखना हो या तेजी से मूव कर रहे विषय को ट्रैक करना हो। इससे पक्षियों, वन्यजीवों और खेलों की सुपर-टेलीफोटो फोटोग्राफी में अधिक लचीलापन मिलता है। इन लेंस को सुपर-टेलीफोटो रेंज में G Master सीरीज की खास शानदार डिटेल, हाई रेजोल्यूशन और खूबसूरत बोकेह देने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे फोटोग्राफर दूर मौजूद विषयों को भी बारीक डिटेल के साथ कैप्चर कर सकते हैं। तेज, सटीक और शांत ऑटोफोकस (AF) परफॉर्मेंस तेजी से आगे बढ़ते विषयों को जल्दी और सटीक तरीके से कैप्चर करने में मदद करती है।

स्टेज पर लौटी बताशा और आम्रपाली की जोड़ी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।लागल रहा बताशा की सफलता के बाद स्टेज ने लागल रहा बताशा पार्ट 2 रिलीज कर दी है। आम्रपाली दूबे और मनोज सिंह टाइगर की जोड़ी को दर्शकों का एक बार फिर भरपूर प्यार मिल रहा है। मात्र 12 दिनों में फिल्म को 33 लाख से ज्यादा यूज़र्स देख चुके हैं। हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र समेत देश के 12 राज्यों में भी फिल्म को पसंद किया जा रहा है। स्टेज ओटीटी के को-फाउंडर एवं चीफ कंटेंट ऑफिसर प्रवीण सिंघल ने कहा, लागल रहा बताशा की सफलता के बाद हमें पूरा भरोसा था कि दर्शक इस कहानी का अगला पार्ट देखना चाहेंगे, लेकिन महज़ 12 दिनों में 33 लाख से ज्यादा व्यूज़ और भोजपुरी बेल्ट से बाहर मिले प्यार ने हमारी उम्मीदों को कहीं आगे बढ़ाया है। फिल्म की कहानी 47 वर्षीय सरकारी स्कूल शिक्षक बताशा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पत्नी की 10 साल पहले मौत हो चुकी है। अधूरी जिंदगी को पूरा करने की कोशिश में उसकी मुलाकात आम्रपाली से होती है। प्रेम, त्याग और सामाजिक संदेश से जुड़ी इस कहानी का क्लाइमैक्स भावुक कर देने वाला है। फिल्म में मनोज सिंह टाइगर, आम्रपाली दूबे, सुशील सिंह और विनोद कुमार मिश्रा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। निर्देशक आलोक सिंह ने कहानी को संवेदनशीलता के साथ पर्दे पर उतारा है।

संक्षिप्त समाचार

जमुई में चार दिवसीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ

» 2500 से अधिक खिलाड़ी ले रहे हिस्सा, 14 खेल विधाओं में दिखा रहे प्रतिभा

जमुई। श्रीकृष्ण सिंह स्टेडियम में बिहार सरकार के खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय जिला स्तरीय 'खेल महाकुंभ' का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं जिला खेल पदाधिकारी परिमल कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट किया। प्रतियोगिता में सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के 2500 से अधिक खिलाड़ी अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग में हिस्सा ले रहे हैं। एथलेटिक्स, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, शतरंज, योग, वुशू, फुटबॉल, कराटे, कुश्ती, कबड्डी, क्रिकेट, ताइक्वांडो, खो-खो और रग्बी सहित विभिन्न खेलों में मुकाबले हो रहे हैं। पहले दिन एथलेटिक्स और कबड्डी में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि 'मेडल लाओ, नौकरी पाओ' नीति से खिलाड़ियों के लिए नए अवसर खुले हैं। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल ने खेल को अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का माध्यम बताया। जिला खेल पदाधिकारी ने कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभाओं का चयन कर उन्हें प्रमंडलीय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अवसर दिया जाएगा। प्रतियोगिता का समापन एक अक्टूबर को होगा, जहां विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

सारण में तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर के लिए आवेदन शुरू

छपरा। भारत स्काउट और गाइड, जिला संघ सारण में तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया 25 सितंबर से शुरू हो गई है। पात्र स्काउट-गाइड 5 अक्टूबर तक जिला कार्यालय में आवेदन जमा कर सकेंगे। जिला मुख्य आयुक्त की ओर से जिले के सभी सरकारी व निजी विद्यालयों के प्राचार्य-प्राचार्या, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टेन और संबंधित स्काउट-गाइड को इसकी जानकारी दी गई है। तृतीय सोपान के लिए उन्हीं स्काउट-गाइड को आवेदन का अवसर मिलेगा, जिन्होंने द्वितीय सोपान पूरा कर लिया है और द्वितीय सोपान प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुए छह माह की निर्धारित अवधि पूरी कर ली है। जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज ने बताया कि स्काउटिंग की यात्रा प्रथम और द्वितीय सोपान से आगे बढ़कर तृतीय सोपान तक पहुंचती है। इसके लिए निर्धारित छह माह की प्रशिक्षण अवधि पूरी करना जरूरी है। तृतीय सोपान के बाद स्काउट-गाइड राज्य पुरस्कार और फिर राष्ट्रपति पुरस्कार की दिशा में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि पात्र स्काउट-गाइड कार्यदिवस में शिक्षा भवन परिसर स्थित जिला स्कूल, छपरा के जिला कार्यालय में निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन जमा कर सकते हैं। विद्यालय स्तर पर भी प्रशिक्षण और आवश्यक तैयारी समय से पूरी करने की अपील की गई है।

खेल के माध्यम से युवा निखार रहे अपना भविष्य : विकास

» कटौना प्रीमियर लीग सीजन-3 के फाइनल में टाइगर सुपर किंग ने जीता खिताब

जमुई। बरहट प्रखंड के बिचला कटौना गांव स्थित खेल मैदान में आयोजित कटौना प्रीमियर लीग सीजन-3 का रविवार को समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में टाइगर सुपर किंग क्रिकेट क्लब ने एमके गार्जियन कटौना को 30 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। टाइगर सुपर किंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 140 रन बनाए। जवाब में एमके गार्जियन की टीम 11 ओवर में 110 रन पर ऑलआउट हो गई। टूर्नामेंट में आठ टीमों ने हिस्सा लिया। विजेता टीम को 21 हजार रुपये व ट्रॉफी तथा उपविजेता को 11 हजार रुपये व ट्रॉफी प्रदान की गई। अमित कुमार को बेस्ट बैट्समैन, अंकित टाइगर को बेस्ट फील्डर और सोनू कुमार को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व पूर्व जिला पार्षद विकास प्रसाद सिंह ने कहा कि खेल युवाओं के भविष्य को संवारने का सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने युवाओं से क्रिकेट में बेहतर भविष्य के लिए नियमित अभ्यास और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। मौके पर मुखिया कपिलदेव यादव, टुनटुन रावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

सरदार भगत सिंह जयंती पर लघु फिल्म का प्रसारण, 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों से देशभक्ति के रंग में रंगा मगध विश्वविद्यालय परिसर

गया। मगध विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उनके विचारों की गूंज सुनाई दी। विभाग में भगत सिंह के जीवन और विचारों पर आधारित लघु फिल्म का प्रसारण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर के किया गया। उसके बाद पूरा वातावरण देशभक्ति और क्रांतिकारी नारों से ओत प्रोत हो गया। वहीं विभागाध्यक्ष प्रो. अंजनी कुमार घोष ने अध्यक्षीय संबोधन में भगत सिंह के राजनीतिक विचारों को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि महापुरुषों और संविधान निर्माताओं की जयंती केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों को उनके जीवन, संघर्ष और विचारों से जोड़ने की जरूरत है, ताकि उनमें नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सके।उन्होंने भगत सिंह के उस विचार को विशेष रूप से रेखांकित किया कि युवाओं को राजनीति और सामाजिक सरोकारों से दूर नहीं रहना चाहिए। प्रोफेसर घोष ने कहा कि राजनीति से विमुख शिक्षा केवल क्लर्क पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि भगत सिंह वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समर्थक थे और मानवता को सही दिशा देने में विज्ञान को महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन में क्रांति की भूमिका तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।कार्यक्रम के दौरान 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है', 'इंकलाब जिंदाबाद' और भगत सिंह के विचारों से जुड़े नारों ने माहौल को जोशीला बना दिया। शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डॉ. शमशाद अंसारी, डॉ. श्रद्धा ऋषि, डॉ. दिव्या मिश्रा, डॉ. प्रियंका सिंह, अविनाश कुमार समेत विभाग के शिक्षक एवं शोधार्थी मौजूद रहे।

वोट चोरी के आरोपों पर सारण कांग्रेस का प्रदर्शन, केंद्र व चुनाव आयोग पर निशाना

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा। चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और 'वोट चोरी' के आरोपों के विरोध में सोमवार को सारण जिला कांग्रेस और सोनपुर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शहर में आक्रोश मार्च निकाला। जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. शंकर चौधरी और सोनपुर अध्यक्ष सुधीर राय के नेतृत्व में नगरपालिका चौक से निकला मार्च थाना चौक होते हुए समाहरणालय पहुंचा। यहां कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इसके बाद कार्यकर्ता नगरपालिका चौक लौटे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतले फूंके। प्रदर्शन के दौरान एक कार्यकर्ता ने ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनकर हाथों में हथकड़ी लगाई। कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोरी' के आरोपों की जांच और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। डॉ. शंकर चौधरी ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की तथ्यात्मक जांच होनी चाहिए। मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का निर्वाचन आयोग को सार्वजनिक जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता का वोट लोकतंत्र में उसकी सबसे बड़ी ताकत है। सोनपुर कांग्रेस अध्यक्ष सुधीर राय ने कहा कि पार्टी का सवाल किसी व्यक्ति विशेष से अधिक चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता से जुड़ा है। मतदाता अधिकारों से जुड़े सवालों का जवाब संवैधानिक तरीके से मिलना चाहिए। कांग्रेस प्रभारी प्रेमचंद सिंह ने आरोप लगाया कि आरएसएस-भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से संबंधित कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की। सोनपुर प्रभारी ब्रह्मदेव प्रकाश चौधरी भी मौजूद रहे। मार्च में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शिवपूजन राय, विमलेश तिवारी, डॉ. ब्रजेंद्र आजाद, मालिक प्रसाद यादव, प्रमेश्वर शर्मा, जितेंद्र सिंह, फिरोज एकबाल, राहुल कुमार यादव, मनोज पांडेय, कुमार विशाल सिंह, हरेश यादव, तरुण तिवारी, अतुल कुमार, प्रो. सुमन पाठक समेत दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

आरा रेलवे स्टेशन की यात्री सुविधाओं एवं ट्रेनों के ठहराव को लेकर 12 सूत्री मांग

नई सोच एक्सप्रेस

» डॉ भीम सिंह भवेश के नेतृत्व में जीएम से मिला शिष्ट मंडल

आरा। आरा रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं में सुधार एवं महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर आज पद्मश्री डॉ. भीम सिंह भवेश के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने हाजीपुर रेल महाप्रबंधक से मुलाकात की। शिष्टमंडल में पूर्व निगम पार्षद राजू मेहता एवं डॉ. जितेंद्र शुक्ल शामिल रहे। इस दौरान यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन की व्यवस्थाओं से संबंधित 12 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में प्लेटफार्म संख्या 4 पर निर्माणाधीन एस्केलेटर एवं लिफ्ट को शीघ्र चालू करने, सफाई व्यवस्था की पारदर्शी मॉनिटरिंग, जल निकासी की स्थायी व्यवस्था, सर्कुलेटिंग एरिया एवं वाहन स्टैंड को व्यवस्थित करने, अवैध जानवर एवं वेंडरों पर रोक लगाने सहित कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं। इसके साथ ही तेजस राजधानी, डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी, पटना-इंदौर एवं सीमांचल एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों का आरा स्टेशन पर ठहराव देने की मांग भी की गई। महाप्रबंधक श्री गार्गी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए ट्रेन ठहराव के लिए अनुशंसा करने की बात कही।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 101 फलदार पौधे लगाए

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा की ओर से चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र के सरायरंजन विधानसभा अंतर्गत राम-जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने 101 फलदार पौधों का पौधारोपण किया। इस अवसर पर नित्यानंद राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन, राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण के प्रति समर्पण का उदाहरण है। सेवा संकल्प अभियान इसी भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, हरित वातावरण और स्वस्थ जीवन की आधारशिला तैयार करता है। 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों से प्रकृति संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ी है। सेवा का अर्थ जरूरतमंदों की सहायता के साथ प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा करना भी है। कार्यक्रम में विधान पार्षद तरुण कुमार, समस्तीपुर दक्षिणी जिलाध्यक्ष शशिधर झा, महाविद्यालय के निदेशक, प्राचार्य, चिकित्सक, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, अस्पताल कर्मी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने लगाए गए पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

» नित्यानंद राय ने कहा-पर्यावरण संरक्षण भी सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करना प्रदेश भाजपा की प्राथमिकता : संजय सरावगी

नई सोच एक्सप्रेस

बांका। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सोमवार को भागलपुर से बांका पहुंचे। सुमुखिया मोड़ स्थित भाजपा जिला कार्यालय में उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर सक्रियता और आगामी सेवा कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सरावगी ने कहा कि मंदार की धरती पर प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संभालने के बाद उनका यह पहला आगमन है। कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया सम्मान उनके लिए विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं के परिश्रम और योगदान का सम्मान है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ता संगठन की महत्वपूर्ण पूंजी हैं। ऐसे कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर उनकी नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी, ताकि उनके अनुभव और सुझावों का लाभ संगठन को मिल सके। उन्होंने शक्ति केंद्र और बूथ स्तर की बैठकों को प्रभावी बनाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी सरल ऐप पर अपलोड करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक दायित्व के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर चल रहे सेवा कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी की अपील की। 29 सितंबर से एक अक्टूबर तक आंगनबाड़ी केंद्रों पर सेविका-सहायिका सम्मान, बच्चों को फल वितरण और गर्भवती महिलाओं को पोषण सामग्री उपलब्ध कराने जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष ने जिला कोर कमेटी की बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा की। मौके पर जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सरावगी ने कस्तूरबा निःशक्त बच्चों से मुलाकात की तथा होटल वैभव इन में प्रबुद्धजनों के साथ सामाजिक और स्थानीय विषयों पर संवाद किया।

अतिक्रमण हटाने के दौरान दीवार गिरने से लड़की घायल, स्थानीय लोगों ने जताया विरोध

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। सुगौली-रक्सौल मुख्य मार्ग पर प्रखंड कार्यालय के समीप सोमवार को अतिक्रमण हटाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। अतिक्रमण हटाने के क्रम में अचानक एक दीवार गिर गई, जिसके मलबे में एक लड़की दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल लड़की को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल की पहचान लाडली खातून के रूप में हुई है। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया।बताया जाता है कि एनएच विभाग की ओर से मुख्य मार्ग के किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। विभाग द्वारा अतिक्रमणकारियों को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस मिलने के बाद कई लोगों ने स्वयं ही अतिक्रमण हटा लिया था, जबकि कुछ लोगों द्वारा अब भी अतिक्रमण किया गया था। सोमवार को इसी अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई चल रही थी।इसी दौरान एक दीवार अचानक गिर गई, जिसकी चपेट में आने से लाडली खातून दबकर घायल हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के बाद अतिक्रमण हटाने में जुटा बुलडोजर मौके से भाग गया। इसके विरोध में स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए कार्रवाई का विरोध किया। घटना के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तत्काल रोक दी गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान अंचलाधिकारी कुंदन कुमार, आरओ राधेश्याम प्रसाद, थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह, एनएचआई के अधिकारी सहित पुलिस बल के जवान मौके पर मौजूद थे। इस संबंध में अंचलाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि अतिक्रमण हटाने को लेकर पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के बावजूद जिन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया था, उन्हीं के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान दीवार गिरने से लड़की घायल हो गई, जिसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रोक दी गई।

भगत सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई सोच एक्सप्रेस

बक्सर। ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के बगेन मंडल अंतर्गत भदवर शक्ति केंद्र के कुरुथिया में लालमुनि चौबे स्मृति न्यास के तत्वावधान में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। न्यास के संस्थापक अध्यक्ष उदय कुमार उज्जैन ने कहा कि भगत सिंह ने अपने विचार, साहस और बलिदान से युवाओं में स्वाभिमान एवं राष्ट्रचेतना का संचार किया। उनका जीवन आज भी युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पण और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा देता है। भाजपा बगेन मंडल महामंत्री मनजी पासवान ने कहा कि भगत सिंह साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम के अमर प्रतीक हैं। उनके विचार आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम में धरिक्षण सिंह, पिंटू सिंह, टुन्ना सिंह, मुन्ना सिंह, देवेंद्र सिंह, मोहम्मद तबारक हुसैन, कन्हैया ठाकुर, ऋषि सिंह, रेयांश उज्जैन, बिट्टू यादव, नारायण ठाकुर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जहानाबाद में एसपी के नेतृत्व में चला विशेष वाहन जांच अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के.किरण कुमार के नेतृत्व में विभिन्न चौक चौराहों, प्रमुख मार्गों और सीमा क्षेत्रों में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने सड़क पर गुजरने वाले वाहनों को रोक कर उनकी सघन जांच की और वाहन चालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। शहर के अरवल मोड़, अंबेडकर चौक, नगर थाना क्षेत्र सहित घोषी एवं काको थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भी विशेष वाहन जांच की गई। इस दौरान चार पहिया वाहनों को रोककर वाहन की तलाशी ली गई। दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट और वाहन के आवश्यक कागजात की जांच की गई। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की सलाह देते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट का इस्तेमाल करें और वाहन के सभी जरूरी कागजातों को साथ रखें। अभियान के दौरान पुलिस ने शहर में संचालित ऑटो एवं अन्य सवारी वाहनों की भी जांच की। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को निर्धारित क्षमता के अनुसार ही यात्रियों को बैठाने की हिदायत दी। क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर वाहन चलाने से बचने को कहा गया ताकि सड़क सुरक्षा के साथ यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान एसपी स्वयं सड़क पर उतरकर जांच व्यवस्था का जायजा लेते नजर आये। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने के साथ वाहन चालकों और आम लोगों से भी सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। पुलिस के अनुसार जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से इस तरह के अभियान लगातार चलाये जा रहे हैं। प्रमुख मार्गों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

पिकअप की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। नगर थाना और परस बिगहा थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित सिकरिया ढाबा के समीप तेज रफ्तार पिकअप वैन की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान परस बिगहा थाना क्षेत्र के गौरापुर गांव निवासी नौरंगी यादव के पुत्र मन्नू यादव (32) के रूप में हुई है। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, मृतक किसी काम से बभना गया हुआ था। काम निपटाने के बाद वह बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान सिकरिया ढाबा के समीप पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मन्नू गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। यहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ.आफताब आलम ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद परिजन भी अस्पताल पहुंचे। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल की जानकारी ली और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस फरार पिकअप चालक और वाहन की पहचान करने में जुटी है। स्थानीय स्तर पर हादसे के कारणों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहानाबाद में फोरलेन सड़क बनने के बाद इस मार्ग पर बड़े और चार पहिया वाहनों की संख्या बढ़ गयी है। कई वाहन तेज गति से गुजरते हैं और ओवरटेक करने के दौरान दोपहिया वाहनों को परेशानी होती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से फोरलेन पर तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी बढ़ाने, यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि सड़क पार करने अथवा किनारे से आने-जाने के दौरान भी तेज गति से गुजरते वाहनों के कारण परेशानी होती है। यदि वाहनों की गति पर प्रभावी नियंत्रण और नियमित जांच हो तो ऐसे हादसों को कम करने में मदद मिल सकती है ?

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

समस्तीपुर जंक्शन शराब कांड: नेहा झा 24 दिन बाद बेल पर रिहा

समस्तीपुर। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस से 75 लीटर विदेशी शराब बरामद होने के मामले में जेल में बंद नेहा झा को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सोमवार को प्रोडक्ट कोर्ट-2 के जज सुमित रंजन ने उनकी बेल अर्जी मंजूर कर ली। बेल मिलने के 24 दिन बाद वह जेल से बाहर आ गईं।बता दें कि 4 सितंबर को समस्तीपुर जंक्शन पर आज़ादी सेनानी एक्सप्रेस के फर्स्ट AC कोच H-1 के एक केबिन से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई थी। इस मामले में पुलिस ने नेहा झा और ईशान कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।नेहा झा की ओर से उनके वकील चंदन कुमार सिंह ने बेल अर्जी दाखिल की थी। 14 सितंबर को पहली सुनवाई में बेल नहीं मिली थी, जबकि 24 सितंबर को एक महिला वकील की मौत के कारण सुनवाई टाल दी गई थी। आखिरकार, कोर्ट ने 28 सितंबर को उन्हें बेल दे दी।दूसरी तरफ, इसी केस के दूसरे आरोपी ईशान कुमार ने अभी तक कोर्ट में बेल के लिए अर्जी नहीं दी है, इसलिए वह फिलहाल ज्यूडिशियल कस्टडी में रहेंगे।

कुर्की वारंटी पांच आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

मोतिहारी।सुगौली थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाकर कुर्की वारंटी पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मेहवा गांव से चार तथा सुगांव से एक आरोपी को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेहवा निवासी अवधेश सहनी, रामबाबू सहनी, ओमप्रकाश सहनी व कृष्णा सहनी तथा सुगांव निवासी बच्चा साह के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

शिक्षकों के निलंबन से भड़के छात्र, सड़क पर उतरकर बोले- 'कार्रवाई पर फिर से हो विचार'

गया जी।वजीरगंज प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जमुआवां में शिक्षकों के निलंबन का मामला सोमवार को फिर गरमा गया है। निलंबित शिक्षकों की बहाली की मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र सड़क पर उतर आए। छात्रों ने नारेबाजी करते हुए कार्रवाई पर पुनर्विचार करने की मांग किया है।छात्रों का कहना था कि निलंबित शिक्षक नियमित रूप से कक्षाएं लेते थे और उनकी समस्याओं को भी सुनते थे। उनके निलंबन के बाद विद्यालय में पठन-पाठन प्रभावित होने का छात्रों ने दावा किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने विद्यालय में फॉर्म और रजिस्ट्रेशन के नाम पर निर्धारित राशि से अधिक पैसे लिए जाने का आरोप भी लगाया है।

बज्जिका लोकजीवन, संस्कृति और अस्मिता की सशक्त आवाज : रवीन्द्र कुमार रतन

हाजीपुर। सेनानी-सदन, हाजीपुर के रवीन्द्र कुमार रतन ने बज्जिका भाषा के उद्भव और विकास पर अपने विचार रखते हुए कहा कि बज्जिका केवल बोलचाल की बोली नहीं, बल्कि अपनी ध्वनि, शब्द-संपदा, व्याकरण, लोकसंस्कृति और साहित्यिक परंपरा वाली सशक्त जनभाषा है। इसकी जड़ें प्राचीन वज्जि-वैशाली की सांस्कृतिक धरती से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि वैशाली, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, समस्तीपुर, सोनपुर और पूर्वी चंपारण सहित व्यापक क्षेत्र में बज्जिका का प्रयोग होता है। आज इसमें कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध और अन्य साहित्यिक विधाओं में रचनाएं हो रही हैं। व्याकरण, शब्दकोश और शोध के क्षेत्र में भी कार्य हुए हैं। रतन ने कहा कि बज्जिका के विकास के लिए मानकीकरण, शब्दकोश निर्माण, डिजिटल सामग्री, शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बज्जिका को अन्य भाषाओं के विरोध में नहीं, बल्कि उनके साथ संवाद और समन्वय के जरिए आगे बढ़ाया जाना चाहिए। घर-परिवार में बज्जिका के प्रयोग और नई पीढ़ी तक इसके हस्तांतरण से ही इसकी भाषिक पहचान और मजबूत होगी।

आस्था के महासंगम से पहले प्रशासन अलर्ट: मातंगवापी से सरस्वती घाट तक डीएम एसएसपी ने परखी व्यवस्था

गया जी।पितृपक्ष मेला महासंगम 2026 में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंच रहे पिंडदानियों एवं श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो इसे लेकर जिला प्रशासन लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा बोधगया क्षेत्र स्थित मातंगवापी धर्मारण्य मंदिर एवं सरस्वती घाट का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं के आवागमन, पिंडदान एवं धार्मिक अनुष्ठान के लिए उपलब्ध सुविधाओं को बारीकी से देखते हुए अधिकारियों से साफ सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा इंतजाम की स्थिति की जानकारी लिया गया। वहीं मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने पर भी विशेष जोर दिया गया।निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मेला अवधि में सभी मूलभूत सुविधाएं लगातार सुचारू रहें। घाट एवं मंदिर परिसर के आसपास स्वच्छता व्यवस्था को प्राथमिकता देने, पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने तथा प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने को कहा गया।प्रशासन की ओर से यातायात व्यवस्था को भी सुगम बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों तक पहुंचने और वापस लौटने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

भारत रत्न सम्मान लता मंगेशकर जी की जयंती समारोह संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।विश्व धरोहर स्वर कोकिला भारत रत्न से सम्मानित लता मंगेशकर की जयंती पर संगीत श्रद्धांजलि का आयोजन सरस्वती डिजिटल स्टूडियो जगदीश जग्गी का चौराहा,पटना सिटी में काफी धूमधाम से स्वरांजलि संस्था की ओर से मनाया गया। इसके उद्घाटन नालंदा कॉलेज के शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर ध्रुव कुमार, वरिष्ठ रंगकर्मी व सचिव प्रांगण नाटक संस्था के अभय सिंहा,मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी गायक डॉक्टर बसंत पंचानन एवं वरिष्ठ साहित्यकार,कलाकार संघ के अध्यक्ष आलोक चोपड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर किया। साथ ही इस अवसर पर बिहार के एक ऐसे कला प्रेमी वरिष्ठ पत्रकार विश्वमोहन चौधरी सन्त भी इस महती आयोजन में शामिल थे। संचालन साहित्यकार नेक आलम ने बखूबी किया। अतिथियों ने कहा लता की आवाज में संघर्ष संवेदना संजीदगी की एहसास होता है। लता मंगेशकर भारत के जंगल में भी संगीत के माध्यम से आज भी समाहित है। इनके जाने पर जैसे दुनिया में हम आए हैं तो जीना ही पड़ेगा जीवन है अगर जहर तो पीना ही पड़ेगा इस गाने में संघर्ष मेहनत और जिंदगी जीने का सीख दी गई है। कोई एक आवाज ही नहीं नहीं थी। अपने आप में संगीत की विश्वविद्यालय थी यह बातें आज अतिथियों ने कही। इस मौके पर कलाकारों साहित्यकारों को सरस्वती साधना सम्मान से सम्मानित भी किया गया जिसमें डॉक्टर ध्रुव कुमार, आलोक चोपड़ा, अहमद रजा हाशमी, अभय सिंहा डॉक्टर बसंत पंचानन,आलोक चौबे, सुश्री सिम्मी माला,अंकित कुमार संजना सिंहा,आकांक्षा चौबे, डॉली सिंह,अभिषेक शुक्ला, देवांशु प्रीत, सतीश कुमार बबलू, सुश्री डॉली सिंह, अभिषेक शुक्ला एवं पप्पू गुप्ता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में सभी कलाकारों और साहित्यकारों ने स्वर्गीय लता मंगेशकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर संगीत श्रद्धांजलि से अलंकृत किया।

प्राथमिक विद्यालय चंद्रालय की शिक्षिका अन्नु कुमारी को बेस्ट गुरु सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर। हाजीपुर के रीता पैलेस में बेस्ट गुरु सम्मान समारोह आर्यन क्लासेज एवं निर्मल इंडिया के द्वारा शानदार आयोजन किया गया।जिसमें बेस्ट गुरु सम्मान 2026 से नवसृजित प्राथमिक विद्यालय चन्द्रालय की शिक्षिका अन्नु कुमारी को मुख्य पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ के सी सिन्हा एवं डॉक्टर एल बी सिंह के हाथों सम्मानित किया गया। "गुरु गरिमा सम्मान 2026" के लिए वैशाली जिले के प्रत्येक प्रखण्ड से उत्कृष्ट उपलब्धियां के लिए शिक्षकों का चयन कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की उद्घाटनकर्ता मुख्य अतिथि पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ के सी सिन्हा, शिक्षा विद ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, आर्यन क्लासेज के डायरेक्टर राजीव रंजन,राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष पंकज सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रशान्त कुमार निर्मल इंडिया न्यूज के फाउंडर रवि शंकर संयुक्त रूप से की जबकि उदघोषक राजकीय शिक्षक सम्मान 2025 से सम्मानित उमेश प्रसाद सिंह ने की। राजकीय प्राथमिक विद्यालय चन्द्रालय की शिक्षिका अन्नु कुमारी को यह सम्मान मिलने पर राजकीय शिक्षक सम्मान 2026 से सम्मानित साक्षी सरला, टी वी टी मंच से 2023 सम्मानित जीतेंद्र नाथ, टी बी टी मंच 2025 से सम्मानित अखिलेश कुमार, वर्षा कुमारी, विनीता कुमारी, सुजाता कुमारी एवं सुधांशु शेखर कुमार आदि लोगों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किए।

रितेश पाल ने इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीजन 5 की ट्रॉफी अपने नाम की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीजन 5 में इंडिया वाला डांस की थीम पर महीनों तक चले शानदार प्रदर्शनों और अविस्मरणीय डांस पलों के बाद, रायपुर के रितेश पाल ने कोरियोग्राफर प्रतीक उतेकर के साथ मिलकर इस सीजन का खिताब अपने नाम किया। शुरुआत से ही रितेश का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के लिए अलग पहचान रखता था। उन्होंने लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाया, इस सीजन में तीन बार बैटल ट्रॉफी जीती और अपने दमदार तथा बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किए गए डांस प्रदर्शनों के लिए सराहना हासिल की। इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीजन 5 के विजेता रितेश पाल ने कहा कि डांस हमेशा से मेरा जुनून रहा है और इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीजन 5 जीतना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। इंडिया वाला डांस ने मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया और एक परफॉर्मर के रूप में आगे बढ़ने में मेरी मदद की। मेरे कोरियोग्राफर प्रतीक उतेकर सर का विशेष धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मेरे इस सफर को नई दिशा दी। मैंने अपने साथी प्रतियोगियों से भी बहुत कुछ सीखा है। यह ट्रॉफी हर चुनौती को सार्थक बनाती है।

एक्सपर्ट्स ने एडिमा के बारे में ज़्यादा जागरूकता और जल्दी पहचान की अपील की

नई सोच एक्सप्रेस

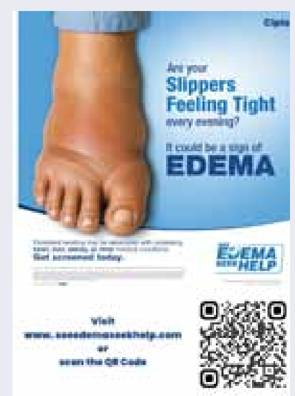

पटना।एडिमा एक ऐसी स्थिति है जो शरीर के टिश्यू में ज़्यादा फ्लूइड जमा होने से होती है। आमतौर पर यह सूजन के रूप में दिखती है। खासकर पैरों, टखनों और टांगों में। यह कई अंदरूनी स्थितियों से जुड़ी है। इनमें दिल, लिवर, किडनी और थायरॉइड की बीमारियां शामिल हैं। एडिमा के बारे में जागरूकता और स्क्रीनिंग को मज़बूत करने के लिए, सिप्ला की सी एडिमा, सीक हेल्प पहल देश भर में इन कोशिशों को बढ़ावा दे रही है। इस पहल का ऑनलाइन एडिमा स्क्रीनिंग टूल व्यक्ति को एडिमा के संभावित लक्षणों को पहचानने और हेल्थकेयर प्रोफेशनल के साथ जानकार बातचीत करने में मदद के लिए शुरुआती स्कोर पाना संभव करता है। डॉ. बी बी भारती, कार्डियोलॉजिस्ट, पटना ने कहा कि एडिमा तब होता है जब छोटी रक्त कोशिका से फ्लूइड लीक होकर आस-पास के टिश्यू में जमा हो जाता है। इससे सूजन हो जाता है। हालांकि इसे आम सूजन समझने की गलती हो सकती है, लेकिन लगातार सूजन रहने या बार-बार होने, खिंची हुई या चमकदार त्वचा या सूजे हुए हिस्से को दबाने के बाद भी अगर कोई निशान रह जाता है, तो इस बारे में हेल्थकेयर प्रोफेशनल से बात करनी चाहिए। डॉ. मदन प्रसाद, कंसल्टिंग फिजिशियन, पटना ने कहा कि एडिमा का आकलन समय रहते ज़रूरी है क्योंकि सूजन का कारण समझने से मैनेजमेंट का सही तरीका तय करने में मदद मिलती है। कभी-कभी बहुत देर तक एक ही पोज़िशन में बैठने या रहने, बहुत ज़्यादा नमकीन खाना खाने, गर्भावस्था के दौरान या पीरियड्स के आस-पास हल्की सूजन हो सकती है। हालांकि, एडिमा हार्ट फेलियर, किडनी की बीमारी, वेनस इनसफिशिएंसी या लिवर सिरोसिस जैसी अंदरूनी बीमारियों से भी जुड़ी हो सकती है।

मोटोरोला ने बिग बिलियन मोटो डील्स का ऐलान किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल 2026 के दौरान अपने हैशटैग बिग बिलियन मोटो रश ऑफर के तहत बेहतरीन और स्टाइलिश स्मार्टफोन्स पर जबर्दस्त फेस्टिव डिस्काउंट लेकर आया है। मोटोरोला ऐज 70 फ्यूज़न के साथ 30 हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स से लेकर मोटोरोला ऐज 70 प्रो के साथ 40 हजार रुपये के अंदर असली फ्लैगशिप किलर तक, मोटोरोला ऐज 70 प्रो प्लस के साथ 45 हजार रुपये के अंदर चार ५० एमपी कैमरों का जबर्दस्त अनुभव, मोटोरोला सिग्नेचर के साथ 60 हजार रुपये के अंदर सिग्नेचर-क्लास कैमरा, और मोटो जी 37 पावर के साथ 20 हजार रुपये के अंदर 3 दिन की बैटरी लाइफ वाला फोन - मोटोराला इस त्यौहार के सीजन को बेहतरीन कीमतों और बड़े अपग्रेड के नाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है। फ्लिपकार्ट पर यह सेल 27 सितंबर 2026 से शुरू हो चुकी है, जिससे ग्राहकों को अपना पसंदीदा मोटोरोला स्मार्टफोन खरीदने का शानदार मौका मिला है। पूरी सेल के दौरान ग्राहक मोटोरोला के विभिन्न डिवाइसेस पर आकर्षक बिग बिलियन डेज़ कीमतों का लाभ उठा सकते हैं।

क्योंकि पापा कहते हैं सीरियल सोनी सब चैनल में सिमरन के किरदार में नजर आएंगी साची तिवारी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।अभिनय के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री साची तिवारी अब लोकप्रिय धारावाहिक क्योंकि पापा कहते हैं में एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। शो में साची सिमरन का किरदार निभा रही जो एक फैशन डिजाइनर के रोल में हैं। इस शो के निर्देशक मशहूर डायरेक्टर धर्मेश मेहता हैं,जो इससे पहले 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' जैसे बड़े शोज़ को डायरेक्ट कर चुके हैं।इस सीरियल को इंसाइर फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। ये शो सोमवार से शनिवार शाम 7:30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होगा,उनके इस नए किरदार को लेकर दर्शकों में खास उत्सुकता देखने को मिल रही है। साची तिवारी इससे पहले भी विभिन्न *फिल्मों, धारावाहिकों और वेब सीरीज में अपने अभिनय का प्रदर्शन कर चुकी हैं। अलग-अलग तरह के किरदारों को सहजता और प्रभावी अंदाज में निभाने वाली साची अब 'क्योंकि पापा कहते हैं' के जरिए टेलीविजन दर्शकों के बीच अपनी नई पहचान बनाने की तैयारी में हैं।सिमरन के किरदार में साची का नया अंदाज बिहार से जुड़ी प्रतिभाशाली कलाकार साची तिवारी के इस नए प्रोजेक्ट को लेकर उनके प्रशंसकों में भी उत्साह है।

मुक्ता गार्डन में उमड़ा रक्तदान का जज्बा, बीडीओ ने खुद रक्त देकर दिया मानव सेवा का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।वजीरगंज के मुक्ता गार्डन में रविवार को शहीद भगत सिंह यूथ ब्रिगेड की ओर से आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर का उद्घाटन बीडीओ प्रभाकर सिंह ने स्वयं रक्तदान कर किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का ऐसा कार्य है जिससे किसी जरूरतमंद को जीवनदान मिल सकता है।शिविर में रक्तदान को लेकर युवाओं में खासा उत्साह दिखा। ग्रामीणों और समाजसेवियों ने भी आगे बढ़कर रक्तदान किया। दखिन गांव निवासी समाजसेवी चंदन कुमार पांडे ने रक्तदान करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ी मानव सेवा है। हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी अनजान व्यक्ति की जिंदगी बचा सकता है।आयोजकों ने कहा कि दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव समेत कई आपात स्थितियों में अचानक रक्त की जरूरत पड़ती है। ऐसे समय में उपलब्ध रक्त किसी मरीज के लिए जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकता है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर कर आगे आने की अपील की।कार्यक्रम में पूर्व मुखिया सह समाजसेवी कुमार रूपेंद्र प्रताप का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। थानाध्यक्ष नीरज कुमार, मुखिया संघ अध्यक्ष राजीव रंजन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सरकारी अस्पतालों में मुफ्त ईसीजी जांच, हृदय रोग की पहचान होगी आसान

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर।जिले के लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक जांच सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में ECG (Electrocardiogram) जांच की सेवा जिला अस्पताल से लेकर अनुमंडलीय अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। ECG जांच हृदय की विद्युत गतिविधियों की जांच करने की एक महत्वपूर्ण एवं सामान्य प्रक्रिया है। सीने में दर्द, सांस लेने में परेशानी, धड़कन में अनियमितता, चक्कर अथवा अन्य हृदय संबंधी लक्षणों वाले मरीजों के चिकित्सकीय मूल्यांकन में यह जांच महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों में ECG सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों को आवश्यकतानुसार अपने नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान में जांच की सुविधा मिल सकेगी और समय पर चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य है कि आम नागरिकों को अपने नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान पर आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध हो तथा गंभीर बीमारियों की पहचान और उपचार में अनावश्यक विलंब न हो।आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को मिल रहा है सीधा लाभ सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में जांच के साथ चिकित्सा की परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध होने से मरीजों को अलग से जांच करने के लिए निजी केंद्रों का रुख नहीं करना पड़ रहा है। विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सुविधा काफी राहत देने वाली है। जनसामान्य से विशेष अपील है कि चिकित्सक द्वारा ECG जांच की सलाह दिए जाने पर संबंधित स्वास्थ्य संस्थान में उपलब्ध इस सुविधा का लाभ उठाएं। मुख्य संदेश: "समय पर जांच, समय पर उपचार स्वस्थ हृदय की ओर एक महत्वपूर्ण कदम।"

पितृपक्ष मेले में हाई अलर्ट: डॉग स्क्वायड ने खंगाला गया स्टेशन का चप्पा-चप्पा

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।पितृपक्ष मेला-2026 के दौरान गया रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है। श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर सोमवार को रेलवे सुरक्षा बल (RPF) पोस्ट गया ने CRPF डॉग स्क्वायड टीम के साथ स्टेशन परिसर में सघन बम एवं विस्फोटक पदार्थ जांच अभियान चलाया। डॉग स्क्वायड ने स्टेशन के चप्पे-चप्पे को खंगाला और संदिग्ध वस्तुओं की बारीकी से जांच की।जांच अभियान के दौरान गया रेलवे स्टेशन के विभिन्न प्लेटफॉर्म, यात्री प्रतीक्षालय, प्रवेश एवं निकास द्वार, सर्कुलेटिंग एरिया और यात्रियों की आवाजाही वाले प्रमुख स्थानों के साथ अन्य संवेदनशील स्थलों की गहन जांच की गई। डॉग स्क्वायड की मदद से लावारिस पड़े सामान और संदिग्ध वस्तुओं को भी बारीकी से खंगाला गया।सघन चेकिंग के दौरान किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु अथवा विस्फोटक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। जांच के बाद स्टेशन परिसर में स्थिति सामान्य पाई गई। RPF अधिकारियों ने बताया कि पितृपक्ष मेले के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गया पहुंच रहे हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर लगातार निगरानी और जांच अभियान चलाया जा रहा है।RPF की ओर से स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधियों, लावारिस सामान और सुरक्षा से जुड़े अन्य पहलुओं पर विशेष नजर रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जा सके।डॉग स्क्वायड जांच अभियान के दौरान सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह, निरीक्षक प्रभारी बनारसी यादव, निरीक्षक पंकज यादव, निरीक्षक चंदन कुमार, थानाध्यक्ष शिवकुमार सहित RPF के अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

रासुका दमनकारी कदम

हाई कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों का तानाशाही भरा और असंवैधानिक रवैया ऑरवेलियन डिस्टोपिया की धारणा को साकार कर सकता है। कहा जा सकता है कि फिलहाल इससे अधिक सटीक चेतावनी और कोई नहीं हो सकती। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दो-टूक फैसला दिया है कि सामाजिक कार्यकर्ता आकृति चौधरी पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाना दमनकारी कदम था। नोएडा प्रशासन को मालूम था कि चौधरी की गिरफ्तारी कानूनन कमजोर बुनियाद पर टिकी है, इसलिए उन्हें आसानी से जमानत मिल जाएगी। ऐसा ना हो, इसलिए बिना किसी साक्ष्य के रासुका लगा दिया गया। अब जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ ने ना सिर्फ रासुका को रद्द किया है, बल्कि अनुचित ढंग से इसे लगाने के लिए नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम की व्यक्तिगत जवाबदेही भी तय की है। हाई कोर्ट ने चौधरी के संवैधानिक अधिकारों के हनन के एवज में पांच लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह रकम रूपम की तनख्वाह से काटी जाएगी। इस तरह कोर्ट ने ऐसा फैसला दिया है, जिससे गढ़ी हुई कहानी के आधार पर नागरिकों की निजी स्वतंत्रता के हनन की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लग सकती है। दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व रिसर्चर आकृति को नोएडा में मजदूर आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आम लोगों से मजदूरों के पक्ष में खड़ा होने का आह्वान किया था। पुलिस ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना। हाई कोर्ट ने कहा है कि शांतिपूर्व प्रतिरोध नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, जिससे उन्हें निराधार आशंका के कारण वंचित नहीं किया जा सकता। अतः अदालत ने निर्देश दिया है कि इस मामले में दोषी अधिकारियों की सर्विस बुक में कोर्ट की नाराजगी दर्ज की जाए। इसके अलावा न्यायाधीशों ने नौकरशाहों और पुलिस अफसरों को यह याद दिलाकर उचित चेतावनी दी है कि उनकी वफादारी भारत के संविधान के प्रति है, ना कि सत्ताधारियों की सियासत प्रति। जिस दौर में सत्ता पक्ष के सियासी हितों और प्रशासनिक अधिकारियों के व्यवहार के बीच का फासला मिटता-सा चला गया है, न्यायपालिका की ऐसी टिप्पणी को एक सामयिक एवं प्रासंगिक हस्तक्षेप माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का तानाशाही भरा और असंवैधानिक रवैया ऑरवेलियन डिस्टोपिया (दमनकारी, भययुक्त राज्य) की धारणा को साकार कर सकता है। कहा जा सकता है कि मौजूदा दौर में इससे अधिक सटीक चेतावनी और कोई नहीं हो सकती।

बच्चियों की सुरक्षा : कानून के साथ संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी भी जरूरी

आरती कुमारी

दुष्कर्म की कोई भी घटना समाज की संवेदनाओं को झकझोर देती है। जब यौन हिंसा का शिकार नाबालिग बच्चियां होती हैं, तब पीड़ा और चिंता कई गुना बढ़ जाती है। बचपन सुरक्षा, शिक्षा, संस्कार और सपनोंका समय होता है। ऐसे में किसी बच्चीके साथ यौन अपराध केवल एक व्यक्ति के विरुद्ध किया गया अपराध नहीं, बल्कि पूरे सभ्य समाज के सामने खड़ा गंभीर प्रश्न है। यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कठोर कानून, पुलिस व्यवस्था, न्यायिक निगरानी और लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों के बावजूद ऐसी घटनाएं क्यों सामने आती रहती हैं। दिल्ली-एनसीआर में नाबालिगों से दुष्कर्म की हाल की तीन घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान लिया जाना इसी चिंता की गंभीरता को सामने लाता है। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा तथा पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। अदालत ने यह भी जानना चाहा कि 2012 के निर्भया कांड के बाद सुरक्षा व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनसे क्या सबक लिया गया और उनका जमीन पर कितना प्रभाव पड़ा। सुप्रीम कोर्ट की चिंता का दायरा केवल तीन घटनाओं तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक व्यवस्था की पड़ताल है, जिसके तहत किसी शहर के पार्क, सड़क, बस, मेट्रो स्टेशन, सब-वे या अन्य सार्वजनिक स्थान महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित होने चाहिए। संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है। इस अधिकार को वास्तविक रूप देने की जिम्मेदारी केवल अदालतों की नहीं, बल्कि प्रशासन और समाज की भी है। हाल की घटनाओं में एक नाबालिग के साथ चलती बस में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया। दूसरी घटना में स्वरूप नगर में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई। तीसरी घटना कालकाजी मंदिर के निकट आस्था कुंज पार्क से जुड़ी है, जहां एक नाबालिग छात्रा के साथ तीन युवकों द्वारा अपराध किए जाने का आरोप है। इन घटनाओं ने सार्वजनिक परिवहन, सुनसान स्थानों, पुलिस गश्त और निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या केवल अपराध होने के बाद अपराधियों को कठोर सजा देना पर्याप्त है? निस्संदेह दोषियों को कानून के अनुसार कठोर दंड मिलना चाहिए। पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए और जांच व्यवस्था निष्पक्ष तथा समयबद्ध होनी चाहिए। लेकिन किसी अपराध को रोकने की दृष्टि से यह भी जरूरी है कि ऐसी परिस्थितियां ही कम की जाएं, जिनमें अपराधी को अपराध करने का अवसर मिलता है। देश में बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने के लिए पॉक्सो कानून लागू है। कानून में अपराध की गंभीरता के अनुरूप कठोर दंड का प्रावधान है। इसके बावजूद बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामले सामने आना यह बताता है कि समस्या केवल कानून की कमी की नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2024 में दिल्ली में बच्चों से संबंधित यौन अपराधों के तहत 1,553 मामले दर्ज हुए। ऐसे आंकड़े इस समस्या की गंभीरता की ओर संकेत करते हैं और बताते हैं कि कानूनी प्रावधानों के साथ रोकथाम की सामाजिक और संस्थागत व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। अपराध की मानसिकता केवल कानून की किताब से समाप्त नहीं होती। कानून भय पैदा कर सकता है, दंड का प्रावधान कर सकता है और अपराध के बाद न्याय सुनिश्चित कर सकता है, लेकिन समाज की सोच और व्यक्ति के चरित्र निर्माण की भूमिका उससे पहले शुरू होती है। यहीं परिवार और विद्यालय की जिम्मेदारी सामने आती है। बच्चों को बचपन से यह समझाना होगा कि किसी भी व्यक्ति की गरिमा, इच्छा और व्यक्तिगत सीमा का सम्मान करना आवश्यक है। लड़कियों के सम्मान की बात जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी लड़कों को यह सिखाना भी है कि सम्मान किसी उपकार का नाम नहीं, बल्कि हर व्यक्ति का अधिकार है। सहमति, मर्यादा, संयम और जिम्मेदारी जैसे विषयों पर उम्र के अनुरूप संवाद होना चाहिए। हम अक्सर बच्चों की सफलता को उनके अच्छे अंक, प्रतियोगी परीक्षाओं में उपलब्धि और करियर से जोड़कर देखते हैं। निश्चित रूप से शिक्षा और रोजगार महत्वपूर्ण हैं, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य केवल सफल पेशेवर तैयार करना नहीं हो सकता। शिक्षा का वास्तविक अर्थ ऐसे नागरिक तैयार करना भी है, जो दूसरे व्यक्ति की गरिमा और अधिकार को समझें। यदि कोई बच्चा बहुत शिक्षित होकर भी दूसरों की स्वतंत्रता और सम्मान को नहीं समझता, तो शिक्षा की सामाजिक भूमिका अधूरी रह जाती है। इसीलिए संस्कार का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है। संस्कार का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं है। बच्चे परिवार में जो देखते हैं, वही बहुत बार सीखते हैं। घर में महिलाओं के प्रति व्यवहार, बातचीत की भाषा, दूसरों की निजता का सम्मान और विवादों को सुलझाने का तरीका ये सभी बच्चों के व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं। इसलिए बच्चों को सम्मान और संवेदनशीलता सिखाने की शुरुआत घर के व्यवहार से होनी चाहिए। विद्यालयों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बच्चों और किशोरों को उम्र के अनुरूप सुरक्षित व्यवहार, व्यक्तिगत सीमाओं, गलत स्पर्श, ऑनलाइन सुरक्षा और किसी असहज स्थिति में भरोसेमंद व्यक्ति से सहायता लेने के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। बच्चों को यह विश्वास भी दिलाना होगा कि यदि उनके साथ कोई गलत व्यवहार होता है तो उन्हें चुप रहने की जरूरत नहीं है। उनकी बात सुनी जाएगी और उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाएगा। साथ ही यह भी समझना होगा कि हर यौन अपराध को केवल 'संस्कारों की कमी' कहकर समाप्त नहीं किया जा सकता। अपराध के पीछे अनेक सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और परिस्थितिजन्य कारक हो सकते हैं। इसलिए रोकथाम की रणनीति भी बहुस्तरीय होनी चाहिए। परिवार और विद्यालय के संस्कारों के साथ प्रभावी पुलिसिंग, बेहतर शहरी नियोजन, सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी और त्वरित शिकायत तंत्र भी आवश्यक हैं। पुलिस व्यवस्था की भूमिका यहां सबसे महत्वपूर्ण संस्थागत जिम्मेदारियों में से एक है। सार्वजनिक स्थानों पर नियमित गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, शिकायतों पर तत्काल प्रतिक्रिया और अपराध की आशंका वाले स्थानों की निगरानी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। केवल अपराध के बाद पुलिस की सक्रियता पर्याप्त नहीं है। पुलिसिंग का उद्देश्य अपराध के बाद जांच करना जितना है, उतना ही अपराध की संभावना को पहले से कम करना भी है। शहरों की सुरक्षा का मूल्यांकन केवल बड़ी सड़कों और प्रमुख बाजारों से नहीं होना चाहिए। स्कूल से घर लौटने वाले बच्चे, सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करने वाली छात्राएं, पार्कों में जाने वाले परिवार और देर शाम काम से लौटने वाली महिलाएं इन सभी के अनुभव से तय होगा कि शहर वास्तव में कितना सुरक्षित है। किसी स्थान पर पर्याप्त रोशनी न होना, पुलिस की अनुपस्थिति या निगरानी व्यवस्था का कमजोर होना छोटी प्रशासनिक कमियां लग सकती हैं, लेकिन यही परिस्थितियां अपराध के लिए अवसर पैदा कर सकती हैं। समाज की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। पड़ोसी, दुकानदार, परिवहन कर्मी, स्कूल प्रशासन और स्थानीय समुदाय यदि अपने आसपास होने वाली गतिविधियों के प्रति सजग रहें तो कई घटनाओं को समय रहते रोका जा सकता है। इसका अर्थ किसी की निजता में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं, बल्कि संदिग्ध या स्पष्ट रूप से खतरनाक परिस्थितियों में जिम्मेदारी से सूचना देना है। सबसे जरूरी है कि पीड़ित बच्ची या महिला को अपराध के बाद सामाजिक सवालों और संदेह का सामना न करना पड़े। अपराध का दायित्व अपराधी का है। पीड़ित को दोष देना, उसके पहनावे, व्यवहार, समय या स्थान को अपराध का कारण बताना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ सामाजिक लड़ाई को भी कमजोर करता है। परिवार और समाज को पीड़ित के साथ खड़ा होना चाहिए, उसे सुरक्षा, चिकित्सा, कानूनी सहायता और मानसिक सहारा देना चाहिए। निर्भया कांड के बाद देश में कानूनों और संस्थागत व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। लेकिन किसी भी कानून की वास्तविक सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह जमीन पर कितना प्रभावी है।

डिजिटल रुपया : भारतीय मुद्रा व्यवस्था का नया युग तथा आर्थिक क्रांति की आधारशिला

आचार्य अशोक चौधरी 'प्रियदर्शी'
कटिहार, बिहार

भारत की अर्थव्यवस्था पिछले एक दशक में जिस तीव्र गति से डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुज़री है, वैसा परिवर्तन स्वतंत्रता के बाद शायद ही कभी देखने को मिला हो। एक समय था जब बैंक की शाखा में जाकर घंटों पंक्ति में लगकर लेन-देन करना सामान्य बात थी। उसके बाद एटीएम आए, फिर इंटरनेट बैंकिंग आई, मोबाइल बैंकिंग ने गति पकड़ी और अंततः एकीकृत भुगतान व्यवस्था ने डिजिटल भुगतान को जन-आंदोलन का रूप दे दिया। आज सब्ज़ी विक्रेता से लेकर बड़े उद्योगपति तक मोबाइल से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में वर्ष २०२२ के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री द्वारा "डिजिटल रुपया" की घोषणा केवल एक नई वित्तीय योजना नहीं थी, बल्कि भारतीय मुद्रा व्यवस्था के भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाला एक ऐतिहासिक निर्णय था। जब यह घोषणा हुई तो सामान्य नागरिकों के मन में अनेक प्रश्न उठे। क्या डिजिटल रुपया भी उसी प्रकार का डिजिटल भुगतान है जैसा आज मोबाइल के माध्यम से किया जाता है? क्या यह बिटकॉइन जैसी कोई आभासी मुद्रा है? क्या भविष्य में कागज़ के नोट समाप्त हो जाएंगे? क्या बैंकों की भूमिका बदल जाएगी? क्या यह सरकार द्वारा नागरिकों के प्रत्येक आर्थिक लेन-देन पर निगरानी रखने का माध्यम बन जाएगा? अथवा यह भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है? इन सभी प्रश्नों का उत्तर समझने के लिए सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि डिजिटल रुपया वास्तव में है क्या। डिजिटल रुपया भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी की जाने वाली वैधानिक मुद्रा का डिजिटल स्वरूप है। अर्थात जिस प्रकार हमारे हाथ में रखा हुआ एक सौ रुपये का नोट भारतीय रिज़र्व बैंक की देयता होता है, उसी प्रकार डिजिटल रुपया भी भारतीय रिज़र्व बैंक की ही वैधानिक मुद्रा है। अंतर केवल इतना है कि एक मुद्रा कागज़ के रूप में दिखाई देती है और दूसरी पूरी तरह डिजिटल रूप में अस्तित्व रखती है। इसलिए इसे किसी निजी संस्था द्वारा जारी की गई आभासी मुद्रा समझना गंभीर भूल होगी। यहीं यह अंतर समझना भी आवश्यक है कि आज हम जिस एकीकृत भुगतान व्यवस्था, मोबाइल बैंकिंग अथवा इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करते हैं, वे स्वयं मुद्रा नहीं हैं। वे केवल भुगतान के माध्यम हैं। जब कोई व्यक्ति मोबाइल से भुगतान करता है, तब वास्तव में उसके बैंक खाते में जमा धन का हस्तांतरण होता है। लेकिन डिजिटल रुपया स्वयं मुद्रा है। अर्थात यह किसी बैंक खाते में रखे धन का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि स्वयं भारतीय मुद्रा का डिजिटल स्वरूप है। यही कारण है कि अर्थशास्त्री इसे भारतीय मुद्रा व्यवस्था में एक मौलिक परिवर्तन मानते हैं। इस परिवर्तन के पीछे अनेक आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक कारण हैं। सबसे पहला कारण है नकदी प्रबंधन की बढ़ती लागत। देश में प्रतिवर्ष करोड़ों नोट छापे जाते हैं। उनके लिए विशेष कागज़, विशेष स्याही, सुरक्षा चिह्न, परिवहन, भंडारण, सुरक्षा व्यवस्था और पुराने नोटों के प्रतिस्थापन पर भारी व्यय होता है। नकली नोटों से निपटने के लिए भी अलग व्यवस्था बनानी पड़ती है। यदि भविष्य में मुद्रा का एक बड़ा भाग डिजिटल स्वरूप में आ जाए तो इन व्ययों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। दूसरा कारण है डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार। आज भारत विश्व के सबसे बड़े डिजिटल भुगतान देशों में गिना जाता है। करोड़ों लोग प्रतिदिन डिजिटल माध्यमों से भुगतान कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में यदि देश की अपनी केंद्रीय डिजिटल मुद्रा उपलब्ध हो तो भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय व्यवस्था को और अधिक सक्षम बनाया जा सकता है। तीसरा कारण है वैश्विक आर्थिक प्रतिस्पर्धा। विश्व के अनेक देश अपनी-अपनी केंद्रीय डिजिटल मुद्रा विकसित कर रहे हैं। यदि भारत इस परिवर्तन से स्वयं को दूर रखता, तो भविष्य की वैश्विक डिजिटल वित्तीय व्यवस्था में उसकी भूमिका सीमित हो सकती थी। इसलिए डिजिटल रुपया केवल घरेलू आवश्यकता नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिस्पर्धा का भी विषय है। चौथा कारण है वित्तीय समावेशन। भारत में अभी भी ऐसे अनेक नागरिक हैं जो बैंकिंग सेवाओं तक पूर्ण रूप से नहीं पहुँच पाए हैं। यदि भविष्य में डिजिटल रुपया सरल, सुरक्षित और सुलभ रूप में उपलब्ध होता है, तो यह उन लोगों को भी औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने में सहायक हो सकता है। डिजिटल रुपया दो प्रमुख स्वरूपों में विकसित किया गया है। पहला है खुदरा डिजिटल रुपया, जिसका उपयोग सामान्य नागरिक, व्यापारी और उपभोक्ता करेंगे। दूसरा है थोक डिजिटल रुपया, जिसका उपयोग मुख्यतः बैंकों और बड़े वित्तीय संस्थानों के बीच बड़े मूल्य के लेन-देन के लिए किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल भुगतान को डिजिटल बनाना नहीं है, बल्कि भुगतान प्रणाली को अधिक सुरक्षित, तीव्र, विश्वसनीय और कम लागत वाला बनाना भी है। आज यदि कोई व्यक्ति बैंक से नकद राशि निकालता है तो उसे नोट अपने पास रखने पड़ते हैं। उन नोटों के चोरी होने, नष्ट होने अथवा खो जाने का जोखिम रहता है। दूसरी ओर डिजिटल रुपया सुरक्षित डिजिटल वॉलेट में रखा जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर उसे दूसरे व्यक्ति को तत्काल स्थानांतरित किया जा सकता है। इससे भुगतान प्रक्रिया अधिक सरल और सुविधाजनक बन सकती है। डिजिटल रुपया भारत की मौद्रिक व्यवस्था को भी नई दिशा दे सकता है। भविष्य में सरकार यदि किसी विशेष योजना का लाभ सीधे डिजिटल रुपये के माध्यम से देना चाहे, तो राशि सीधे लाभार्थी तक पहुँच सकती है। इससे मध्यस्थों की भूमिका कम होगी और पारदर्शिता बढ़ेगी। यद्यपि यह व्यवस्था भविष्य के लिए अनेक संभावनाएँ प्रस्तुत करती है, फिर भी इसे केवल तकनीकी उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। इसके सामाजिक, आर्थिक और कानूनी आयाम भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है—क्या डिजिटल रुपया नकदी का स्थान ले लेगा? उत्तर है—नहीं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने स्पष्ट किया है कि डिजिटल रुपया नकदी का पूरक होगा, तत्काल विकल्प नहीं। अर्थात नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार कागज़ के नोट और डिजिटल रुपया—दोनों का उपयोग कर सकेंगे। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अभी भी बड़ी आबादी नकदी पर निर्भर है। इसलिए अचानक नकदी समाप्त करने का प्रश्न ही नहीं उठता। यही संतुलित दृष्टिकोण इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता है। डिजिटल रुपया लागू करने के पीछे सरकार की व्यापक आर्थिक दृष्टि भी दिखाई देती है। यदि भविष्य में अर्थव्यवस्था का बड़ा भाग डिजिटल मुद्रा के माध्यम से संचालित होगा, तो भुगतान प्रणाली अधिक सुव्यवस्थित हो सकती है। सीमा-पार भुगतान तेज़ हो सकते हैं। सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक पारदर्शी हो सकता है। नकदी प्रबंधन की लागत कम हो सकती है तथा आधुनिक वित्तीय संरचना विकसित हो सकती है। लेकिन किसी भी नई व्यवस्था के साथ चुनौतियाँ भी आती हैं और डिजिटल रुपया भी इससे अलग नहीं है। लेकिन प्रत्येक तकनीकी परिवर्तन अपने साथ नई चुनौतियाँ भी लेकर आता है और डिजिटल रुपया भी इसका अपवाद नहीं है। यदि भविष्य में करोड़ों नागरिक इस व्यवस्था का उपयोग करेंगे, तो सबसे पहली आवश्यकता होगी—साइबर सुरक्षा। आज साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, डिजिटल ठगी और तकनीकी हमले विश्व के लगभग सभी देशों के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। इसलिए डिजिटल रुपया केवल तभी व्यापक विश्वास प्राप्त कर सकेगा, जब उसकी तकनीकी संरचना अत्यंत सुरक्षित, विश्वसनीय और निरंतर अद्यतन हो।

बेंगलूरु स्टार्टअप के फैसले ने छेड़ी बड़ी बहस

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

बेंगलूरु के एक स्टार्टअप के संस्थापक की ओर से उत्तर भारत के चार राज्यों, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और मध्य प्रदेश, के पुरुष उम्मीदवारों को नौकरी नहीं देने की घोषणा ने सोशल मीडिया पर तीखी बहस छेड़ दी है। मामला केवल एक कंपनी की भर्ती नीति तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि इसने रोजगार, क्षेत्रीय पहचान, व्यक्तिगत आचरण, महिला सुरक्षा और समान अवसर जैसे कई गंभीर सवालों को सामने ला दिया है। मीडिया में सामने आई जानकारी के अनुसार, 'ए. स्पोर्ट्स वर्ल्ड' के संस्थापक कार्तिक एसजी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पूर्व कर्मचारी के कथित दुर्व्यवहार और महिला सुरक्षा से जुड़ी घटना का हवाला देते हुए कहा है कि कंपनी ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और मध्य प्रदेश के उम्मीदवारों को नियुक्त नहीं करने का फैसला किया है। यह बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इस नीति को लेकर सवाल उठाए। विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि किसी एक व्यक्ति के कथित आचरण के आधार पर क्या उसके राज्य, क्षेत्र या समुदाय से जुड़े अन्य लोगों को भी नौकरी के अवसर से वंचित किया जा सकता है? दूसरी ओर, महिला सुरक्षा को लेकर किसी नियोक्ता की चिंता को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसलिए इस पूरे प्रकरण को भावनाओं के बजाय व्यक्ति बनाम पहचान के व्यापक प्रश्न के रूप में देखना जरूरी है। मान लीजिए किसी कंपनी में काम करने वाला कोई कर्मचारी अनुशासनहीनता करता है, किसी महिला सहकर्मी के साथ दुर्व्यवहार करता है या कार्यस्थल की मर्यादा का उल्लंघन करता है। ऐसी स्थिति में कंपनी को कार्रवाई का पूरा अधिकार है। जांच, चेतावनी, निलंबन, सेवा समाप्ति या आवश्यकता पड़ने पर कानून के अनुसार शिकायत, ये सभी रास्ते उपलब्ध हो सकते हैं। लेकिन यदि उस कर्मचारी के व्यवहार का संबंध उसके व्यक्तिगत आचरण से है, तो उसका दायरा उसी व्यक्ति तक सीमित रहना चाहिए। किसी व्यक्ति की गलती को उसके पूरे राज्य के लोगों के चरित्र का प्रमाण मान लेना एक अलग प्रकार का निष्कर्ष होगा। बिहार का कोई युवक केवल इसलिए अनुशासनहीन नहीं हो सकता है क्योंकि वह बिहार से आता है। उत्तर प्रदेश का कोई उम्मीदवार केवल अपने गृह राज्य के कारण महिला सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हो जाता है। इसी तरह राजस्थान या मध्य प्रदेश से आने वाला प्रत्येक पुरुष उम्मीदवार किसी दूसरे व्यक्ति के कथित व्यवहार के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकता है। व्यक्ति का मूल्यांकन उसके व्यवहार से होना चाहिए, उसकी जन्मभूमि से नहीं। यही वह बिंदु है जिसे सोशल मीडिया पर आलोचना करने वाले अनेक लोगों ने उठाया है। रोजगार की दुनिया में सामान्यतः किसी उम्मीदवार का मूल्यांकन उसकी शिक्षा, कौशल, अनुभव, कार्यक्षमता, संवाद क्षमता, पेशेवर व्यवहार और संबंधित नौकरी की आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है। किसी उम्मीदवार से पूछा जाता है कि उसने क्या पढ़ाई की है? उसे क्या काम आता है? उसका अनुभव कितना है? वह टीम में कैसे काम करता है? उसकी पेशेवर दक्षता क्या है? क्या वह कार्यस्थल की नीतियों का पालन करेगा? लेकिन यदि इन सवालों की जगह यह पूछ लिया जाए कि "आप किस राज्य से हैं?", तो भर्ती की प्रक्रिया का केंद्र योग्यता से हटकर पहचान बन सकता है। यह केवल एक कंपनी के लिए समस्या नहीं है। यदि ऐसी सोच सामान्य होने लगे, तो देश के भीतर रोजगार की आवाजाही पर भी असर पड़ सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा ही इस बात पर टिका है कि लोग अपने गृह राज्य से दूसरे राज्यों में जाकर काम करते हैं। कोई बिहार से बेंगलूरु जाता है, कोई उत्तर प्रदेश से मुंबई, कोई राजस्थान से दिल्ली, कोई मध्य प्रदेश से पुणे और कोई कर्नाटक से हैदराबाद जाकर नौकरी करता है। भारत की आर्थिक गतिशीलता का आधार ही श्रम और प्रतिभा की आवाजाही है। बेंगलूरु लंबे समय से भारत के प्रमुख तकनीकी और स्टार्टअप केंद्रों में गिना जाता है। यहां देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा शिक्षा और रोजगार के लिए आते हैं। आईटी कंपनियों से लेकर स्टार्टअप, ई-कॉमर्स, वित्तीय सेवाओं और अनुसंधान संस्थानों तक, बेंगलूरु की कार्य संस्कृति में विभिन्न राज्यों से आए लोगों की भागीदारी रही है। यही भारतीय महानगरों की विशेषता भी है। किसी शहर की आर्थिक शक्ति केवल वहां पैदा हुए लोगों से नहीं बनती है। दूसरे शहरों और राज्यों से आने वाले डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, तकनीकी विशेषज्ञ, श्रमिक, उद्यमी और सेवा क्षेत्र के कर्मचारी भी उसमें योगदान देते हैं। इसलिए किसी विशेष क्षेत्र से आने वाले लोगों के बारे में सामूहिक धारणा बनाना अंततः उसी महानगरीय व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है, जो विविध प्रतिभाओं से मजबूत होती है। इस पूरे विवाद में महिला सुरक्षा का प्रश्न सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। यह किसी भी संस्था की मूल जिम्मेदारियों में शामिल है। यदि किसी कर्मचारी के विरुद्ध दुर्व्यवहार की शिकायत आती है, तो उसे गंभीरता से लेना आवश्यक है। कंपनी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिकायत दर्ज कराने की स्पष्ट व्यवस्था हो, शिकायतकर्ता को प्रताड़ना का भय न हो, मामले की निष्पक्ष जांच हो, कार्यस्थल पर आचार संहिता स्पष्ट हो, कर्मचारियों को नियमित रूप से संवेदनशीलता और व्यवहार संबंधी प्रशिक्षण मिले, दोष सिद्ध होने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई हो और जरूरत पड़ने पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों से संपर्क किया जाए। लेकिन महिला सुरक्षा का सबसे प्रभावी रास्ता राज्यवार बहिष्कार नहीं, बल्कि मजबूत संस्थागत व्यवस्था है। क्योंकि किसी भी राज्य, शहर या समुदाय में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग हो सकते हैं। किसी क्षेत्र का पता व्यक्ति के चरित्र का प्रमाणपत्र नहीं होता है। सामाजिक जीवन में एक सामान्य सिद्धांत है कि व्यक्ति अपने कर्म के लिए जिम्मेदार होता है। यदि कोई व्यक्ति अपराध करता है तो कानून उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करता है। कानून यह नहीं कहता कि उसके गांव, जिले या राज्य के सभी लोगों को दोषी माना जाए। इसी प्रकार किसी कार्यालय में एक कर्मचारी नियम तोड़ता है तो उस कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई होती है। पूरी टीम को दोषी नहीं माना जाता है। इसी तर्क को रोजगार पर भी लागू किया जा सकता है। यदि किसी पूर्व कर्मचारी के खिलाफ गंभीर शिकायत है, तो उस मामले की जांच होनी चाहिए। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन उससे यह निष्कर्ष निकालना कि उसी राज्य के सभी पुरुष उम्मीदवार संभावित रूप से अनुपयुक्त हैं, एक अलग प्रकार का सामान्यीकरण होगा। यही कारण है कि सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि भर्ती का आधार योग्यता और आचरण होना चाहिए, जन्मस्थान नहीं। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने तर्क दिया है कि अपराध और दुर्व्यवहार किसी एक राज्य की विशेषता नहीं हैं। यदि किसी एक व्यक्ति के कथित व्यवहार के कारण उसके राज्य के लोगों को नौकरी से बाहर किया जाए, तो यही तर्क आगे बढ़ाते हुए किसी भी राज्य के लोगों को किसी घटना के आधार पर बाहर किया जा सकता है। यहीं से सवाल और गंभीर हो जाता है। यदि किसी एक राज्य के व्यक्ति ने गलती की तो क्या उस राज्य के लाखों लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? और यदि किसी दूसरे राज्य में ऐसी ही घटना सामने आए तो क्या वहां के लोगों पर भी समान प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए? यदि हर घटना के बाद किसी पूरे क्षेत्र को दोषी मानने की प्रवृत्ति बढ़ती गई, तो देश में रोजगार और सामाजिक संबंधों का क्या स्वरूप होगा? ये सवाल केवल इस मामले से जुड़े नहीं हैं। ये उस मानसिकता से जुड़े हैं जिसमें व्यक्ति की पहचान उसके व्यक्तिगत गुणों से पहले उसके भौगोलिक परिचय से तय होने लगती है। स्टार्टअप केवल एक कंपनी नहीं होता है। उसका संस्थापक संगठन की संस्कृति का निर्माण करता है। बड़ी कंपनियों में मानव संसाधन विभाग, कानूनी सलाहकार और निर्धारित प्रक्रियाएं होती हैं। छोटे स्टार्टअप में संस्थापक का व्यक्तिगत निर्णय कई बार पूरी संस्था की नीति बन जाता है। इसलिए संस्थापकों से अपेक्षा होती है कि वे कठिन परिस्थितियों में भी नीतिगत फैसले सावधानी से लें। यदि किसी कर्मचारी से जुड़ी गंभीर घटना हुई है, तो उसके बाद कंपनी को तत्काल सुरक्षा उपाय मजबूत करने चाहिए। भर्ती प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित किया जा सकता है। संदर्भ जांच, पृष्ठभूमि सत्यापन, पेशेवर संदर्भ, व्यवहार संबंधी प्रश्न और स्पष्ट कार्यस्थल नीति अपनाई जा सकती है। लेकिन किसी बड़े समूह को केवल उसके भौगोलिक मूल के आधार पर बाहर करना व्यापक सवाल पैदा करता है। किसी कंपनी को अपने कर्मचारियों की सुरक्षा और कार्यस्थल की संस्कृति को लेकर चिंता है तो उसके पास कई व्यावहारिक विकल्प हैं। उदाहरण के लिए पिछली कंपनी में उम्मीदवार का कार्य व्यवहार कैसा था, इसकी जानकारी ली जा सकती है। उम्मीदवार के पिछले रोजगार का सत्यापन किया जा सकता है। ज्वाइनिंग के समय कर्मचारी से कंपनी की आचार संहिता स्वीकार कराई जा सकती है। सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य कार्यस्थल व्यवहार प्रशिक्षण कराया जा सकता है। महिलाओं और अन्य कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और गोपनीय शिकायत प्रणाली बनाई जा सकती है। दुर्व्यवहार की स्थिति में स्पष्ट और समान नियम लागू किए जा सकते हैं। इन उपायों में एक महत्वपूर्ण बात समान है कि इनका केंद्र व्यक्ति का व्यवहार है, उसकी जन्मभूमि नहीं। भारत में क्षेत्रीय पहचान बहुत मजबूत है। लोग अपनी भाषा, भोजन, संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करते हैं। यह विविधता भारतीय समाज की विशेषता है। लेकिन यही पहचान यदि रोजगार या सामाजिक संबंधों में पूर्वाग्रह का आधार बन जाए तो समस्या पैदा हो सकती है। "वह बिहारी है", "वह यूपी का है", "वह राजस्थानी है" या "वह मध्य प्रदेश से है", इन परिचयों से व्यक्ति की पूरी प्रकृति तय नहीं की जा सकती है। एक ही राज्य में अलग-अलग विचार, संस्कार, शिक्षा, सामाजिक पृष्ठभूमि और व्यवहार वाले करोड़ों लोग रहते हैं। भौगोलिक पहचान व्यक्ति का परिचय हो सकती है, चरित्र का प्रमाण नहीं। इस विवाद में बिहार का नाम विशेष रूप से चर्चा में आया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में बिहार के लाखों लोग शिक्षा, व्यवसाय और रोजगार से जुड़े हैं। बिहार के युवाओं ने प्रशासन, न्यायपालिका, शिक्षा, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, आईटी, सेना, बैंकिंग, कारोबार और अन्य क्षेत्रों में अपनी जगह बनाई है। इसी तरह उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में लोग देश के विभिन्न हिस्सों में काम करते हैं। किसी राज्य के युवाओं के लिए यह स्वाभाविक रूप से असहज स्थिति हो सकती है यदि उन्हें केवल उनके गृह राज्य के कारण किसी अवसर से बाहर किया जाए। रोजगार पाने वाला युवा पहले उम्मीदवार होता है, उसके बाद किसी राज्य का निवासी। यहां एक महत्वपूर्ण कानूनी और नीतिगत अंतर समझना जरूरी है। निजी कंपनियों को अपने संगठन के लिए भर्ती मानदंड और आंतरिक नीतियां बनाने की काफी स्वतंत्रता होती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि हर प्रकार का भेदभाव स्वतः उचित या कानूनी हो जाता है। रोजगार संबंधी नियम, श्रम कानून, अनुबंध, कंपनी की नीतियां और परिस्थितियों के आधार पर किसी विशेष मामले का कानूनी मूल्यांकन अलग हो सकता है। इसलिए सोशल मीडिया पर किसी घटना को देखकर सीधे यह निष्कर्ष निकालना कि संबंधित नीति निश्चित रूप से कानूनन वैध या अवैध है, सावधानी के बिना उचित नहीं होगा। इस विवाद का नैतिक और सामाजिक प्रश्न हालांकि अलग है कि क्या किसी उम्मीदवार की व्यक्तिगत योग्यता और आचरण की जगह उसका राज्य प्राथमिक चयन मानदंड होना चाहिए? यही वह प्रश्न है जिस पर व्यापक बहस चल रही है। किसी कंपनी के लिए कर्मचारी सुरक्षा और संस्थागत भरोसा बेहद महत्वपूर्ण हैं। लेकिन भरोसा केवल प्रतिबंधों से नहीं बनता है। भरोसा तब बनता है जब कर्मचारियों को लगता है कि शिकायत सुनी जाएगी। जांच निष्पक्ष होगी। दोषी के खिलाफ कार्रवाई होगी। निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा और नियम सबके लिए समान होंगे। यदि कोई कंपनी महिला सुरक्षा के प्रति गंभीर है, तो उसे ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिसमें महिला कर्मचारी सुरक्षित महसूस करें और पुरुष कर्मचारियों को भी स्पष्ट रूप से पता हो कि कार्यस्थल पर स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार क्या है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में एसआईआर के तहत अब तक फॉर्म-6 के 6.22 लाख आवेदन प्राप्त, दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर, अंतिम मतदाता सूची 19 अक्टूबर को होगी प्रकाशित

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि में आवेदन प्राप्त करने का सिलसिला जारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी 28 सितंबर के बुलेटिन के अनुसार, अब तक फॉर्म-6 के माध्यम से कुल 6,22,522 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं, 27 सितंबर को अकेले 9,603 आवेदन मिले। बुलेटिन के अनुसार, फॉर्म-6ए के माध्यम से अब तक 102 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 27 सितंबर को दो आवेदन आए। वहीं, फॉर्म-7 के तहत कुल 11,487 आवेदन एवं आपत्तियां दर्ज की गई हैं। इनमें 27 सितंबर को प्राप्त 157 आवेदन शामिल हैं। इसी तरह फॉर्म-8 के माध्यम से अब तक 4,18,536 आवेदन प्राप्त हुए हैं। 27 सितंबर को इस श्रेणी में 8,936 आवेदन मिले। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, एसआईआर के तहत दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित है। इसके बाद 19 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। निर्वाचन कार्यालय ने मतदाताओं से निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक आवेदन एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अपील की है।

चुनाव आयोग के घेराव पर प्रतुल का कांग्रेस पर पलटवार, कहा- अपना इतिहास देखे पार्टी

रांची। झारखंड भाजपा के मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रांची में कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग के घेराव को संवैधानिक संस्था पर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश बताया है। उन्होंने कहा कि 26 सितंबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों की संयुक्त बैठक के बाद आयोग ने स्पष्ट किया था कि एसआईआर से जुड़े फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं। इसके बावजूद कांग्रेस तथ्यों का जवाब देने के बजाय सड़क पर उतरकर आयोग का घेराव कर रही है। प्रतुल ने कहा कि चुनाव आयोग पर सवाल उठाने से पहले कांग्रेस को अपना इतिहास देखना चाहिए। उन्होंने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एमएस गिल के कांग्रेस से राज्यसभा सांसद और केंद्रीय मंत्री बनने का जिक्र किया। साथ ही कहा कि नवीन चावला को हटाने की तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी की सिफारिश को यूपीए सरकार ने स्वीकार नहीं किया था और बाद में चावला मुख्य चुनाव आयुक्त बने। उन्होंने चावला के पारिवारिक ट्रस्ट को कांग्रेस सांसदों से चंदा मिलने के आरोपों का भी उल्लेख किया। भाजपा प्रवक्ता ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन को कांग्रेस की ओर से अहमदाबाद से चुनाव लड़ाने और 80 के दशक में आरवीएस शास्त्री के अधिकारों को सीमित करने के लिए उनकी इच्छा के विरुद्ध दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति किए जाने का भी आरोप लगाया।

एक मकान में 126 मतदाता मिलने पर भाजपा ने चुनाव आयोग से की जांच की मांग

रांची। झारखंड भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट-16 और महागामा-18 विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों में मतदाताओं की असामान्य वृद्धि को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत की है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर संबंधित मतदान केंद्रों पर दर्ज मतदाताओं का विशेष जांच कराने और उनके आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन करने की मांग की है। राकेश प्रसाद ने अपने पत्र में भाजपा दुमका जिला मंत्री रघुनाथ रजक की ओर से इस संबंध में दिए गए आवेदन का उल्लेख करते हुए कहा है कि एसआईआर जांच के दौरान पोड़ैयाहाट विधानसभा क्षेत्र के सरैयाहाट प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बाबूडीह उर्दू मतदान केंद्र संख्या-319 के अंतर्गत एक ही मकान में 126 मतदाता दर्ज पाए गए हैं। वहीं, 17 मकानों में कुल 793 मतदाताओं के रहने का उल्लेख किया गया है।

मुखर्जी की प्रतिमा पर कालिख पोतने वालों की जल्द हो गिरफ्तारी : आदित्य साहू

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने हरमू स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर कालिख पोतने और उसे क्षतिग्रस्त करने के प्रयास की निंदा की है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाएं राष्ट्रीय चेतना और गौरव का प्रतीक हैं। उनका अपमान किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस घटना से भाजपा कार्यकर्ताओं सहित आम लोगों में आक्रोश है। साहू ने कहा कि मामले को लेकर भाजपा नेताओं ने अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि घटना में शामिल लोगों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और असामाजिक तत्व महापुरुषों के सम्मान को भी निशाना बना रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो भाजपा सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन समर्पित किया। कश्मीर से धारा 370 हटाने का उनका सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पूरा हुआ। ऐसे महान राष्ट्रभक्त की प्रतिमा का अपमान शर्मनाक है।

मुख्य चुनाव आयुक्त की बर्खास्तगी की मांग को लेकर झामुमो का प्रदर्शन 30 को

रांची। चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। झामुमो रांची जिला समिति एवं रांची महानगर समिति के संयुक्त तत्वावधान में 30 सितंबर, बुधवार को सुबह 11 बजे लोकभवन के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कुछ फैसलों पर आयोग के अन्य दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू एवं विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कई बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई है। झामुमो ने आरोप लगाया कि अन्य चुनाव आयुक्तों की चिंताओं को दरकिनार कर मतदाता सूची के पुनरीक्षण और नियमों में एकतरफा बदलाव किए जा रहे हैं। पार्टी ने इसे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया है। प्रदर्शन के माध्यम से झामुमो मुख्य चुनाव आयुक्त की बर्खास्तगी की मांग करेगा। कार्यक्रम में केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के अलावा पार्टी के सांसद, विधायक, विभिन्न स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

चुनाव प्रक्रिया पर कांग्रेस के आरोपों पर बाबूलाल मरांडी का पलटवार, बोले- जनता को गुमराह कर रही कांग्रेस

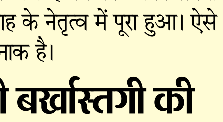

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने चुनाव प्रक्रिया को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस के आरोप कोई नए नहीं हैं। 2014 में सत्ता से बाहर होने के बाद से कांग्रेस लगातार अलग-अलग मुद्दों पर केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया को निशाना बनाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश में अराजकता का माहौल बनाने और मोदी सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। गिरिडीह में आयोजित प्रेस वार्ता में मरांडी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल कभी ईवीएम, कभी राफेल, कभी फोन टैपिंग तो अब वोट चोरी के मुद्दे पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन उनकी आधारहीन और तथ्यहीन बातों पर देश की जनता ने कभी विश्वास नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है, जबकि जनता अब सब समझ चुकी है।

घर में गिरने से टूटा कूल्हा, आयुष्मान से हुआ निशुल्क हिप रिप्लेसमेंट

» पोलियो ग्रसित मधुपुर के 70 वर्षीय मोगल रवानी का बाबा बैद्यनाथ हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन

न्यू सोच एक्सप्रेस

चकाई। चकाई प्रखंड अंतर्गत सहाना कॉलोनी स्थित बाबा बैद्यनाथ हॉस्पिटल चकाई में दूसरी बार सफलतापूर्वक हिप रिप्लेसमेंट किया गया. छह माह पूर्व घर में ही गिरने से झारखंड के मधुपुर स्थित कुशमाहा निवासी 70 वर्षीय मोगल रवानी का कूल्हा टूट गया था. हादसे के बाद वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गये पोलियो से ग्रसित होने के कारण उनकी परेशानी और बढ़ गयी परिजनों ने कई जगह इलाज कराया लेकिन कूल्हे के प्रत्यारोपण के लिए काफी खर्च बताया गया इसके बाद आयुष्मान भारत योजना के तहत निशुल्क इलाज की जानकारी मिलने पर परिजन उन्हें चकाई स्थित बाबा बैद्यनाथ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे अस्पताल में जांच के बाद आर्थोपेडिक्स सर्जन डॉ. चक्रवर्ती कुमार सिंह ने मरीज की स्थिति को देखते हुए टोटल हिप रिप्लेसमेंट की सलाह दी मरीज के पास आयुष्मान कार्ड होने के कारण परिजनों को ऑपरेशन में कोई खर्च नहीं लगने की जानकारी दी गयी इसके बाद रविवार की रात उनका ऑपरेशन किया गया करीब दो घंटे तक चले ऑपरेशन में डॉ. चक्रवर्ती कुमार सिंह के नेतृत्व में सफलतापूर्वक टोटल हिप रिप्लेसमेंट किया अस्पताल के अनुसार यह आर्थोपेडिक्स विभाग के जटिल ऑपरेशनों में से एक था मरीज की उम्र और पहले से पोलियो से ग्रसित होने के कारण ऑपरेशन में विशेष सावधानी बरती गयी ऑपरेशन के बाद मरीज चिकित्सकीय निगरानी में हैं रविवार रात ही ऑपरेशन होने के कारण अभी उन्हें चलाने का प्रयास नहीं किया गया है फिलहाल उनकी स्थिति ठीक बतायी गयी है वहीं बाबा बैद्यनाथ हॉस्पिटल में इसके पूर्व भी असहाना गांव के एक व्यक्ति का हिप रिप्लेसमेंट किया गया था जो बिल्कुल अब वह ठीक है और स्वस्थ होकर अपने दिनचर्या कर रहे हैंजटिल ऑपरेशन में शामिल था मामला : डॉ. चक्रवर्ती डॉ. चक्रवर्ती कुमार सिंह ने बताया कि कूल्हे की हड्डी टूटने के बाद मरीज को समय पर उचित उपचार मिलना जरूरी है मोगल रवानी की उम्र अधिक होने के साथ वह पहले से पोलियो से ग्रसित थे इसलिए ऑपरेशन के दौरान विशेष सावधानी बरती गयी करीब दो घंटे में टोटल हिप रिप्लेसमेंट सफलतापूर्वक किया गया उन्होंने बताया कि यह आर्थोपेडिक्स विभाग के जटिल ऑपरेशनों में से एक थाआयुष्मान भारत योजना के तहत जरूरतमंद मरीजों को ऐसे बड़े ऑपरेशन की सुविधा निशुल्क मिल रही है. फिलहाल मरीज की स्थिति ठीक है

झामुमो ने किया मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन, इस्तीफे की मांग

न्यू सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद उपजे विवाद के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) हजारीबाग जिला समिति ने रविवार को जिला परिषद चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। झामुमो कार्यकर्ताओं ने हीराबाग स्थित जिला कार्यालय से विरोध जुलूस निकाला और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और जनविश्वास बनाए रखने के लिए जवाबदेही तय होना आवश्यक है। जिला सचिव नीलकंठ महतो, केंद्रीय सदस्य गौरव पटेल और सुनील कुमार ने भी संबोधित करते हुए चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता की वकालत की। इस अवसर पर इज़हार अंसारी, यासीन खान, सोनाराम मांझी, विकास राणा, कुणाल यादव, सुनीता देवी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निर्वाचन आयोग के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के विरोध में सोमवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रांची स्थित निर्वाचन आयोग कार्यालय का घेराव किया। पुराना विधानसभा परिसर से निकले जुलूस में सैकड़ों कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर जुलूस सभा में तब्दील हो गया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एसआईआर और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर विपक्षी दलों और आम लोगों की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्वाचन आयोग संविधान और मतदाताओं के प्रति जवाबदेह है। कांग्रेस का संघर्ष लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए है। सभा को सह प्रभारी भूपेंद्र मरावी, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर समेत अन्य नेताओं ने संबोधित किया। नेताओं ने मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा उठ रहे सवालों का तथ्यात्मक जवाब देने की मांग की। कार्यक्रम के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और विशेष गहन पुनरीक्षण की स्वतंत्र एवं व्यापक समीक्षा की मांग की।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा के अपमान पर भाजपा ने दर्ज कराई प्राथमिकी

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। हरमू स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर कालिख पोतने, अभद्र टिप्पणी लिखने और क्षतिग्रस्त करने के मामले में झारखंड भाजपा ने अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस से अज्ञात असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान दीपक प्रकाश ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भाजपा के सैद्धांतिक अधिष्ठान के प्रणेता और जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष थे। उन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। उनकी प्रतिमा को अपमानित करने की घटना से भाजपा कार्यकर्ताओं को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया जा सकता है, लेकिन डॉ. मुखर्जी के विचारों को मिटाया नहीं जा सकता। दीपक प्रकाश ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो भाजपा इस घटना के खिलाफ आंदोलन करेगी। भाजपा के हरमू मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत यादव की ओर से भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और प्रिवेंशन ऑफ इन्सल्ट टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पार्टी ने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई तथा पार्क और प्रतिमा की समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, राकेश प्रसाद, महामंत्री गणेश मिश्रा, विधायक नवीन जायसवाल, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू समेत कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

अर्धवार्षिक परीक्षा में विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन, 95 प्रतिशत अभिभावक PTM में हुए शामिल

नई सोच एक्सप्रेस

मयूरहंड (चतरा)। ढोढी-मंधनियाँ स्थित सनराइज पब्लिक स्कूल में अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह एवं अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल हुए। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार करीब 95 प्रतिशत अभिभावकों ने बैठक में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान अर्धवार्षिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के परिणाम घोषित किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के नामों की घोषणा के साथ उन्हें बधाई दी गई। परीक्षा परिणाम देखकर विद्यार्थियों में उत्साह और अभिभावकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। अभिभावकों ने बच्चों के प्रदर्शन की जानकारी लेते हुए शिक्षकों से आगे की पढ़ाई को लेकर चर्चा की। **PTM में बच्चों की पढ़ाई पर हुई चर्चा:** अभिभावक-शिक्षक बैठक के दौरान बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित पढ़ाई, परीक्षा परिणाम और सुधार की जरूरत वाले विषयों पर विस्तार से बातचीत हुई। संबंधित शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। विद्यालय प्रबंधन की ओर से बताया गया कि बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यालय और अभिभावक के बीच बेहतर समन्वय से विद्यार्थियों की पढ़ाई में और सुधार लाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से PTM का आयोजन किया गया। **इन विद्यार्थियों ने हासिल किया बेहतर स्थान:** अर्धवार्षिक परीक्षा में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नर्सरी कक्षा में प्राणजीत मैग्ना ने प्रथम, सुशांत कुमार ने द्वितीय और उत्कर्ष कुमार शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। LKG में सूर्यकुमार यादव प्रथम, नंदनी कुमारी द्वितीय और अभिनव कुमार वर्मा तृतीय स्थान पर रहे। वहीं UKG में ऋषभ कुमार यादव ने प्रथम, गौरी कुमारी ने द्वितीय और चिराग प्रजापति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा एक में नैतिक वीर मेहता ने प्रथम, रुचिका कुमारी ने द्वितीय और एमडी हसन ने तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा दो में दिव्या कुमारी प्रथम, शमभवी कुमारी द्वितीय और आर्य राज तृतीय रहे। कक्षा तीन में करुणा कुमारी ने प्रथम, दिव्यांशु कुमार ने द्वितीय और ऋतिक कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा चार में संजना कुमारी प्रथम, कोमल कुमारी द्वितीय और सिद्धि कुमारी तृतीय रहीं। कक्षा पांच में परी विश्वकर्मा ने प्रथम, वंश राज ने द्वितीय और राजकुमार यादव ने तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा सात में रौनक कुमार यादव प्रथम, विराट राज वर्मा द्वितीय और दिव्या कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। **विद्यालय प्रबंधन ने दी बधाई:** अर्धवार्षिक परीक्षा में सफल एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को विद्यालय के संचालक राजेंद्र प्रसाद वर्मा एवं प्रधानाचार्य शंकर कुमार दांगी ने बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करने की बात कही। परीक्षा का सफल संचालन मुख्य निरीक्षक एवं विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक योगेश कुमार सिंह तथा उप-प्रधानाचार्या किरण कुमारी के मार्गदर्शन एवं देखरेख में किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने परीक्षा के सफल संचालन में सहयोग करने वाले सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में सनराइज पब्लिक स्कूल के समस्त शिक्षकगण एवं सनराइज एजुकेशनल ट्रस्ट के सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान अभिभावकों ने भी विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था एवं बच्चों की प्रगति को लेकर अपनी बातें रखीं। अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। विद्यालय परिवार की ओर से कहा गया कि विद्यार्थियों की निरंतर प्रगति के लिए पढ़ाई के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना की।

समय पर उपचार व टीकाकरण से रेबीज से बचाव संभव : विशेषज्ञ

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। विश्व रेबीज जागरूकता दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल, रांची में रेबीज की रोकथाम एवं बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पशु के काटने या खरोंचने के बाद तत्काल घाव को साबुन और बहते पानी से करीब 15 मिनट तक धोने तथा बिना देरी किए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने की सलाह दी। सिविल सर्जन डॉ. अमरेंद्र प्रसाद ने कहा कि रेबीज के लक्षण सामने आने के बाद बीमारी लगभग हमेशा जानलेवा होती है, लेकिन समय पर उचित उपचार और एंटी-रेबीज टीकाकरण से इससे बचाव संभव है। राष्ट्रीय रेबीज कंट्रोल प्रोग्राम के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल में 24 घंटे एंटी-रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी वैक्सीन की सुविधा दी जा रही है और इसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक पहुंचाने का प्रयास जारी है। राज्य महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण कर्ण ने बताया कि 22 से 28 सितंबर तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक रेबीज से होने वाली मौतों को समाप्त करना है। कार्यक्रम में पालतू पशुओं के नियमित टीकाकरण, पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (PEP) और जनजागरूकता पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर डॉ. राहुल किशोर, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. सैमसन टोप्पो, डॉ. बीएन चौरसिया, डॉ. प्रवीण कर्ण, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. राजीव भूषण सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे। जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

एसआईआर में दावा-आपत्ति के लिए अब सिर्फ दो दिन शेष, 30 सितंबर अंतिम तिथि पात्र नागरिक फॉर्म-6, 7 और 8 के माध्यम से करें आवेदन : के. रवि कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम पर आपत्ति दर्ज करने, नाम विलोपित कराने और विवरण में सुधार के लिए अब सिर्फ दो दिन शेष हैं। दावा-आपत्ति एवं आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी पात्र नागरिकों से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिन पात्र नागरिकों का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 और आवश्यक घोषणा पत्र ईसीआईनेट (ECINET) के माध्यम से अथवा संबंधित बीएलओ की सहायता से जमा कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपने परिवार, मित्रों और पड़ोसियों को भी आवेदन के प्रति जागरूक करने की अपील की, ताकि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। के. रवि कुमार ने बताया कि फॉर्म-7 के माध्यम से मतदाता सूची में दर्ज नाम को लेकर आपत्ति दर्ज की जा सकती है। हालांकि, केवल फॉर्म-7 जमा करने से किसी मतदाता का नाम स्वतः विलोपित नहीं होगा। निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच और सुनवाई के बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। वहीं, फॉर्म-8 के माध्यम से मतदाता सूची में दर्ज विवरण में सुधार, पते में परिवर्तन और नाम स्थानांतरित कराने के लिए आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने पात्र युवाओं से भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 भरने की अपील की। 30 सितंबर के बाद प्राप्त दावों एवं आपत्तियों के डिजिटाइजेशन, आवेदनों की जांच, आवश्यकतानुसार नोटिस जारी करने और सुनवाई की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ, बीएलए, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और निर्वाचन कर्मियों से अपने क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अब केवल दो दिन शेष हैं। इसलिए पात्र नागरिक जल्द आवेदन करें और दूसरों को भी जागरूक करें।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग उपायुक्त की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

हजारीबाग।समाहरणालय भवन में सोमवार को उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने आगामी धान अधिप्राप्ति (खरीद) की तैयारियां समय से पूरी करने का निर्देश दिया ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो। बैठक में नव निर्मित खाद्यान्न गोदामों में विद्युत कनेक्शन, सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा निर्माणाधीन गोदामों की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की गई। केरेडारी प्रखंड के पांडु और पाताल में गोदाम निर्माण के लिए भूमि उपलब्धता हेतु अंचलाधिकारी से समन्वय बनाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा सहकारी समितियों के निर्वाचन, अंकेक्षण तथा वित्तीय वर्ष 2023-27 तक के 500 एमटी क्षमता वाले गोदाम निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

हजारीबाग में कांग्रेस का प्रदर्शन, ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका; इस्तीफे की मांग

हजारीबाग।मतदाता अधिकारों की रक्षा और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर कांग्रेस ने हजारीबाग में आंबेडकर चौक से डीसी कार्यालय तक विरोध रैली निकाली और ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने कहा कि मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा उठाए गए 'वोट चोरी' के सवालों को नजरअंदाज किया गया, लेकिन SIR विवाद ने आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने CEC ज्ञानेश कुमार से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में जिला प्रभारी राजीव रंजन, जिलाध्यक्ष जयप्रकाश भाई पटेल, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव, अरुण साहू, परवेज अहमद सहित हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

उरीमारी सीसीएल क्षेत्र से 50 किलो तांबे के तार की चोरी, 7 अभियुक्त गिरफ्तार

हजारीबाग।उरीमारी सीसीएल क्षेत्र से बीते रात लगभग 50 किलोग्राम तांबे का तार चोरी करने के मामले में बड़कागांव थाना (उरीमारी ओपी) पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सिमरातरी निवासी अरुण महतो (45 वर्ष) तथा उरीमारी प्रेमनगर निवासी प्रकाश करमाली (22 वर्ष), राजेंद्र करमाली (31 वर्ष), सागर करमाली (32 वर्ष), मोहित करमाली (20 वर्ष), प्रताप करमाली (20 वर्ष) और संजय करमाली (37 वर्ष) को गिरफ्तार किया है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक, रबी फसल और पशुपालन सुविधाओं पर निर्देश

हजारीबाग।समाहरणालय भवन में सोमवार को उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कृषि, पशुपालन, आत्मा एवं मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उपायुक्त ने रबी फसल की तैयारियों को समयबद्ध पूरा करने और किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में बरही-चोरदाहा चेक पोस्ट पर वैध पशु व्यापारियों को अनावश्यक परेशानी से बचाने और प्रखंड पशुपालन अधिकारियों को नियमित ओपीडी संचालित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रखंड स्तरीय समितियों को सक्रिय करने तथा जिले में मृदा जांच प्रयोगशाला के निर्माण के लिए आपसी समन्वय से कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में युवक गिरफ्तार

» परिजनों ने पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाया, निष्पक्ष जांच की मांग

लावालौंग। थाना क्षेत्र के मदनडीह गांव निवासी राजकुमार पाण्डेय उर्फ राजू पाण्डेय, पिता सुरेश पाण्डेय, को नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की कार्रवाई के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। आरोपी के परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए थाना प्रभारी और एक अन्य व्यक्ति के बीच कथित मिलीभगत का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, नाबालिग की ओर से कुछ माह पूर्व चतरा न्यायालय में आवेदन देकर राजकुमार पाण्डेय के खिलाफ शिकायत की गई थी। इसके बाद करीब दो माह पूर्व लावालौंग थाना में भी आवेदन दिया गया था। इसी मामले में पुलिस ने रविवार को कार्रवाई करते हुए राजकुमार पाण्डेय को गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुराने विवाद से जोड़कर परिजनों ने उठाए सवाल राजकुमार के परिजनों का आरोप है कि करीब एक वर्ष पूर्व अनिल यादव, पिता किशुन यादव, पर उनकी बहू के साथ कथित छेड़छाड़ और फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप लगा था। इस संबंध में थाना में आवेदन दिए जाने तथा कार्रवाई के बाद अनिल यादव के जेल जाने का दावा परिजनों ने किया है। परिजनों का आरोप है कि जेल से बाहर आने के बाद अनिल यादव ने नाबालिग के माध्यम से राजकुमार पाण्डेय के खिलाफ मामला दर्ज करवाने में भूमिका निभाई। वहीं, राजकुमार के पिता का दावा है कि जिस दिन की घटना का आरोप लगाया गया है, उस दिन राजकुमार इटखोरी स्थित एक दुकान में काम कर रहा था। परिवार ने पुलिस से इस दावे की भी जांच कराने की मांग की है। **निष्पक्ष जांच की मांग:**परिजनों ने आरोप लगाया कि मामले से जुड़े पूर्ववर्ती घटनाक्रम और राजकुमार के कथित रूप से घटनास्थल पर मौजूद नहीं होने के दावे की जांच किए बिना कार्रवाई की गई। उन्होंने वरीय पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, सभी पक्षों के बयान दर्ज करने तथा उपलब्ध साक्ष्यों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई करने की मांग की है।

1980 से जारी है सार्वजनिक दुर्गा पूजा, नई कमेटी ने संभाली तैयारी

नई सोच एक्सप्रेस

» ढोढ़ी-मधनिया में पूजा को लेकर ग्रामीणों में उत्साह, विभिन्न गांवों ने चंदा देने पर जताई सहमति

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के ढोढ़ी-मधनिया गांव में वर्ष 1980 से लगातार सार्वजनिक रूप से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी पूजा को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह है। पूजा को भव्य और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने को लेकर ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से नई पूजा समिति का गठन किया गया। बैठक में सुभाष वर्मा को अध्यक्ष, गोपाल दांगी को सचिव तथा उमेश दांगी को कोषाध्यक्ष रंजन कुमार सिंह को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी। कमेटी में करीब 40 सक्रिय सदस्यों को शामिल किया गया है। पूजा की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गयी हैं। **कई गांवों ने चंदा देने पर जताई सहमति:**पूजा समिति की बैठक में चंदा संग्रह को लेकर भी चर्चा हुई। समिति के सदस्यों ने बताया कि पूर्व में कुछ गांवों से पूजा के लिए चंदा नहीं मिल पाता था। इस बार समिति के सदस्यों ने संबंधित गांवों में जाकर ग्रामीणों के साथ बैठक की और पूजा के आयोजन समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में ढोढ़ी-मधनिया, बेला, नदिया, बाराडीह, छगरिया समेत आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने पूजा के लिए सहयोग करने पर सहमति जतायी। समिति के सदस्यों ने कहा कि सभी गांवों के सहयोग से पूजा को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ भव्य रूप दिया जाएगा। **साफ-सफाई और मंदिर रंग-रोगन पर विशेष जोर:**पूजा को लेकर मंदिर परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंदिर के रंग-रोगन का कार्य भी कराया जा रहा है। पूजा पंडाल बनाने का काम शुरू हो गया है। समिति की ओर से पूजा स्थल को आकर्षक रूप देने की तैयारी की जा रही है। **अलग-अलग सदस्यों ने उठायी जिम्मेदारी:**पूजा को लेकर ग्रामीणों ने सामूहिक सहयोग की मिसाल पेश की है। प्रतिमा निर्माण की जिम्मेदारी बैजनाथ दांगी की पुत्री अंजू देवी की ओर से सहयोग के रूप में दी जाएगी। प्रतिमा डेकोरेशन का काम कामेश्वर दांगी करेंगे। कलश यात्रा का खर्च अश्वनी कुमार दांगी, पूजा सामग्री का खर्च गौतम सिंह, प्रसाद वितरण के लिए कारू ठाकुर 30 किलो प्रसाद, अखंड दीप ज्योति का खर्च शत्रुधन राणा की ओर से उठाया जाएगा। डांडिया कार्यक्रम के लिए सनराइज पब्लिक स्कूल के संचालक राजेंद्र वर्मा ने 5100 रुपये सहयोग देने की घोषणा की है। सरबत वितरण का खर्च अशोक दांगी उठाएंगे। वहीं बेला के अशोक दांगी की ओर से अग्रवस्त्र चढ़ावा की व्यवस्था की जाएगी। कन्या भोजन की जिम्मेदारी रामजीवन दांगी को दी गयी है। मंदिर के रंग-पेंट का कार्य आदित्य सोनी करेंगे। ब्राह्मण दक्षिणा के लिए सकलदेव दांगी ने 11 हजार रुपये देने की बात कही है। नवमी के दिन महाआरती का खर्च राजेंद्र दांगी, बाला चौक की ओर से किया जाएगा। दशमी के दिन जागरण की व्यवस्था में महाकाल वस्त्रालय, पप्पू दांगी, अरुण दांगी, अपनी मेडिकल क्लिनिक-दुकान के माध्यम से सहयोग करेंगे। वहीं मोबाइल दुकान संचालक रोशन कुमार दांगी समेत अन्य ग्रामीण भी सहयोग करेंगे। कलश यात्रा के दौरान फल वितरण की जिम्मेदारी दीपक दांगी को दी गयी है। प्रतिदिन प्रसाद वितरण की जिम्मेदारी अनिल दांगी को सौंपी गयी है। पूजा में पुजारी की व्यवस्था तालेश्वर दांगी करेंगे। **डांडिया कार्यक्रम की भी तैयारी:**दुर्गा पूजा के दौरान डांडिया कार्यक्रम को लेकर भी विशेष तैयारी की जा रही है। डांडिया प्रशिक्षण की जिम्मेदारी प्रेम कुमार राणा एवं नीरज कुमार वर्मा उर्फ मनोज वर्मा को दी गयी है। आसपास के गांवों की युवतियों और युवाओं के शामिल होने की संभावना है। **बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण रहे मौजूद:** बैठक में नवीन पांडेय, बैजनाथ दांगी, सर्जन दांगी, राजेंद्र दांगी, अमीर दांगी, भुनेश्वर दांगी, उप मुखिया उपेंद्र दांगी, सकलदेव दांगी, छोटी दांगी, नेमधारी यादव, बेचास दांगी, विकास पांडेय, पिंटू दांगी, कौशल सिंह, अरुण दांगी, किशोरी दांगी, रंजन सिंह, रामस्वरूप दांगी, अशोक दांगी, मनोज दांगी, बाबूलाल दांगी, परमानंद दांगी, बजरंगी यादव, सोनू कुमार, प्रभु ठाकुर, निर्मल दांगी, राजकुमार दांगी, प्रकाश दांगी, ललन दांगी, सियाराम दांगी, भुनेश्वर यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। समिति के सदस्यों ने कहा कि 1980 से चली आ रही सार्वजनिक दुर्गा पूजा की परंपरा को इस वर्ष भी पूरे उत्साह, सहयोग और भाईचारे के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

योगेन्द्र गोस्वामी को रेडिशन ब्लू में नेशनल लीडरशिप अवार्ड से किया गया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

» एक मिनट में 172 क्रिकेटरों के नाम बोलकर बना चुके हैं रिकॉर्ड, कई रिकार्ड बुक में है नाम दर्ज

गाजियाबाद।मोदीनगर तहसील क्षेत्र के गांव खिंदौड़ा निवासी होनहार युवक योगेन्द्र गोस्वामी को दिल्ली (द्वारका) सेक्टर 13 स्थित रेडिशन ब्लू में एनजीओ प्रेरणा संस्था के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में नेशनल लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम में देशभर से आई प्रतिभाओं ने अपने- अपने हुनर का मंच पर प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि योगेन्द्र गोस्वामी इससे पूर्व भी कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं। उन्हें बॉलीवुड अभिनेता सुप्रिया शुक्ला व राकेश बेदी के हाथों सम्मान प्राप्त हो चुका है, वहीं कई क्रिकेट खिलाड़ियों के हाथों भी वह सम्मान पा चुके है। योगेन्द्र गोस्वामी ने एक मिनट में 172 क्रिकेट खिलाड़ियों के नाम फ्राटेदार बोलकर एक अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसके चलते उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। उनकी इस अद्भुत प्रतिभा के कारण उन्हें देशभर में आयोजित विभिन्न टैलेंट अवार्ड शो एवं कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए लगातार आमंत्रित किया जाता रहा है। गोस्वामी ने विभिन्न टेलेंट शो में अपनी कला का जौहर दिखाया है कई टीवी रियल्टी शो में भी वह ऑडिशन दे चुके है। योगेन्द्र गोस्वामी इन दिनों मुरादनगर जीएमएस हॉस्पिटल में कार्यरत है। उन्होंने पूर्व में कई डिस्ट्रीक लेवल व रणजी ट्रॉफी के मैच में भी कमेंट्री की है और वह वर्तमान में गाजियाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के मेंबर भी है। उनकीइस उपलब्धि से न केवल खिंदौड़ा गांव बल्कि पूरे मोदीनगर क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है।

जोगियारा में दो बाइक की आमने-सामने टक्कर, दो लोग घायल

नई सोच एक्सप्रेस

प्रतापपुर (चतरा)।प्रतापपुर थाना क्षेत्र के जोगियारा में सोमवार को दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। घायलों की पहचान हिडिया गांव निवासी रोहित बिरहोर और प्रतापपुर अस्पताल में कार्यरत लैब टेक्नीशियन परवेज आलम के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, लैब टेक्नीशियन परवेज आलम किसी निजी काम से प्रतापपुर से चतरा की ओर जा रहे थे। वहीं रोहित बिरहोर भी चतरा की ओर से अपने घर हिडिया लौट रहे थे। इसी दौरान जोगियारा के समीप दोनों की बाइक आमने-सामने टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद जोगियारा के स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय लोगों की तत्परता से समय रहते घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। हादसे के बाद कुछ देर के लिए घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय स्तर पर मामले की चर्चा होने लगी।

(EMERGE 2026) सफलतापूर्वक संपन्न; चेन्नई की पर्यटक ने लकी ड्रॉ में जीती कार

नई सोच एक्सप्रेस

श्रीनगर।EMERGE 2026 — Connecting J&K का श्रीनगर में सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस तीन दिवसीय आयोजन में उद्यमियों, स्टार्टअप्स, व्यवसायों, उद्योग जगत से जुड़े हितधारकों, कारीगरों, नवप्रवर्तकों और व्यापक कारोबारी समुदाय के सदस्यों ने एक साझा मंच पर भाग लिया। जम्मू-कश्मीर में व्यवसायिक नेटवर्किंग, उद्यमिता, नवाचार, प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विभिन्न हितधारकों के बीच सार्थक संवाद को बढ़ावा देने वाले इस आयोजन को गुजरात सरकार और जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें कश्मीर पर्यटन विभाग और कश्मीर विश्वविद्यालय का भी सहयोग रहा। इस आयोजन को फोस्टर ग्रुप के श्री इमरान शाह की परिकल्पना और प्रयासों से भी महत्वपूर्ण गति मिली। उन्होंने कश्मीर घाटी के युवा और उभरते उद्यमियों के लिए एक ऐसा मंच तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहाँ उन्हें अपने विचार प्रस्तुत करने, उद्योग जगत के नेताओं से जुड़ने तथा विकास और सहयोग के नए अवसर तलाशने का अवसर मिला। इस आयोजन का उद्देश्य नए अवसरों का सृजन करना, उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और जम्मू-कश्मीर के कारोबारी एवं व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना था। EMERGE 2026 का एक प्रमुख आकर्षण लकी ड्रॉ रहा, जिसे Arise Hyundai द्वारा प्रायोजित किया गया था। इसके तहत कार्यक्रम में शामिल एक आगंतुक को विशेष पुरस्कार के रूप में कार प्रदान की गई। लकी ड्रॉ में चेन्नई की श्रीमती अक्सा खान विजेता बनीं। मीडिया से बातचीत करते हुए Arise Hyundai के प्रबंध निदेशक श्री उमर बेग ने आयोजन के परिणाम पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया कि लकी ड्रॉ विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हुआ। उन्होंने कहा, "विश्व पर्यटन दिवस के दिन कश्मीर घूमने आई एक पर्यटक का लकी ड्रॉ जीतना विशेष रूप से खुशी की बात है। हमें बहुत खुशी है कि चेन्नई की श्रीमती अक्सा खान अपनी कश्मीर यात्रा की एक यादगार निशानी के रूप में कार अपने साथ ले जाएंगी। यह एक सुखद संयोग है और इस अवसर को और भी खास बनाता है।" श्री बेग ने आगे कहा कि Arise Hyundai कश्मीर के लोगों और युवा उद्यमियों की आकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "Arise Hyundai में हम हमेशा कश्मीर के लोगों और उन युवा उद्यमियों का समर्थन करने के लिए तत्पर रहते हैं, जिनमें सपने देखने का साहस और उन सपनों को हकीकत में बदलने का दृढ़ संकल्प है। हमारा मानना है कि EMERGE जैसे आयोजन युवाओं और व्यवसायों को एक-दूसरे से जुड़ने, आगे बढ़ने और अपने विचारों को आगे ले जाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं।" आयोजकों ने गुजरात सरकार, जम्मू-कश्मीर सरकार एवं केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन, कश्मीर पर्यटन विभाग और कश्मीर विश्वविद्यालय के साथ-साथ सभी भाग लेने वाले व्यवसायों, प्रदर्शकों, प्रायोजकों, साझेदारों, आगंतुकों, कलाकारों, मीडिया संस्थानों और अन्य हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इनके बहुमूल्य सहयोग और भागीदारी ने EMERGE 2026 के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल में हुआ। इस आयोजन ने सहयोग, उद्यमिता, पर्यटन और नवाचार की उस भावना को प्रदर्शित किया, जो जम्मू-कश्मीर के उभरते हुए कारोबारी एवं व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र को लगातार आकार दे रही है।

प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता पहुँचे चतरा, अपर समाहर्ता कार्यालय का किया निरीक्षण, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।उत्तरी छोटा नागपुर परमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता एकदिवसीय दौरे पर चतरा पहुंचे। इस दौरान परिसदन आगमन पर उपायुक्त रवि आनंद ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत प्रमंडलीय आयुक्त ने समाहरणालय स्थित अपर समाहर्ता कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में संचालित विभिन्न शाखाओं एवं कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने आपदा प्रबंधन से संबंधित मामले, लीज बंदोबस्ती, विकास कार्यों के लिए भू-हस्तांतरण, राजस्व न्यायालय में लंबित वाद, रेवेन्यू कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (RCMS), सूचना का अधिकार अधिनियम से संबंधित मामले सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों की प्रगति एवं निष्पादन की स्थिति की जानकारी ली। प्रमंडलीय आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारी से लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए लंबे समय से लंबित वादों एवं मामलों का नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व से संबंधित मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब न हो तथा अभिलेखों का संधारण एवं कार्यालयीन कार्य निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने अपर समाहर्ता अरविंद कुमार को अपने अधीनस्थ अंचल कार्यालयों एवं हल्का कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करने के साथ-साथ औचक निरीक्षण भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यालयों में संचालित कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए लंबित मामलों की समीक्षा करने तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आपदा प्रबंधन, राजस्व एवं भू-हस्तांतरण से संबंधित मामलों के निष्पादन में विशेष सतर्कता बरतने तथा सभी अभिलेखों को अद्यतन रखने पर भी जोर दिया। साथ ही, RCMS एवं सूचना का अधिकार अधिनियम से संबंधित मामलों के समयबद्ध निष्पादन एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रमंडलीय आयुक्त ने कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने तथा आमजनों से संबंधित मामलों के निष्पादन में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

करम महोत्सव में सुदेश महतो ने कलाकारों के साथ किया नृत्य, झारखंडी संस्कृति को संजोने का दिया संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

ओरमांझी।दड़दाग स्थित अंचल मैदान में आयोजित करम महोत्सव-2026 में झारखंडी संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कलाकारों के साथ नृत्य कर करम पर्व की खुशियों में सहभागिता की। मांदर की थाप, नगाड़े की गूंज और पारंपरिक लोकगीतों ने पूरे माहौल को झारखंडी रंग में रंग दिया। इस अवसर पर सुदेश महतो ने कहा कि प्रकृति, परंपरा, लोकगीत और नृत्य झारखंड की सांस्कृतिक विरासत की जीवंत पहचान हैं। आधुनिक वाद्य यंत्रों के बीच भी मांदर की थाप, नगाड़े की गूंज और ढोल की आवाज का अपना अलग महत्व है। हमारी लोकसंस्कृति की खूबसूरती है कि यहां हर बोली में संगीत और हर चाल में नृत्य बसता है। उन्होंने कहा कि करम पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आस्था, सामाजिक एकजुटता और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर है। अपनी लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। झारखंड की पहचान उसकी मिट्टी, बोली, गीत, नृत्य और पर्व-त्योहारों से है, जिसे संरक्षित करने की जरूरत है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद रामटहल चौधरी उपस्थित रहे। महोत्सव में हजारों की संख्या में कलाकारों, कलाप्रेमियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। आयोजन की सफलता में समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय गणमान्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

95 बटालियन सीआरपीएफ ने चलाया बृहद स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।95 बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट के दिशा-निर्देश में एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के सहयोग से श्री अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय शिवपुर वाराणसी में सामूहिक पौधारोपण अभियान चलाया गया | यह आयोजन सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं गंगा हरितिमा अभियान (उत्तर प्रदेश) के ब्रांड एंबेसडर अनिल कुमार सिंह की अगुवाई में संपन्न हुआ | कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रवि कुमार सिंह आइएफएस (सीएफ वन विभाग) ने आश्रम में उपस्थित लोगों को एक-एक पौधा लगाने की जिम्मेदारी दी और खुद एक पेड़ मां के नाम लगाकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी पूरे काशीवासी एवं देशवासियों की है इसके बिना स्वस्थ जीवन संभव नहीं है कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे हैं पर्यावरणविद अनिल कुमार सिंह ने पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई | अध्यक्षता कर रहे 95 बटालियन के कमांडेंट राजेश्वर एस. बालापुरकर ने इस मुहीम में जन- जन को जुड़ने का आवाहन किया उपस्थित सभी सम्मानित जनों, समाजसेवियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया | संस्था के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने आश्रम को खूबसूरत एवं हरा -भरा बनाने के लिए फलदार पौधों के साथ-साथ फूलों के पौधे भी लगवाए | कार्यक्रम में पूज्य शंकर पुरी जी महाराज पीठाधीश्वर एवं महंत श्री अन्नपूर्णा मठ मंदिर वाराणसी, विवेक भारती जी महाराज श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी शिवाला घाट वाराणसी,निधि चौहान आइएफएस (डीएफओ वाराणसी),राजेश्वर एस. बालापुरकर कमांडेंट 95 बटालियन सीआरपीएफ आशीष कुमार चौहान एनडीआरएफ वाराणसी,परमानंद सिंह उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं पंचम मंडल वाराणसी और सम्मानित व्यक्तियों एवं निरीक्षक निरंजन कुमार सिंह,दशरथ गोंड के साथ सीआरपीएफ एवं एनडीआरएफ के जवान भारी तादाद में उपस्थित रहे ||

आगरा मंडल में पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच एवं विशेष सफाई-कीटाणुशोधन अभियान जारी

नई सोच एक्सप्रेस

आगरा /वाराणसी।यात्रियों एवं रेलवे कर्मचारियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगरा मंडल द्वारा पेयजल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी एवं जांच की जा रही है | मंडल रेल प्रबंधक आगरा गगन गोयल के निर्देशन में स्वास्थ्य निरीक्षकों (सीएचआइ) एवं आइओडब्लू के समन्वय से पेयजल व्यवस्था की स्वच्छता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष ड्राइव चलाई जा रही है | इस विशेष अभियान के अंतर्गत पेयजल बूथों,प्लेटफॉर्मों,वाटर कूलरों,आरओ सिस्टम तथा पानी की टंकियों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है | साथ ही पेयजल के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की जा रही है तथा आवश्यकता के अनुसार सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है जल नमूनों की जांच प्रक्रिया वर्तमान में जारी है | जल गुणवत्ता की निगरानी के दौरान यदि किसी प्रकार की कमी पाई जाती है तो उसे त्वरित सुधार के लिए संबंधित इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रिकल विभागों को भेजा जाता है ताकि आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा सके | मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर मासिक आधार पर तथा अन्य स्टेशनों पर प्रत्येक छह माह में बैक्टीरियोलॉजिकल परीक्षण कराया जा रहा है इसके अतिरिक्त,पेयजल व्यवस्था की स्वच्छता को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से आगरा मंडल में 20 अगस्त 2026 से विशेष सफाई एवं कीटाणुशोधन अभियान चलाया जा रहा है | इस अभियान के अंतर्गत ओवरहेड,भूमिगत एवं पीवीसी पानी की टंकियों की नियमित सफाई एवं कीटाणुशोधन का कार्य किया जा रहा है | सीएचआइ एवं आइओडब्लू की संयुक्त निगरानी में चल रहे इस अभियान के दौरान पेयजल स्त्रोतों,जल भंडारण टंकियों तथा अन्य पेयजल सुविधाओं की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है | आगरा मंडल द्वारा नियमित जल गुणवत्ता परीक्षण,पेयजल सुविधाओं की निगरानी तथा पानी की टंकियों की सफाई एवं कीटाणुशोधन के माध्यम से यात्रियों एवं रेलवे कर्मचारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ||

संक्षिप्त समाचार

नाबालिगों की सोशल मीडिया पहुंच पर भारतीय कानून लागू कराने पर सुप्रीम कोर्ट का जोर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य डिजिटल मध्यस्थों के लिए ऐसे वैधानिक नियम बनाने की संभावना पर विचार करने को कहा है, जिनके तहत नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन अनिवार्य हो। अदालत ने विशेष रूप से 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से स्वतंत्र रूप से अनुबंध करने के मुद्दे पर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की जरूरत बताई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल हैं, ने जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि व्यवस्था केवल दिशानिर्देश तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि मध्यस्थता नियमों के तहत इसे वैधानिक स्वरूप देने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का सॉफ्टवेयर और संचालन भारतीय कानूनों के अनुरूप होना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि सरकार इस मुद्दे की जांच कर आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के प्रावधानों का भी उल्लेख किया। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता एच.एस. फुल्का ने कहा कि संबंधित प्रावधान 2027 में लागू होने हैं और तब तक बच्चों की सुरक्षा के लिए मौजूदा कानूनों के तहत कदम उठाए जा सकते हैं। याचिका में ऑनलाइन यौन शोषण, ट्रैफिकिंग, सेक्सटॉर्शन, निजी डेटा के दुरुपयोग और साइबर बुलिंग जैसे जोखिमों से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय लागू करने की मांग की गई है।

वैश्य समाज के लोगों की बात सुनने उनके दरवाजे तक पहुंचा संगठन : राजेश सिंगला

कुरुक्षेत्र।अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने कहा कि संगठन ने प्रदेशभर में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर समाज के लोगों के विचार, समस्याएं और सुझाव सीधे सुने हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश को आठ जोन में बांटकर तीन-तीन जिलों के लोगों के साथ बैठकें की गईं और जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित किया गया। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य अपनी बात सुनाना नहीं, बल्कि समाज की बात सुनकर उसे संगठन के एजेंडे में शामिल करना है। संवाद कार्यक्रमों में महिलाओं, युवाओं और स्थानीय नेताओं ने भी खुलकर अपनी बात रखी। प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा कि बैठकों में वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी, चुनाव में टिकट तथा आर्थिक चुनौतियों जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। राजेश सिंगला ने कहा कि संवाद कार्यक्रमों में सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी रही। बैठकों में भविष्य में विधानसभा स्तर पर भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर समाज को और संगठित करने का सुझाव दिया गया।

नेपाल बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए फुटबॉल मैदान में जुटे दिग्गज, सुदेश महतो हुए शामिल

सिलीगुड़ी। नेपाल के बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता और पुनर्वास के उद्देश्य से सुकना ग्राउंड में 'प्ले फॉर नेपाल' चैरिटी फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। कंचनजंघा टूरिज्म फेस्टिवल 2026 के तहत आयोजित इस मैच में झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा सांसद जयंतो रॉय ने किया। इस दौरान नेपाल के चीफ कमिश्नर भी मौजूद रहे। मैच में भारतीय फुटबॉल के दिग्गज पद्मश्री बाइचुंग भूटिया समेत कई नामचीन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें अजय सिंह, जोस रामिरेज वैरेटो, मंजीत सिंह, अल्बर्टो डिकोना, मेहताब हुसैन, मोहम्मद नबी, संग्राम और असीम विश्वास शामिल थे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य नेपाल के बाढ़ प्रभावित परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करना और उनके पुनर्वास के लिए आर्थिक सहयोग जुटाना था। मैच से प्राप्त राशि बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास कार्यों में देने की पहल की गई। इस अवसर पर सुदेश महतो की उपस्थिति ने आयोजन में झारखंड की भागीदारी को भी रेखांकित किया। फुटबॉल के माध्यम से आयोजित इस पहल ने खेल के साथ मानवता और सामाजिक सहयोग का संदेश दिया।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर कायस्थ महासभा ने दी श्रद्धांजलि

बरेली। शहीद भगत सिंह की 119 वीं जयंती पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने शांतनु सक्सेना के निवास पर एक गोष्ठी आयोजित की जिसमें भगत सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए और उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। विकल्प सक्सेना और अनूप सक्सेना ने आजादी में उनके योगदान की चर्चा की और युवाओं से उनके इतिहास को पढ़ने को कहा । इस अवसर पर अश्विनी कमठान, राजेश सक्सेना पन्नू ज्वैलर्स, सुनील सक्सेना मिलन, रवि सक्सेना, अनूप सक्सेना, शांतनु सक्सेना, शैलेन्द्र सक्सेना शैलू, आदित्य सक्सेना हनी, विकास सक्सेना नीटू, अभिषेक नाथ, राजीव सक्सेना आदि उपस्थित थे।

61,221 सीपीआर संकल्पों के साथ अपोलो हॉस्पिटल्स के "माइ हैंड्स आर रेडी" अभियान ने विश्व रिकॉर्ड बनाया, करिश्मा कपूर की विशेष उपस्थिति

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई द्वारा 'सीपीआर संकल्प अभियान' की शुरुआत की गई थी. 8 जुलाई से 7 अगस्त 2026 तक संचालित इस आंदोलन का उद्देश्य 50,000 लोगों को यह संकल्प लेने के लिए एकजुट करना था कि वे सीपीआर सीखेंगे और पेशेवर चिकित्सा सहायता पहुँचने से पहले के महत्वपूर्ण क्षणों में प्रतिक्रिया देने के लिए बेहतर ढंग से तैयार रहेंगे. नवी मुंबई ने न केवल इस लक्ष्य को पार किया, बल्कि आपातस्थिति के लिए तैयार रहने की एक सामूहिक प्रतिबद्धता में पूरे शहर के लोगों को एकजुट किया. स्कूलों, कॉलेजों, कार्यस्थलों और सामुदायिक संगठनों सहित 120 से अधिक संस्थानों ने इस पहल में भाग लिया, जिसमें छात्र, शिक्षक, स्वास्थ्य सेवा पेशेवर, कर्मचारी, परिवार और समुदाय के सदस्य एक साथ आए. इस पहल का उद्देश्य लोगों को मेडिकल इमरजेंसी में अधिक तैयार और सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित करना था. अभियान के दौरान, 61,221 लोगों ने सीपीआर सीखने का संकल्प लिया, जिससे एक साधारण आह्वान एक व्यापक सामुदायिक आंदोलन में बदल गया. इस महीने भर चले आंदोलन का समापन तब हुआ जब गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड की कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. प्रीथा रेड्डी और अभिनेत्री करिश्मा कपूर की उपस्थिति में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई को 'एक महीने में सीपीआर सीखने के लिए सबसे अधिक संकल्प प्राप्त करने' के रेकॉर्ड धारक के रूप में आधिकारिक मान्यता दी. **अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड की कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. प्रीथा रेड्डी ने कहाः** "दस वर्षों से नवी मुंबई ने हम पर विश्वास जताकर हमें सम्मानित किया है. आज, 61,000 से अधिक लोगों ने सीपीआर सीखने का संकल्प लिया है, जो हमें एक साझा उद्देश्य से एकजुट समुदाय की असाधारण शक्ति की याद दिलाता है. यही 'माइ हैंड्स आर रेडी' के पीछे की प्रेरणा है— यह एक ऐसा आंदोलन है जो पूरे भारत में आम नागरिकों के हाथों में जीवन रक्षक ज्ञान पहुँचाने का प्रयास करता है." इस अभियान का विशाल पैमाना भारत में सीपीआर ज्ञान और कार्रवाई के बीच के एक बड़े अंतर का जवाब है. भारत में हर साल 7,00,000 से अधिक लोगों की अचानक कार्डियक अरेस्ट से मृत्यु होने का अनुमान है, जबकि अध्ययनों से पता चलता है कि अस्पताल से बाहर कार्डियक अरेस्ट के मामलों में केवल 1.3% से 9.8% मरीज़ों को ही आसपास मौजूद लोगों द्वारा सीपीआर मिल पाता है. शहरी आबादी में, केवल 2% से 6.5% आम लोगों के ही सीपीआर करने में सक्षम होने की रिपोर्ट है, और अस्पताल से बाहर कार्डियक अरेस्ट के बाद जीवित रहकर डिस्चार्ज होने की दर 2% से 3% से कम बनी हुई है. ये आंकड़े प्रोफेशनल मदद पहुँचने से पहले आम नागरिकों को कार्य करने के लिए सक्षम बनाने के महत्व को सामने रखते हैं. "माइ हैंड्स आर रेडी" के माध्यम से, अपोलो हॉस्पिटल्स मदद करने की इच्छा को सही समय पर सही कदम उठाने के आत्मविश्वास और तैयारी में बदलने में मदद कर रहा है. **अपोलो हॉस्पिटल्स - पश्चिमी क्षेत्र, के क्षेत्रीय सीईओ श्री अरुणेश पुनेथा ने कहाः** "हम इस संदेश को पूरे भारत के लोगों को सीपीआर सीखने और तब प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं जब किसी का जीवन पास खड़े लोगों पर निर्भर हो. यह अभियान आम लोगों को किसी अन्य जीवन बचाने हेतु आगे आने का साहस देने की प्रेरणा देता है." अपोलो हॉस्पिटल्स, पश्चिमी क्षेत्र रीजनल डायरेक्टर - इमरजेंसी डॉ. नितिन जगेशिया ने कहाः "जब कोई हृदय संबंधी आपात स्थिति होती है, तो घटनास्थल पर मौजूद पहला व्यक्ति अक्सर कोई स्वास्थ्य सेवा पेशेवर नहीं, बल्कि परिवार का कोई सदस्य, सहकर्मी, मित्र या राहगीर होता है. आपात स्थिति को पहचानना और सीपीआर शुरू करना तब बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है जब पेशेवर मदद रास्ते में हो. इस अभियान ने हजारों लोगों को वह ज्ञान प्राप्त करने की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया है."

'वेडिंग सिग्नेचर' कलेक्शन ने "वन वेडिंग, मेनी स्टोरीज" कैंपेन पेश किया

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।आज की आधुनिक भारतीय दुल्हन अपनी परंपराओं से जुड़े रहने के साथ-साथ अपनी एक अलग पहचान भी बनाना चाहती है इसी बात को मद्देनजर रखते हुए तनिष्क के वेडिंग ज्वेलरी सब-ब्रांड 'रिवाह बाए तनिष्क' ने 'वेडिंग सिग्नेचर्स' लॉन्च किया है। यह कलेक्शन छह अलग-अलग भारतीय समुदायों के लिए पूरा ब्राइडल ज्वेलरी ट्रूसो पेश करता है। शादी की तैयारियों के 8 से 12 महीनों के दौरान, डेस्टिनेशन, वेन्यू, फंक्शन्स, फैशन, फोटोग्राफी, डेकोर, ब्यूटी और ज्वेलरी से जुड़े कई फैसले दुल्हन खुद लेती है, जो मिलकर उसकी शादी को एक खास रूप देते हैं। 'वेडिंग सिग्नेचर्स' इसी जरूरत को पूरा करता है, जिसके तहत शादी की हर रस्म और जश्न के लिए ज्वेलरी का एक पूरा वॉर्डरोब तैयार किया गया है। यह कैंपेन में डेस्टिनेशन, फोटोग्राफी और फिल्म के माध्यम से पूरे वेडिंग इकोसिस्टम को शामिल किया गया है। मशहूर वेडिंग फोटोग्राफर जोसफ राधिक ने जयपुर के प्रतिष्ठित ताज जय महल पैलेस में चुनिंदा ब्राइडल लुक्स को अपने लेंस से खूबसूरती से उतारा है। दक्षिण भारतीय बाजार के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन रिवाह का चेहरा बनी हैं। यह कैंपेन आभूषणों को शादी के माहौल, परिवेश और कहानियों के साथ खूबसूरती से जोड़ता है। इससे इस पूरे कलेक्शन के इर्द-गिर्द उत्सव का एक शानदार नजारा देखने को मिलता है। पेल्की त्शेरिंग, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, तनिष्क ने कहा,"रिवाह में हमारा मानना है कि हर दुल्हन अपनी शादी को एक अनोखे और खास तरीके से संवारती है। आज दुल्हनें अपनी शादी के हर फैसले बहुत सोच-समझकर ले रही हैं। डेस्टिनेशन और फंक्शन्स से लेकर फैशन, फोटोग्राफी और ज्वेलरी तक, उनका हर एक चुनाव उनकी सपनों की शादी को सच करने में मदद करता है। हम ब्राइडल ज्वेलरी को लेकर अपने नजरिए में इसी बदलाव को दिखाना चाहते थे। 'वेडिंग सिग्नेचर्स' के तहत सात अलग-अलग भारतीय दुल्हन लुक्स के लिए ज्वेलरी का एक सम्पूर्ण वार्डरोब पेश किया गया है। इसमें शादी के सफर की हर अलग रस्म और मौके के मुताबिक आभूषण डिजाइन किए गए हैं। अपने कैंपेन 'वन वेडिंग। मेनी स्टोरीज।' के जरिए हम इस कलेक्शन को डेस्टिनेशन, फोटोग्राफी और फिल्म के एक बड़े दायरे से जोड़ रहे हैं। इसका उद्देश्य दुल्हन की पसंद को केंद्र में रखकर शादी के उत्सव को और भी खास बनाना है।"

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

पातेपुर।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और दो चुनाव आयुक्तों द्वारा दर्ज आपत्तियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को पातेपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे और मांगों से संबंधित पोस्टर लेकर विरोध जताया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजीत पंडित ने कहा कि चुनाव आयोग से जुड़े सवालों का पारदर्शी तरीके से समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा नहीं देते, आंदोलन जारी रहेगा। प्रदेश प्रतिनिधि तारक चौधरी, वरिष्ठ नेता पारस चौधरी और प्रखंड अध्यक्ष मो. अनवारूल हक ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची के एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर स्पष्टता की मांग की। प्रदर्शन में बिपिन कुमार सिंह, उत्तम कुमार ठाकुर, चंदन झा, अभिषेक कुमार समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

पितृपक्ष में सेवा,पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा का संदेश,भू देवश्री चैरिटेबल ट्रस्ट ने 'एक पेड़ पितरों के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।पितृपक्ष के पावन अवसर पर भू देवश्री चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा जीव-जंतुओं के प्रति करुणा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन अन्नपूर्णा गुरुकुल शिवपुर में किया गया | कार्यक्रम के अंतर्गत बटुकों एवं जरूरतमंदों को मिष्ठान्न वितरित किया गया तथा उन्हें भोजन कराया गया साथ ही "एक पेड़ पितरों के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया गया | गौसेवा के उद्देश्य से गायों को हरा चारा भी खिलाया गया | इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पितरों के प्रति श्रद्धा अर्पित करते हुए समाज में सेवा,पर्यावरण संरक्षण तथा जीव-जंतुओं के प्रति करुणा की भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया | कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने और सामाजिक सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संदेश दिया गया | भू देवश्री चैरिटेबल ट्रस्ट ने सभी सहयोगियों,कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया उनके सहयोग एवं सहभागिता से यह सेवा तथा पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ||

» पितरों को किया नमन,बटुकों-जरूरतमंदों को भोजन व गायों को खिलाया हरा चारा

अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रोटोकॉल ने एच पी बॉयज एवं तारा गर्ल्स हॉस्टल के अनियमिता के लिये जारी किया नोटिस

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रोटोकॉल ने एच पी बॉयज हॉस्टल एवं तारा गर्ल्स हॉस्टल के अवैध हॉस्टल संचालन के खिलाफ शक्त रूख अख्तियार करते हुये नोटिस जारी कर पांच दिन के अंदर अग्नि समन सुरक्षा की एनओसी एवं विकास प्राधिकरण द्वारा पास मानचित्र सहित हास्टल संचालन के सभी आवश्यक दस्तावेज अपर मजिस्ट्रेट प्रोटोकॉल कार्यालय मे उपस्थित होकर पांच दिन में उपलब्ध कराये अन्यथा हास्टल बंद कर अवैध हॉस्टल संचालन के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई होगी | ज्ञातव्य हो कि 21 सितम्बर 2026 को शिकायतकर्ता अजीत सिंह राजपूत द्वारा एचपी बॉयज हॉस्टल एवं तारा गर्ल्स हॉस्टल रश्मि नगर कॉलोनी लंका के अवैध संचालन के संबंध में जिलाधिकारी वाराणसी के यहां शिकायत किया गया था कार्यवाही के क्रम में जिलाधिकारी वाराणसी द्वारा उपाध्यक्ष वाराणसी विकास विकास प्राधिकरण वाराणसी व डीसीपी काशी जोन को पत्र व दूरभाष के जरिए अवगत कराया गया | उक्त के क्रम में फायर विभाग भेलूपुर एफएसओ द्वारा मौके का स्थल निरीक्षण किया गया जिसमें पाया गया कि हॉस्टल में फायर सुरक्षा मानक की खुली अवहेलना किया गया है हॉस्टल संचालक के पास फायर की एनओसी नहीं था और नहीं फायर विभाग द्वारा रजिस्टर्ड था 24 सितम्बर 2026 को एडीएम प्रोटोकॉल महोदय के यहां से सराय एक्ट के तहत उपरोक्त हास्टल संचालक को नोटिस भी तामिल कराय गया है ||

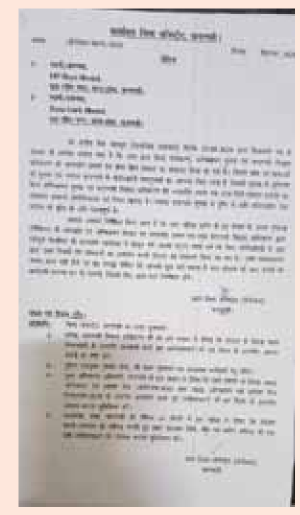

» एच पी बॉयज हॉस्टल एवं तारा गर्ल्स हॉस्टल के खिलाफ प्रशासन का रूख शक्त,अवैध हॉस्टल संचालन हेतु जारी हुई नोटिस

संक्षिप्त समाचार

चेन छिनतई एवं चोरी के मामले में सात अभियुक्त गिरफ्तार

दानापुर। रुपसपुर थाना क्षेत्र से चेन छिनतई एवं चोरी के मामले 7 अभियुक्तों को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रूपसपुर थानाध्यक्ष शशि भूषण कुमार सिंह ने बताया कि राहगीर से चेन छिनतई के मामले में फरार अभियुक्त शाहपुर थाना क्षेत्र के भगवतीपुर निवासी रोहित कुमार को डीपीएस स्कूल के पास से गिरफ्तार किया गया है। वही चोरी संबंधित मामले में प्राथमिकी अभियुक्त खरंजा दानापुर का विकास कुमार, नया टोला का धीरज कुमार, आनंद बाजार का राहुल कुमार, गोरा बाजार दानापुर कैंट का रहने वाला जीवा कुमार, तारा चक का राहुल कुमार एवं बिजली कुमारी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से गोला रोड स्थित सोनू मार्केट के पास से चोरी हुए ऑटो को बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी आरोपितों पर कानूनी कार्रवाई कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है

संपूर्ण क्षेत्रव्यापी अभियान में व्यापक कार्रवाई, 47,958 वाहनों की जांच, 750 से अधिक गिरफ्तारियाँ

पटना। प्रधान सचिव, गृह विभाग के निर्देश के आलोक में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण तथा संवेदनशील आपराधिक गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई के उद्देश्य से 27 सितंबर 2026 को बिहार पुलिस, रेल पुलिस तथा मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो द्वारा संपूर्ण क्षेत्रव्यापी अभियान (Full Field Day Drive) चलाया गया। जिलों में पुलिस अधीक्षक तथा एसडीपीओ के नेतृत्व में रात्रि 09:00 से 10:00 के बीच एक घंटे तक चले इस विशेष समकालीन अभियान के दौरान राज्यभर में व्यापक गश्ती कर त्वरित कार्रवाई की गई। विशेष अभियान के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों पटना, नालंदा, गयाजी, औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद, अरवल, रोहतास, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर, मोतिहारी, बेतिया, बगहा, सारण, सीवान सहित अन्य जिलों में वाहन जांच, गिरफ्तारी, वारंट निष्पादन तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जिला पुलिस के द्वारा संपूर्ण क्षेत्रव्यापी अभियान के दौरान 47,718 वाहनों की जांच की गई तथा 3,660 वाहनों से कुल 56,00,054 रुपये की शमन राशि वसूल की गई। कार्रवाई के दौरान 110 वाहन जब्त किए गए। साथ ही 736 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा 116 वारंटियों की गिरफ्तारी की गई। शराब के नशे में पाए गए 29 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध शराब एवं मादक पदार्थ बरामद किए गए। इसमें 1,169.63 लीटर देशी शराब, 3,482.482 लीटर विदेशी शराब, 216 ग्राम स्मैक, 3.17 ग्राम हेरोइन तथा 3.37 किलोग्राम गांजा शामिल है। इसके अतिरिक्त 04 आर्म्स, 01 कारतूस, 54 मोबाइल फोन तथा 9,31,500 रुपये नकद भी बरामद किए गए।

वरिष्ठ अधिवक्ता स्व. विजय प्रताप मिश्र की 11वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

विजय प्रताप मिश्र की पुण्यतिथि

बांसगांव। वरिष्ठ अधिवक्ता स्व. विजय प्रताप मिश्र की 11वीं पुण्यतिथि सोमवार को पितृ पक्ष की द्वितीया तिथि पर श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाई गई। उनके पुत्र दुर्गेश मिश्र एवं गिरजेश मिश्र ने विधि-विधान से श्राद्ध एवं तर्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद ब्राह्मणों को भोजन कराया गया। परिजनों एवं शुभचिंतकों ने स्व. मिश्र के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उपस्थित लोगों ने उनके न्यायप्रिय, निष्पक्ष, निष्ठावान एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्तित्व को याद किया। वे बांसगांव तहसील क्षेत्र के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा कौड़ीराम विकासखंड के सुमही गांव के निवासी थे। उनके पुत्र एवं पत्रकार दुर्गेश मिश्र ने कहा कि पिता के आदर्श और संस्कार ही उनके जीवन की दिशा हैं। उनके बताए सिद्धांतों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर परिजन, अधिवक्ता समाज के सदस्य, रिश्तेदार एवं शुभचिंतक मौजूद रहे।

हत्या और डकैती के मामले में NBW वारंटी गिरफ्तार

पुनपुन। पुनपुन थाना क्षेत्र के केवड़ा ओपी अंतर्गत पुलिस ने हत्या के साथ डकैती के मामले में एनबीडब्ल्यू (NBW) वारंटी अभियुक्त बुलाकी राय उर्फ सुरेन्द्र यादव को विधिवत गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान हरिनंदन यादव के पुत्र बुलाकी राय उर्फ सुरेन्द्र यादव, निवासी पोठही, थाना केवड़ा ओपी, पुनपुन, जिला पटना के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, अभियुक्त हत्या के साथ डकैती के मामले में वारंटी था। पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इंटर्नशिप के नाम पर किसी को एक रुपया न दें : प्रेम कुमार

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम कुमार ने छात्र-छात्राओं से इंटर्नशिप के नाम पर फर्जी प्रमाणपत्र खरीदने से बचने और किसी को भी पैसे नहीं देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन की ओर से इंटर्नशिप पूरी तरह निःशुल्क कराई जा रही है। प्रेम कुमार ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इंटर्नशिप अनिवार्य होने का लाभ उठाकर कुछ महाविद्यालयों के प्राचार्य और एनजीओ की मिलीभगत से बिना प्रशिक्षण के प्रमाणपत्र दिए जा रहे हैं। उन्होंने इसे विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बताया। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा 12वीं पास, स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए 120 घंटे की निःशुल्क इंटर्नशिप कराई जा रही है। इसमें पत्रकारिता, सोशल वर्क, पर्यावरण, सोशल मीडिया, इवेंट मैनेजमेंट और सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार का व्यावहारिक अनुभव दिया जाएगा। इच्छुक युवा 9934085354 पर संपर्क कर सकते हैं।

बाल दुर्व्यवहार व अधिकारों पर छात्राओं को किया जागरूक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।ऑल इंडिया वीमेंस कॉन्फ्रेंस (AIWC) बिहार राज्य शाखा की ओर से राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, लोक भवन, पटना में बाल दुर्व्यवहार एवं बाल अधिकार विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, बाल अधिकार और POCSO अधिनियम-2012 के प्रावधानों की जानकारी देना था। कार्यक्रम की शुरुआत 'आप किसके साथ सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं?' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता से हुई। इसमें कक्षा पांच से आठ तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. बिंदा सिंह ने बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान के बारे में जानकारी दी। वहीं गृह विभाग, बिहार सरकार की विधि पदाधिकारी मेहा वर्मा ने बाल अधिकारों और POCSO अधिनियम के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति के माध्यम से भी बच्चों को बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। मौके पर डॉ. आशा त्रिपाठी, डॉ. मानसी पाण्डेय, चंदा राव, छाया चौबे और रीता सिंह सहित AIWC की अन्य सदस्य मौजूद रहीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की।

चौथी राजा कर्ण बिहार स्टेट तीरंदाजी चैम्पियनशिप लक्ष्य2026 के दूसरे दिन भी गया जी के खिलाड़ी छाए रहे

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार में तीरंदाजी की नई प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से 27 से 29 सितंबर तक पाटलिपुत्र खेल परिसर पटना में आयोजित चौथी राजा कर्ण बिहार स्टेट तीरंदाजी चैम्पियनशिप लक्ष्य 2026 के दूसरे दिन आज बिहार के कई जिलों से आए खिलाड़ियों ने अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया।आज दूसरे दिन की प्रतिस्पधार्ओं के परिणाम की जानकारी देते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्रण शंकरण ने बताया कि आज भी पूरी प्रतियोगिता में गया जी के खिलाड़ी छाए रहे। विभिन्न आयुवर्ग में आये परिणाम में अंडर 13 बालक- इंडियन राउंड में श्रींजय नारायण प्रथम, आयुष कुमार द्वितीय, पुरुषोत्तम शर्मा तृतीय रहे जबकि बालिका वर्ग में वैष्णवी करण प्रथम, अभिलाषा कुमारी द्वितीय तथा अनन्या केशरी तृतीय रहे। रिकर्व राउंड बालक में अथर्व सम्राट प्रथम ,अश्विन कुमार द्वितीय तथा नचिकेता सिंह तृतीय स्थान पर रहे जबकि बालिका वर्ग में आराध्या भारती प्रथम,गार्गी सिन्हा द्वितीय तथा हर्षिका रानी तृतीय स्थान पर रही। इसके अलावा कम्पाउंड राउंड बालक में अयान राज प्रथम,आदित्य राज द्वितीय तथा रॉक सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

नाईट ब्लड सर्वे के सफल संपादन के लिए ब्लाक कोआर्डिनेशन कमिटी का बैठक का हुआ आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। माइक्रो फाइलेरिया की प्रसार दर का पता लगाने के लिए जिला के चयनित प्रखंडों में नाईट ब्लड सर्वे कराया जाना प्रस्तावित है। जिला के पुनपुन प्रखंड में यह कार्यक्रम 5,7 एवं 9 अक्टूबर को कराया जाना तय किया गया है। इसी क्रम में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में प्रखंड कार्यालय में ब्लाक कोआर्डिनेशन कमिटी की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. उदय कुमार, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार,प्रखंड की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी वाशु श्री, बीएचएम राहुल सत्यार्थी, बीसीएम कुंदन कुमार, सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि तथा सीएचओ की अध्यक्षता वाले रोगी हितधारक मंच के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि फाइलेरिया के परजीवी की पहचान करना काफी मुश्किल होता है। स्लाइड में लिए ब्लड को माइक्रोस्कोप में देखने के बाद ही फाइलेरिया के परजीवी धागे के समान दिखाई देते हैं और यह परजीवी मुख्यतः रातों में ही सक्रिय होते हैं। उन्होंने बताया कि नाईट ब्लड सर्वे के दौरान रक्त के सैंपल रात 10 से 12 बजे तक लिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी आपसी सहयोग से सर्वे को सफलतापूर्वक संपादित करें। वहीं मसौढ़ी प्रखंड में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामानुजम सिंह की अध्यक्षता में ब्लाक कोआर्डिनेशन कमिटी की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बताया गया कि आगामी 5 अक्टूबर से प्रखंड में नाईट ब्लड सर्वे किया जाएगा। बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के साथ बीएचएम ललन कुमार, बीसीएम राकेश कुमार, दिग्विजय, जीविका प्रतिनिधि एवं सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामानुजम सिंह ने कहा कि माइक्रो फाइलेरिया दर जानने के लिए प्रखंड में नाईट ब्लड सर्वे संपादित किया जाना है। उन्होंने कहा कि प्रखंड में सर्वे गाइडलाइन के अनुसार रात 10 से 12 बजे तक किया जाएगा और रक्त के सैंपल इकठ्ठा किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी आपसी सहयोग से सर्वे को सफलतापूर्वक संपादित करें।

सिंगापुर में वैज्ञानिक डॉ. कृष्णा सिंह से मिले बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ0 प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने अध्ययन दौरे के क्रम में सिंगापुर पहुंचकर सिंगापुर की राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने मूल रूप से बिहार के निवासी एवं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. कृष्णा सिंह से मुलाकात की। डॉ. कृष्णा सिंह ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे अपने नवीनतम शोध एवं अनुसंधान कार्यों से माननीय अध्यक्ष को अवगत कराया। इस अवसर पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नवाचार एवं भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

अधूरे पड़े नाला व सड़क निर्माण की मांग को लेकर लोगों ने किया सड़क जाम एवं प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। नासरीगंज के बिस्कुट फैक्टरी रोड में अधूरे पड़े नाला व सड़क निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने दानापुर-गांधी मैदान मुख्य मार्ग जाम कर सड़क पर आगजनी कर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्य सड़क पर आवागमन पूरी तरह ठप पड़ गया और वाहनों की लंबी लंबी कतार लग गई। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया गया बिस्कुट फैक्ट्री मार्ग पर बुडको के द्वारा नाला निर्माण कराया जा रहा। जो अधुरा पड़ा हुआ है। जगह जगह खुदाई कर उसे छोड़ दिया गया है। जिसके कारण सड़क एवं घरों में नाले का गंदा बह रहा है। बच्चे व बुढ़े बीमार पड़ रहे हैं। इसके अलावा जर्जर सड़क पर जलजमाव कीचड़ से लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने जल्द से जल्द नाला निर्माण कार्य पुरा कराने व सड़क निर्माण की मांग की है। वही सड़क जाम की सुचना पर पर पहुंची स्थानीय पुलिस व अंचलाधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता एवं नगर प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया और सड़क जाम को खुलवाया। अंचलाधिकारी ने बताया कि बुडको द्वारा नाला का निर्माण कराया जा रहा है। सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण है, जिस कारण बुडको नाला नहीं बना पा रहा है। उनका प्रयास रहेगा कि अतिक्रमण को जल्द हटा अधुरे पड़े नाला का निर्माण कराया जाएगा। नाला बनने के बाद ही जलजमाव की समस्या से स्थायी राहत मिल सकेगी।

मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में मनाई गई भगत सिंह की जयंती

नई सोच एक्सप्रेस

परबत्ता। खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में सोमवार को शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने किया। प्रधानाध्यापक ने कहा कि भगत सिंह महान क्रांतिकारी होने के साथ अच्छे वक्ता, पाठक और लेखक भी थे। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने भगत सिंह के जीवन, विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगत सिंह देशप्रेम और साहस की प्रेरणा हैं। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से सीख लेने का आह्वान किया गया। मौके पर शिक्षक रामलाल पंडित, रामविनोद साह, मीनाक्षी कुमारी, उत्कर्ष कुमार समेत अन्य शिक्षक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

इमारत शरिया संस्था को बचाने के लिए मैं अपनी आवाज बुलंद करता रहूंगा:-फैसल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।इमारत शरिया बचाओ अभियान के प्रदेश संयोजक फैसल अहमद ने कहा कि इमारत शरिया एक प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था है जिसका हम सभी सम्मान करते हैं। लेकिन ऐसे भ्रष्टाचारी जो इमारत शरिया की आर में रहकर अपना तथा अपने परिवार के सदस्यों को करोड़पति बनाया एवं राशि का दुरुपयोग करते हुए विदेशी यात्रा कर मौज मस्ती किया जो उच्च स्तरीय जांच का विषय है। विदेश से रहमानी 30 कोचिंग संस्था पटना को फंडिंग होना यह संदेहात्मक है। इमारत शरिया की सम्मान को बचाने के लिए हमारा अभियान और प्रदर्शन जारी रहेगा, रोज नए-नए खुलासा करूंगा जो जनहित में है। भ्रष्टाचार के मामले पर फर्जी धर्मगुरु फैसल रहमानी एवं फहद रहमानी को अपना पक्ष आवाम के बीच में रखनी चाहिए। बिहार,झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल के मुसलमान इमारत शरिया फुलवारीशरीफ को लोग अपना धार्मिक केंद्र मानते हैं। लेकिन फैसल रहमानी एवं फहद रहमानी के द्वारा लाखों करोड़ों मुसलमान को ठगा गया है। इमारत शरिया फुलवारीशरीफ में अभी के ऐसे लोग हैं जो चंदा के पैसे से अपना घर जायदाद एवं परिवार चला रहे हैं इनका भी कुंडली जल्द ही खोलूंगा। ऐसे लोग फैसल रहमानी एवं फहद रहमानी को अपना आका समझते हैं लेकिन ऐसे आका भ्रष्टाचार पर अपना पक्ष रखें। पटना एवं मुंगेर में बैठकर फैसल रहमानी एवं फहद रहमानी के द्वारा चक्रव्यूह रचा जा रहा है कि हमें कैसे कंट्रोल किया जाए लेकिन हमने अपने शरीयत तथा अपने समाज को बचाने के लिए आवाज बुलंद किया है जो आगे भी जारी रहेगा। जब तक फैसल रहमानी तथा फहद रहमानी पर बड़ी कार्रवाई नहीं हो जाती है हमारे द्वारा खुलासा दिन-दिन होता रहेगा क्योंकि इन लोगों ने चक्रव्यूह रचना शुरू कर दिया है और बचने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। मैं अवाम को बताना चाहता हूं कि ऐसे शैतान से बचकर कर रहे जो शैतान खुद एवं अपने परिवार के सदस्यों का विकास किया है। इमारत शरिया फुलवारीशरीफ के इमारत पर यहूदी एवं शैतान ने कब्जा कर रखा है ऐसे लोगों से इमारत को बचाया जाएगा। फैसल रहमानी तथा फहद रहमानी हम पर फर्जी केस करने कि कोशिश कर रहे हैं तथा कुछ सबूत हमारे हाथ लगे हैं जिसका खुलासा जल्द से जल्द करूंगा कि यह लोग फर्जी केस किस तरह करते हैं तथा पैसों का दुरुपयोग किस तरह करते हैं जो जांच का विषय है।

उर्वरक के साथ जबरन अन्य उत्पाद की टैगिंग की शिकायत पर होगी कड़ी कार्रवाई : मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» एफओपी व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, रिटेलर प्वाइंट तक उर्वरक पहुँचाना कंपनियों की जिम्मेदारी

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य में किसानों को उर्वरक की सुचारू एवं ससमय उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक कंपनियों एवं कृषि विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी स्तर से रिटेलर प्वाइंट तक उर्वरक की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा जिला एवं प्रखंड स्तर पर इसकी नियमित एवं प्रभावी निगरानी हो। उर्वरक आपूर्ति व्यवस्था में स्पष्ट जवाबदेही तय करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरक कंपनियों की जिम्मेदारी है कि वे एफओपी व्यवस्था के तहत उर्वरक को निर्धारित थोक विक्रेता/रिटेलर प्वाइंट तक ससमय पहुँचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कंपनी स्तर से रिटेलर प्वाइंट तक उर्वरक की आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए तथा निर्धारित प्रक्रिया एवं आपूर्ति व्यवस्था का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। जिला कृषि पदाधिकारी अपने जिले में इसकी नियमित जाँच एवं निगरानी करते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि एफओपी व्यवस्था के तहत उर्वरक निर्धारित रिटेलर प्वाइंट तक ससमय पहुँच रहा है तथा आपूर्ति व्यवस्था के अनुपालन में किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।कृषि मंत्री ने निदेश दिया कि उर्वरक के साथ किसी अन्य उत्पाद की अनिवार्य टैगिंग अथवा उसकी खरीद के लिए किसानों, थोक विक्रेताओं एवं रिटेलरों पर किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जाए। जिला कृषि पदाधिकारी अपने-अपने जिले में इसकी नियमित निगरानी एवं जाँच सुनिश्चित करेंगे। यदि किसी उर्वरक कंपनी द्वारा उर्वरक के साथ किसी अन्य उत्पाद की अनिवार्य टैगिंग अथवा उसकी खरीद के लिए दबाव बनाए जाने की शिकायत अथवा सूचना प्राप्त होती है, तो जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा मामले की तत्काल जाँच कर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि उर्वरक के अवैध भंडारण एवं अनधिकृत गोदामों के संबंध में जिला एवं प्रखंड स्तर पर नियमित रूप से जाँच एवं निगरानी सुनिश्चित की जाए। जिला कृषि पदाधिकारी एवं प्रखंड कृषि पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आवश्यक जाँच एवं निगरानी के उपरांत इस आशय का शपथ-पत्र दें कि उनके अधीन क्षेत्र में कोई अवैध उर्वरक गोदाम संचालित नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों को ससमय एवं उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक समय पर और निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध हो।

पितृपक्ष में गयाजी का महत्व केवल धार्मिक नहीं, सनातन संस्कृति की वैश्विक पहचान से जुड़ा है : डॉ. संतोष सुमन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि पितृपक्ष में गयाजी का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति की उस महान परंपरा का प्रतीक है, जिसकी पहचान देश-दुनिया में है। फल्गु नदी के तट पर पिंडदान और तर्पण की परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है। देश के अलग-अलग राज्यों के साथ विदेशों से भी श्रद्धालु अपने पितरों के प्रति श्रद्धा और मोक्ष की कामना लेकर गयाजी पहुंचते हैं। गयाजी की धरती हमारी सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और पितृ ऋण की भावना को एक साथ अभिव्यक्त करती है। इसलिए पितृपक्ष गयाजी के लिए ही नहीं, पूरे बिहार के लिए गौरव का अवसर है।डॉ. सुमन ने कहा कि गयाजी की इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्ता को दुनिया के सामने और व्यापक रूप से स्थापित करने की आवश्यकता है। पितृपक्ष के दौरान देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालु बिहार की संस्कृति और आतिथ्य के भी दूत बनकर लौटते हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पेयजल और यातायात की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं हो तथा आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि गयाजी को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक एवं धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में निरंतर प्रयास होना चाहिए। गयाजी की पहचान केवल एक तीर्थस्थल के रूप में नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और पितृ परंपरा की विश्वव्यापी विरासत के रूप में हो—यह हम सभी का संकल्प होना चाहिए।

लस्ट स्टोरीज़ 3 के पिता-बेटी वाले सीन ने छू लिया अदिति राव हैदरी का दिल

बोलीं- यह मेरे लिए बहुत भावुक था

अ अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज़ 3 को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। वह बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। क्योंकि हर कोई कहता है, 'ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है। लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है। यह हमें अपने होने का एक ऐसा एहसास देता है, जो पूरी तरह हमारा है। मुझे जिंदगी में यह बात हमेशा बहुत खूबसूरत लगती है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ जब उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था। इस बार अदिति राव हैदरी ने वासना, चाहत और महिला सुख की पूरी भावनात्मक दुनिया को छूते हुए महिला होने की एक सटीक तस्वीर पेश की है। सायरा के किरदार और अदिति के बीच एक साफ जुड़ाव नजर आता है और यही कनेक्शन इस किरदार को और भी प्रभावशाली बनाता है।

नजरें मिलेंगी..लेकिन हटेंगी नहीं

लव एंड वॉर से विक्की कौशल का फर्स्ट लुक आउट, फुल स्वैग में दिखे एक्टर

सं संजय लीला भंसाली हीरामंडी के बाद अब फिल्म लव एंड वॉर से धमाका करने जा रहे हैं. फिल्म साल 2027 के पहले ही महीने में रिलीज होने जा रही है. इससे पहले फिल्म की लीड स्टारकास्ट के एक के बाद एक फर्स्ट लुक सामने आ रहे हैं. बीते दिनों रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के फिल्म से फर्स्ट लुक सामने आए थे, जिन्होंने इंटरनेट पर धमाका मचाया हुआ है. विक्की कौशल का भी फर्स्ट लुक सामने आ चुका है. भंसाली प्रोडक्शन ने फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया है. मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर विक्की कौशल का फर्स्ट लुक शेयर किया है. विक्की कौशल अपने फर्स्ट लुक में दमदार लग रहे हैं. विक्की कौशल का लव एंड वॉर से फर्स्ट लुक शेयर कर भंसाली प्रोडक्शन ने लिखा है, नजरें मिलेंगी, लेकिन हटेंगी नहीं. विक्की कौशल के फर्स्ट लुक की बात करें तो वह पूरी स्वैग में नजर आ रहे हैं. उन्होंने मुंह में सिगरेट दबाई हुई और लाइटर से जलाते दिख रहे हैं. विक्की की आंखें बता रही हैं कि उनका किरदार एक अलग ही शेड में नजर आने वाला है. विक्की कौशल के फर्स्ट लुक पर सेलेब्स के रिएक्शन भी आने शुरू हो गये हैं. आलिया भट्ट ने विक्की कौशल के फर्स्ट लुक पर कई फायर ईमोजी पोस्ट कर इसे फायर बताया है. विक्की के छोटे भाई सनी कौशल ने लिखा है, अरे भाई..भाईभाई और फायर इमोजी शेयर किए हैं. सोनम कपूर ने भी विक्की कौशल के फर्स्ट लुक पर फायर इमोजी पोस्ट किए हैं. विक्की के फैन ने भी उनके इस लुक पर कमेंट बॉक्स में फायर इमोजी की बाढ़ ला दी है. बता दें, इससे पहले आए रणबीर कपूर के फर्स्ट लुक ने भी संजय लीला भंसाली के फैंस को चौंका दिया था और सेलेब्स ने भी खूब तारीफ की थी. वहीं, आलिया भट्टा की कैबरे लुक में आई पहली झलक अभी तक सोशल मीडिया पर छाई हुई है. फिल्म से एक-एक कर तीनों लीड स्टारकास्ट के फर्स्ट लुक सामने आ चुके हैं, जो दर्शकों को बेचैनी बढ़ाने के लिए काफी है. अब इन सभी लुक को देखने के बाद दर्शकों को फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है. फिल्म 21 जनवरी 2027 को वर्ल्डवाइड़ रिलीज होने जा रही है.

'गजा का रोमांचक टीजर जारी, सतीश जय और फर्नाज शेट्टी की जोड़ी ने खींचा ध्यान

जे अभिनेता सतीश जय और फर्नाज शेट्टी की मुख्य भूमिकाओं वाली आगामी फिल्म 'गजा को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढने लगी है। सतीश जय के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर बुधवार को जारी किया गया। 'रॉकिंग स्टार मांचू मनोज ने टीजर जारी करते हुए फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं।

फिल्म का टीजर शुरुआत में ही दर्शकों का ध्यान खींचता है। इसकी शुरुआत भगवद्गीता के एक श्लोक से होती है। इसके बाद कहानी में रहस्य, रोमांच और भावनात्मक दृश्यों की झलक देखने को मिलती है। टीजर में कई ऐसे दृश्य रखे गए हैं, जो फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता पैदा करते हैं। टीजर में सतीश जय और फर्नाज शेट्टी के किरदारों के बीच भावनात्मक जुड़ाव और रोमांस को प्रमुखता से दिखाया गया है। दोनों कलाकारों की जोड़ी और उनके बीच की सहजता कहानी के भावनात्मक पक्ष को मजबूत करती नजर आती है। टीजर में दोनों के अभिनय की भी झलक देखने को मिलती है। फिल्म की कहानी में रोमांस के साथ रहस्य और रोमांच का मेल दिखाई देता है। टीजर में घटनाक्रम को इस तरह प्रस्तुत किया गया है कि दर्शकों के मन में फिल्म की आगे की कहानी को लेकर सवाल बने रहें। फिल्म के दृश्यों को प्रभावशाली बनाने में संगीतकार मणि शर्मा के संगीत की अहम भूमिका नजर आती है।

टीजर में इस्तेमाल किया गया संगीत रोमांच और भावनात्मक दृश्यों के प्रभाव को बढ़ाता है। वहीं जगदीश की छायांकन कला ने फिल्म के दृश्य पक्ष को आकर्षक बनाने में योगदान दिया है। 'गजा के टीजर का भव्य प्रदर्शन एएए सिनेमाज में आयोजित किया गया। इस मौके पर फिल्म से जुड़े कलाकारों और निर्माताओं की मौजूदगी रही। टीजर जारी होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। 'गजा का निर्माण डॉ. मैत्री शरण ने किया है, जबकि फिल्म को चलमालासेट्टी सुनील ने प्रस्तुत किया है। पद्मनाभ रेड्डी, जी. मधुसूदन और एम. नरेंद्र फिल्म के सह-निर्माता हैं। सतीश जय के निर्देशन में बनी यह फिल्म रोमांस, भावनाओं, रहस्य और रोमांच को एक साथ प्रस्तुत करने का प्रयास करती है। फिल्म की रिलीज तारीख को लेकर फिलहाल निर्माताओं की ओर से विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन टीजर जारी होने के बाद इसके प्रति दर्शकों की उत्सुकता बढ़ती दिखाई दे रही है।

बॉक्स ऑफिस : 'द वन' ने धीमी शुरुआत के बाद पकड़ी रफ्तार

सि सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट ने शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत के बावजूद पहले दिन परम सुंदरी और मरजावां से बेहतर प्रदर्शन किया. मल्होत्रा के साथ तमन्ना भाटिया स्टारर इस फिल्म की शुरुआत सुबह धीमी रही, लेकिन दिन भर में रफ्तार पकड़ती गई, और सबसे ज्यादा दर्शक रात के शो में आए. मुंबई में पहले दिन सबसे अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली, जबकि अन्य जगहों पर मिलाजुला रुझान देखने को मिला. यह फिल्म मल्होत्रा के करियर की सबसे अच्छी ओपनिंग-डे परफॉर्म करने वाली फिल्मों में से एक है, हालांकि यह उनकी कुछ सबसे बड़ी शुरुआती फिल्मों से पीछे है और इसे आलोचकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है. दीपक कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक तर्कसंगत शहरी व्यक्ति पर केंद्रित है, जो अपने पैतृक गांव के निषिद्ध जंगल की अवहेलना करता है और एक दिव्य देवी को जागृत करता है, जिससे उसे तर्क से परे शक्तियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है क्योंकि वह एक परोपकारी बन जाता है. पहले दिन, फिल्म द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट ने 6,746 शो में कुल 8.00 करोड़ रुपये की कमाई की. पहले दिन की इसकी कुल ग्रॉस भारतीय कमाई 9.60 करोड़ रुपये रही. हिंदी 2डी संस्करण ने शुक्रवार को सिनेमाघरों में 28.25 प्रतिशत की ऑक्यूपेंसी दर्ज की. फिल्म ने सुबह के शो में 12.23 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ शुरुआत की. दोपहर में यह बढ़कर 24.00 प्रतिशत हो गई और शाम को 26.08 प्रतिशत रही. सबसे अधिक ऑक्यूपेंसी रात के शो में 41.46 प्रतिशत रही, जो दिन के अंत में मजबूत स्पॉट बुकिंग का संकेत देती है. मुंबई में फिल्म को पहले दिन सबसे शानदार प्रतिक्रिया मिली, जहां 491 शो में कुल ऑक्यूपेंसी 33.8 प्रतिशत रही. शहर में रात के शो के

दौरान ऑक्यूपेंसी 43.0 प्रतिशत तक पहुंच गई. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एम.) में, जहां सबसे अधिक 783 शो थे, कुल ऑक्यूपेंसी 28.3 प्रतिशत रही, जो सुबह 16.0 प्रतिशत से बढ़कर देर शाम तक 40.0 प्रतिशत हो गई. अहमदाबाद में 331 शो में कुल ऑक्यूपेंसी 14.0 प्रतिशत रही, जबकि दिन की शुरुआत में दर्शकों की संख्या एकल अंक में थी और रात के शो में 28.0 प्रतिशत रही. भारत में पहले दिन 8 करोड़ रुपये के नेट कलेक्शन के साथ, द वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट सिद्धार्थ मल्होत्रा के करियर की चौथी सबसे बड़ी ओपनिंग डे कलेक्शन वाली फिल्म बन गई. इसने एक विलेन (16.70 करोड़ रुपये), ब्रदर्स (15.21 करोड़ रुपये) और थैंक गॉड (8.10 करोड़ रुपये) से कम ओपनिंग की. वहीं, इसने स्टूडेंट ऑफ द ईयर (7.48 करोड़ रुपये), परम सुंदरी (7.37 करोड़ रुपये) और मरजावां (7.03 करोड़ रुपये) से बेहतर ओपनिंग की.

45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया साक्षी तंवर ने

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर न केवल 45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया, बल्कि एक बेटी को गोद लेकर समाज के सामने मातृत्व का एक नया उदाहरण भी पेश किया है। टीवी, बॉलीवुड और ओटीटी पर अपनी दमदार अदाकारी के लिए मशहूर साक्षी तंवर ने अक्टूबर 2018 में, नवरात्रि के शुभ अवसर पर, नौ महीने की एक बच्ची को गोद लिया था। उन्होंने अपनी बेटी का नाम दित्या रखा, जिसका अर्थ है प्रार्थनाओं का जवाब या देवी लक्ष्मी का एक रूप। जब उन्होंने दित्या को गोद लिया, तब वह 45 साल की थीं और उन्होंने इस फैसले को अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत और महत्वपूर्ण मोड़ बताया था। यह कदम दर्शाता है कि मातृत्व के लिए पारंपरिक विवाह की जरूरत नहीं होती, बल्कि यह एक भावनात्मक बंधन है। साक्षी ने कभी यह नहीं कहा कि वह शादी के खिलाफ हैं, बल्कि उनका मानना रहा है कि शादी सिर्फ इसलिए नहीं करनी चाहिए क्योंकि समाज या परिवार ऐसा चाहते हैं। उन्हें अब तक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जिसके साथ वह

पूरी जिंदगी बिताने का फैसला कर सकें। साक्षी का मानना है कि शादी जबरदस्ती या जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सही इंसान के मिलने पर होनी चाहिए। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि शादी अपने आप होनी चाहिए और अगर किस्मत में होगी तो हो जाएगी, अन्यथा इसका मतलब यह नहीं कि जिंदगी अधूरी रह जाएगी। साक्षी तंवर का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। उनके पिता राजेंद्र सिंह तंवर सीबीआई में अधिकारी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद साक्षी का सपना प्रशासनिक सेवा में जाने का था।

75 मिलियन सब्सक्राइबर्स के साथ शेमारू फिल्मी गाने दुनिया के टॉप 10 म्यूज़िक चैनलों में शामिल

मुंबईः शेमारू एंटरटेनमेंट के प्रमुख यू-ट्यूब चैनल शेमारू फिल्मी गाने ने 75 मिलियन सब्सक्राइबर्स का आँकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही यह दुनिया के टॉप 10 म्यूज़िक चैनलों में शामिल हो गया है। यह उपलब्धि बताती है कि बॉलीवुड के गाने आज भी अलग-अलग उम्र के लोगों और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। इस खास उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए शेमारू फिल्मी गाने ने "सफर अलग, किस्से अलग... गाने आज भी वही" सोच पर आधारित एक ब्रांड फिल्म जारी की है। फिल्म का विचार है कि हर इंसान की जिंदगी और सफर अलग हो सकता है, लेकिन संगीत आज भी लोगों को एक-दूसरे से जोड़ता है। ब्रांड फिल्म में रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े कई पल दिखाए गए हैं। इसमें ऑटो में सफर करता एक व्यक्ति, कैब में जाती एक कामकाजी महिला, नाई की दुकान, घर पर पढ़ाई करता एक व्यक्ति, साथ समय बिताता एक जोड़ा और रिटायरमेंट का जश्न जैसे कई पल शामिल हैं। इन सभी कहानियों के बीच "चला जाता हूँ, किसी धुन में" गीत सुनाई देता है। इससे दिखाया गया है कि किस तरह एक ही गाना अलग-अलग लोगों को जोड़ सकता है। इसके बाद 75 मिलियन सब्सक्राइबर पूरे होने की उपलब्धि दिखाई जाती है। शेमारू एंटरटेनमेंट के डिजिटल कारोबार के मुख्य परिचालन अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने कहा, "हिंदी फिल्म संगीत की खास बात यह है कि यह कई पीढ़ियों से लोगों से जुड़ा हुआ है। कई दशक पुराना कोई गाना आज किसी ऐसे व्यक्ति को भी पसंद आ सकता

है, जिसने उसे पहले कभी नहीं सुना। वहीं, वही गाना किसी दूसरे व्यक्ति को पुरानी यादों में ले जा सकता है। ७५ मिलियन सब्सक्राइबर तक पहुंचना संगीत के साथ लोगों के लंबे जुड़ाव को दिखाता है। हमारा प्रयास इन गानों, कलाकारों और उनकी कहानियों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है।" इस उपलब्धि के साथ उन संगीतकारों और कलाकारों को भी सम्मान दिया जा रहा है, जिन्होंने इन गानों को लोगों की यादों का हिस्सा बनाया है। इसी के तहत शेमारू फिल्मी गाने '75 संगीत दिग्गजों का जश्न' नाम से 15 एपिसोड की नई यू-ट्यूब श्रृंखला शुरू कर रहा है। इस श्रृंखला में हिंदी फिल्म संगीत को खास पहचान देने वाले 75 प्रसिद्ध गायकों, संगीतकारों और गीतकारों को सम्मान दिया जाएगा। हर कड़ी में पांच कलाकारों की कहानी, उनसे जुड़ी खास बातें और उनके यादगार गानों के बारे में बताया जाएगा। यह श्रृंखला दर्शकों को हिंदी फिल्म संगीत के अलग-अलग दौर और उनसे जुड़ी यादों की यात्रा पर ले जाएगी। शेमारू फिल्मी गाने के संग्रह में 10000 से ज्यादा लोकप्रिय गाने हैं। इसमें 1950 के दशक से लेकर आज तक के हिंदी सिनेमा के गाने शामिल हैं। इसमें ऐसे गाने भी हैं, जिन्हें लोग बचपन से सुनते आए हैं और ऐसे गाने भी हैं जिन्हें आज की नई पीढ़ी पहली बार खोज रही है।शेमारू फिल्मी गाने को हर महीने करीब 300 मिलियन व्यूज़ मिलते हैं। यह शेमारू एंटरटेनमेंट के 100 से ज्यादा यू-ट्यूब चैनलों वाले बड़े नेटवर्क का हिस्सा है। इस नेटवर्क में बॉलीवुड, क्षेत्रीय मनोरंजन, भक्ति, बच्चों के मनोरंजन और कई अन्य तरह के चैनल शामिल हैं। सभी चैनलों को मिलाकर नेटवर्क को हर महीने करीब ३ बिलियन व्यूज़ मिलते हैं।

हर खबर पर पैनी नज़र
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

विराट कोहली और शुभमन गिल का शतकीय संग्राम, पहले वनडे में तोड़े सात बड़े रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच में भारतीय टीम ने 8 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज ने पहले 20 ओवरों के भीतर 135 रनों की शुरुआती साझेदारी के बावजूद 295 रन ही बनाए, जिसके जवाब में टीम इंडिया ने 50 गेंद शेष रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के शिल्पकार रहे विराट कोहली, जिन्होंने नाबाद 139 रनों की धुआंधार पारी खेली, और शुभमन गिल, जिन्होंने शतक जड़कर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। इन दोनों बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी, जिससे यह मैच भारतीय क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गया। तिरुवनंतपुरम के इसी मैदान पर साल 2023 में विराट और गिल ने शतक लगाकर श्रीलंका के खिलाफ भारत की 317 रनों की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया था, और एक बार फिर उन्होंने उसी कारनामे को दोहराया। इस मैच में रोहित शर्मा 35 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन उसके बाद गिल और विराट ने मिलकर टीम को जीत दिलाई और कई बड़े कीर्तिमान स्थापित किए।

विराट कोहली ने तोड़े सात रिकॉर्ड: किंग कोहली वनडे में सबसे तेज 15000 रन पूरे करने वाले सचिन तेंदुलकर के बाद दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 303 पारियों में हासिल की, जबकि तेंदुलकर ने 377 पारियां ली थीं। वह दुनिया के पहले बल्लेबाज भी हैं जिन्होंने वनडे में किन्हीं दो टीमों (वेस्टइंडीज और श्रीलंका) के खिलाफ 10-10 शतक लगाए हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में उन्होंने सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है, दोनों के नाम अब 60 शतक हैं। भारत में खेलते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके अब 42 शतक हो गए हैं, जिससे उन्होंने तेंदुलकर की बराबरी की। व्यक्तिगत कीर्तिमान में, वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 छक्के लगाकर उन्होंने एक वनडे पारी में अपने सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी बनाया।

शुभमन गिल वनडे में साल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उनके नाम 9 पारियों में 671 रन दर्ज हैं, उन्होंने जो रूट को पीछे छोड़ा। साथ ही, गिल सबसे तेजी से 10 वनडे शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं, उन्होंने 67 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, शिखर धवन (77) और विराट कोहली (80) से भी आगे निकल गए। इन रिकॉर्ड-तोड़ पारियों ने भारतीय क्रिकेट के भविष्य और वर्तमान दोनों की चमक बढ़ा दी है।

कोहली का करियर खत्म होने के बाद ही उनकी विरासत की अहमियत समझ आएगी : इयान बिशप

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मुकाबले में आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मुकाबले में विराट कोहली ने एकदिवसीय क्रिकेट में 15,000 रन पूरे किए। उनके इस ऐतिहासिक मुकाम और शानदार निरंतरता पर जियोस्टार के विशेषज्ञ इयान बिशप और वरुण आरोन ने जियोहॉटस्टार के 'हायर क्रिकेट लाइव' पर चर्चा की। इयान बिशप ने विराट कोहली की 15,000 एकदिवसीय रन की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा, "आपको वही करना पसंद होना चाहिए, जो आप इतने लंबे समय तक करते हैं और उसी के साथ खुद को विकसित करते हैं। मुझे लगता है कि यह उन्हें एक बेहद खास श्रेणी में रखता है, क्योंकि उन्होंने महान सचिन तेंदुलकर की तुलना में 74 पारियां कम खेलकर 15,000 रन पूरे किए हैं। मैं सचिन को बहुत सम्मान देता हूं और उनके खिलाफ खेल चुका हूं। उनका करियर जहां भी खत्म होगा, उन्हें इस प्रारूप के महानतम बल्लेबाजों में, बल्कि शायद सबसे महान बल्लेबाजों में शामिल होना ही होगा। यह असाधारण है।" उन्होंने आगे कहा, "टेलीविजन पर और स्टेडियम में मौजूद कई प्रशंसक इसकी सराहना कर रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम इसकी पूरी अहमियत तब तक समझ पाएंगे, जब तक उनके खेलने के दिन खत्म हुए कुछ समय नहीं बीत जाता।" कोहली की निरंतरता पर बिशप ने कहा, "विराट इस मामले में अलग हैं। रनों के लिए उनकी भूख और लक्ष्य का पीछा करते समय उनकी गणना, मुझे लगता है कि इस खेल में उसका कोई मुकाबला नहीं है। विराट को मौके की अहमियत समझने की क्षमता है, भले ही वह खुद इसे स्वीकार न करें। लेकिन यही उनका विकास है। मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि उन्होंने 15,000 रन पूरे कर लिए हैं। मुझे पता है कि सचिन भी वहां पहुंचे थे, लेकिन यह बहुत बड़ी संख्या है। अगर इस समय मेरे पास फूल होते, तो मैं उन्हें देता, क्योंकि वह वास्तव में इसके हकदार हैं।"

बारिश ने भारत-अफगानिस्तान मुकाबला धोया, टीम इंडिया सेमीफाइनल में

एजेंसी, आइची-नागोया

एशियाई खेल 2026 के पुरुष क्रिकेट क्वार्टर फाइनल में भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण मैच आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया। मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। बारिश रुकने के बावजूद मैदान खेलने के लिए तैयार नहीं हो सका।

इसके बाद अधिकारियों ने मैच रद्द करने का फैसला किया। बेहतर वरीयता प्राप्त होने के कारण भारत को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। भारत अब सेमीफाइनल में श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा। इससे पहले पाकिस्तान भी हांगकांग के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गया था। पाकिस्तान का सामना अब सेमीफाइनल में बांग्लादेश और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

इस तरह बारिश के कारण एशियाई खेलों के दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबलों का फैसला बिना गेंद फेंके ही हो गया और भारत तथा पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

सचिन तेंदुलकर ने ओपनएआई के साथ की साझेदारी की घोषणा

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सोमवार को ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। तेंदुलकर ने कहा कि वह चैटजीपीटी के साथ नई संभावनाओं को तलाशने, अपने अनुभव साझा करने और अधिक लोगों को इस तकनीक को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर उत्साहित हैं। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए इस साझेदारी की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि इस साझेदारी के तहत वह चैटजीपीटी के इस्तेमाल के नए तरीके तलाशेंगे और जो चीजें उन्हें उपयोगी लगेंगी, उन्हें लोगों के साथ साझा करेंगे। सचिन तेंदुलकर ने कहा, "मैं ओपनएआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हूं। हमारे पास कुछ दिलचस्प चीजें आने वाली हैं और मैं उन्हें आपके साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। मैं हमेशा से जिज्ञासु रहा हूं... एक सवाल अक्सर दूसरे सवाल की ओर ले जाता है और चैटजीपीटी ने निश्चित रूप से इस आदत को और बढ़ावा दिया है। लेकिन जब मुझे कुछ काम पूरे करने होते हैं, तब भी यह उपयोगी साबित हुआ है, जैसे परिवार के साथ मेरी पिछली यात्रा की योजना बनाना।"

1159 दिन बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने कुलदीप यादव, पर श्रेय विराट-गिल को दिया

एजेंसी, नई दिल्ली

विराट कोहली और शुभमन गिल की शानदार शतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। तिरुवनंतपुरम में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 295 रन बनाए थे। भारतीय टीम की ओर से गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। उनकी कसी हुई और निर्णायक गेंदबाजी के कारण ही वेस्टइंडीज की टीम 300 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सकी, जिसने भारत के लिए लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया। कुलदीप यादव के इस प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए मैच खत्म होने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हालांकि, टीम इंडिया का यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी इस अवॉर्ड को लेने में थोड़ी झिझक महसूस कर रहा था। कुलदीप ने अवॉर्ड स्वीकार करते हुए यह स्वीकार किया कि उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें यह अवॉर्ड क्यों मिला, जबकि विराट और गिल ने इतनी असाधारण बल्लेबाजी की थी। कुलदीप ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, "सच कहूं तो मुझे मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेते हुए थोड़ा अजीब लग रहा है, क्योंकि जिस तरह से विराट भाई और गिल ने बल्लेबाजी की, वह वाकई शानदार थी। मेरे ख्याल से इसे लेकर फैसला कुछ और भी हो सकता था।"

बिजनेस

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला शाह इनवेस्टर्स होम का आईपीओ, 6 अक्टूबर को लिस्टिंग संभव

एजेंसी, नई दिल्ली

फाइनेंशियल सर्विस और रिटेल स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी शाह इनवेस्टर्स होम लिमिटेड का 90.17 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर दो बजे तक यह आईपीओ 24 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 159 रुपये से लेकर 167 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 85 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 85 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,195 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,98,730 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लॉट में 1,190 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 53,99,200 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। शाह इनवेस्टर्स होम की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 18.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 23.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 13.11 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 79.05 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 94.47 करोड़ रुपये और 2025-26 में फिसल कर 70.40 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 3.54 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 5.71 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ और तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ कर 18.47 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी का रिजर्व और सरप्लस भी इस अवधि में लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 134.79 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

शिवकेम एग्रो का आईपीओ लॉन्च, 30 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली । कीटनाशक और फफूंदनाशक जैसे एग्रोकेमिकल्स का उत्पादन और कारोबार करने वाली कंपनी शिवकेम एग्रो लिमिटेड का 14.01 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 2:15 बजे तक यह आईपीओ सिर्फ 9 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 59 रुपये से लेकर 62 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,48,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22.60 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एक्मे यूनिवर्सल का पब्लिक इश्यू, 6 अक्टूबर को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट, खासकर इंडस्ट्रियल सेफ्टी फूटवियर बनाने वाली कंपनी एक्मे यूनिवर्सल सेफजोन 9 लिमिटेड का 35.93 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 2:40 बजे तक यह आईपीओ सिर्फ 9 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 65 रुपये से लेकर 71 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,27,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 50,60,800 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 59.03 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 25.90 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 11.15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 3.92 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए एक्सपर्ट ग्लोबल कंसलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां शीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जेएंडके सिक्योरिटीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। एक्मे यूनिवर्सल की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 7.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 80 लाख रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 5.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 181.67 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 191.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 211.16 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 44.51 रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 49.65 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 58.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 41.96 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 46.91 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

एसआरआईटी इंडिया का आईपीओ लॉन्च, 30 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकारी विभागों और बड़ी कंपनियों के लिए कस्टम सॉफ्टवेयर और आईटी सॉल्यूशन तैयार करने वाली कंपनी एसआरआईटी इंडिया का 248.40 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 30 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि पांच सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर छह अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

लॉन्चिंग के बाद दोपहर दो बजे तक यह आईपीओ 63 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 123 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 115 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 115 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,950 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,350 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,495 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.68 करोड़ नए शेयर जारी किए जा रहे हैं।

एफएक्स मल्टिटेक की स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली । एचवीएसी और इंडस्ट्रियल रेफ्रिजरेशन का काम करने वाली कंपना एफएक्स मल्टिटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 116 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 6.08 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 123.05 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर कुछ देर में ही फिसल कर 117 रुपये के स्तर तक गिर गए। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस शेयर की चाल में तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 129.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 13.20 रुपये यानी 11.38 प्रतिशत का फायदा हो गया। इस कंपनी का 45 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 17.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 20.95 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था।

माउंट एवरेस्ट ब्रुअरीज ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी, नई दिल्ली

इंदौर की कंपनी माउंट एवरेस्ट ब्रुअरीज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास जमा मसौदा दस्तावेज के अनुसार माउंट एवरेस्ट ब्रुअरीज लिमिटेड के 10 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ एक बुक बिल्ड इश्यू है, जिसमें पूरी तरह से 1.15 करोड़ इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू शामिल है। इनके शेयरों को एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कंपनी इस ताजा इश्यू से मिलने वाली राशि में से 230 करोड़ रुपये का उपयोग 10 लाख हेक्टोलीटर प्रति वर्ष (एचएलपीए) की क्षमता वाली एक नई ब्रूइंग (बीयर निर्माण) सुविधा स्थापित करने के लिए करेगी। इसके अलावा 70 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने या प्री-पेमेंट के लिए किया जाएगा और बाकी बची राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में लगाई जाएगी। माउंट एवरेस्ट ब्रुअरीज लिमिटेड का यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाया जा रहा है, जिसमें नेट ऑफर का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदार को आवंटित नहीं किया जाएगा, जबकि इसके नेट ऑफर का कम से कम 15 फीसदी और 35 फीसदी हिस्सा क्रमशः गैर-संस्थागत बोलीदाता और खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाता को दिया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।